नई दिल्ली। रविवार, 18 अक्टूबर, 2026
आश्विन शुक्ल पक्ष अष्ठमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 283/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

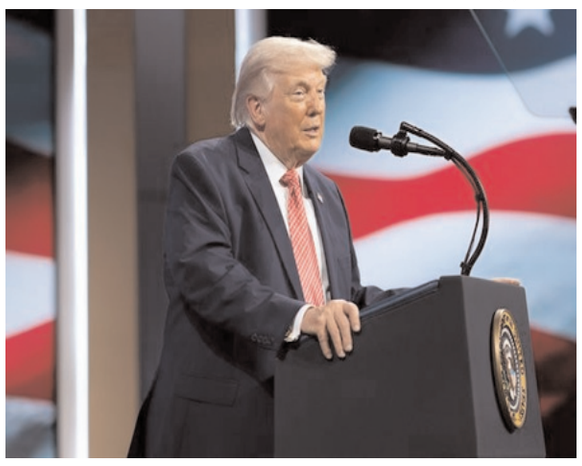


नवरात्र आठवां दिन
माता महागौरी

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल वर्ल्ड कप 2027 के लिए बुमराह की तैयारी?...
@ साहित्य केसरी मुठभेड़...
@ व्यापार दिल्ली में लगातार प्रदर्शनों से व्यापारियों...

रूस से तेल खरीद पर भारत-चीन को टैरिफ से राहतः ट्रंप



एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने वाले देशों को निशाना बनाने वाले एक नए कानून के तहत दंडात्मक शुल्क (टैरिफ) लागू कर दिया है। हालांकि, उन्होंने एक ही आदेश में इस शुल्क को तुरंत निलंबित (वेव) भी कर दिया। इसके चलते भारत और चीन जैसे देशों पर 100 प्रतिशत का भारी-भरकम आयात शुल्क लगने से बच गया है। यह फैसला उस समय आया है जब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत दौरे पर रवाना हो रहे हैं।

व्हाइट हाउस की ओर से शुक्रवार देर रात जारी किए गए इस आदेश के जरिए 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शन्स रशिया एंड ईरान एक्ट 2026' को लागू किया गया। ट्रंप ने इस कानून पर 18 सितंबर को हस्ताक्षर किए थे।

कानून के मुताबिक, रूस से तेल और गैस खरीदने वाले सबसे बड़े देशों पर 30 दिनों के भीतर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क लगाया जाना था। इसकी समयसीमा 18 अक्टूबर को पूरी हो रही है।

आदेश के अनुसार, अगर कोई देश 18 अक्टूबर 2026 या उसके बाद रूस से नया कच्चा तेल या प्राकृतिक गैस खरीदता है, तो रूसी तेल और गैस के पांच सबसे बड़े आयातकों से आने वाले सामान पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया जा सकता है।

इसी तरह, रूस पर लगे तेल प्रतिबंधों से बचने में मदद करने वाले शीर्ष पांच देशों या संस्थाओं के सामान पर भी 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रावधान है। वहीं, रूस से आने वाले सामान पर शुल्क 500 प्रतिशत तक बढ़ाने की बात भी कही गई है। लेकिन आदेश की धारा 4 में इन सभी उपायों को तुरंत निलंबित कर दिया गया। ट्रंप ने लिखा, मैं इसके द्वारा ग्राहम एक्ट की धारा 112 और 113, या इस आदेश के तहत लगाए गए किसी भी शुल्क को माफ करता हूं।

दिल्ली पुलिस पर राहुल गांधी ने लगाए बर्बरता के आरोप

राहुल ने पुलिस पर कपड़े खींचने और निजी अंगों पर हमला करने के आरोप लगाए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली पुलिस पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों और महिलाओं के साथ बर्बरता करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि लोगों की आवाज दबाने और उन्हें सवाल पूछने से रोकने के लिए ऐसा किया जा रहा है। राहुल ने पुलिस के कथित बर्ताव को शर्मनाक बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा।

राहुल बोले- बर्बरता ने शर्म की सारी हदें पार कीं

राहुल गांधी ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतंत्र के लिए आवाज उठाने वाले छात्रों और महिलाओं के साथ दिल्ली पुलिस का बर्ताव शर्म की हदें पार कर चुका है। उन्होंने यौन उत्पीड़न, कपड़े खींचने और निजी अंगों पर हमले जैसे गंभीर आरोप लगाए। राहुल ने कहा कि यह सब लोगों की आवाज दबाने की साजिश का हिस्सा है।



> लोकतंत्र के लिए आवाज उठाने वाले छात्रों और महिलाओं के साथ दिल्ली पुलिस की बर्बरता ने शर्म की हदें पार कर दी हैं। यह आवाज दबाने की साजिश है, ताकि कोई दोबारा सवाल न उठाए।
>
> *राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष, लोकसभा*

उनके मुताबिक, लोगों को इतना डराने और अपमानित करने की कोशिश की जाती है कि वे दोबारा सवाल उठाने की हिम्मत न कर सकें।

यौन उत्पीड़न, कपड़े खींचना और निजी अंगों पर हमला - लोकतंत्र के लिए आवाज़ उठाने वाली छात्राओं और महिलाओं के साथ दिल्ली पुलिस की बर्बरता शर्मनाक हदें पार कर रही है। यह सब आवाज़ों को दबाने की उस साजिश का हिस्सा है, जिसमें इतना डरा दो, इतना अपमानित करो कि कोई दोबारा सवाल उठाने की हिम्मत ही न करे। मोदी-शाह जानते हैं कि जिस दिन सत्ता हाथ से गई, उस दिन उनकी मनमानी की कहानी खत्म। उनका यही डर पुलिस तक पहुँचता है और हिंसा बनकर देश के युवाओं और महिलाओं पर टूट रहा है।

पीएम मोदी और अमित शाह पर भी साधा निशाना

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी हमला बोला। राहुल ने आरोप लगाया कि दोनों को डर है कि जिस दिन सत्ता उनके हाथ से चली जाएगी, उस दिन उनकी मनमानी का दौर खत्म हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि यही डर पुलिस के जरिये देश के युवाओं और महिलाओं पर हिंसा के रूप में सामने आता है। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी और शाह हत्यारे हैं। उनके दिल में डर है कि सत्ता से जाने के बाद हमारा क्या होगा।

महिला प्रदर्शनकारियों ने सुनाई आपबीती

राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट के साथ करीब 10 मिनट का एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें वह कुछ युवा महिला प्रदर्शनकारियों से बातचीत करते दिखाई दिए। इन महिलाओं ने आरोप लगाया कि हाल के प्रदर्शनों के दौरान पुलिसकर्मियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और उनके निजी अंगों को निशाना बनाया। महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ पुलिस अधिकारियों ने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को उनके निजी अंगों को छूकर यौन उत्पीड़न करने के लिए कहा, ताकि शर्म के मारे वो वहां से चले जाएं। ये आरोप महिलाओं ने राहुल गांधी के साथ बातचीत के दौरान लगाए।

पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग

महिला प्रदर्शनकारियों ने कथित दुर्व्यवहार के लिए जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उनसे कहा कि वे अपने आरोपों के समर्थन में तस्वीरें और वीडियो जैसे अतिरिक्त सबूत उपलब्ध कराएं, ताकि संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ मामले दर्ज कराए जा सकें।

देश को तोड़ने की कोशिश कर रहा विपक्षः शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी ■ भोपाल

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया है कि विपक्षी दल देश को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उनके यह मंसूबे कभी पूरे नहीं होंगे।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान वंदे मातरम् के 150 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में



आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने भोपाल के स्मार्ट सिटी पार्क में सात राज्यों से आए युवाओं के साथ पौधरोपण किया और उनसे सीधा संवाद किया। शिवराज सिंह चौहान ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए रचनात्मक युवा शक्ति तैयार करने में माई भारत एक बड़ा प्लेटफॉर्म है। उन्होंने बांग्लादेश मॉडल को आदर्श बताने और रेजीम चेंज करने वाले विपक्ष के बयानों पर पलटवार करते हुए कहा कि अब इरादे जाहिर हो गए हैं और दिल की बात जुबान पर आ गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के मन में भी सत्ता परिवर्तन की इच्छा है, लेकिन चुनाव में जीत नहीं मिलने के कारण विपक्ष दूसरा रास्ता तलाश रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की जनता के हृदय में बसते हैं और जनता उन्हें अपना समर्थन देती है।

खबर झरोखा

युवाओं ने देशविरोधी ताकतों को दिया करारा जवाबः अमित शाह



नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ओडिशा के छात्रसंघ चुनावों में मिली प्रचंड जीत के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि परिषद की यह जीत देशविरोधी ताकतों को युवाओं का करारा जवाब है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, ओडिशा के छात्रसंघ चुनावों में मिली प्रचंड जीत के लिए एबीवीपी के कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई। शाह ने पंजाब यूनिवर्सिटी, दिल्ली यूनिवर्सिटी और अब ओडिशा के विश्वविद्यालयों में एबीवीपी जीत का जिक्र करते हुए विरोधियों पर भी हमला बोला। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में कहा, 'पहले पंजाब यूनिवर्सिटी, फिर दिल्ली यूनिवर्सिटी और अब ओडिशा के 13 विश्वविद्यालयों में एबीवीपी को मिली यह शानदार जीत स्पष्ट संदेश है कि देश की युवा शक्ति झूठ, भ्रम व अराजकता फैलाने वाली ताकतों के साथ नहीं, बल्कि 'राष्ट्र प्रथम' की विचारधारा के साथ मजबूती से खड़ी है।

बांग्लादेश के रिजॉर्ट में आग, 10 की मौत



एजेंसी ■ ढाका

बांग्लादेश के कॉक्स बाजार जिले में शनिवार सुबह समुद्र किनारे बने एक रिजॉर्ट में आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक ही परिवार के 6 सदस्य शामिल हैं।

आग सुबह करीब 7:25 बजे टुपटुप रेस्टो एंड रिजॉर्ट में लगी। तीन मंजिला लकड़ी की इमारत आग में पूरी तरह जलकर खाक हो गई। हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं।

रिजॉर्ट के पास आग से बचाव के इंतजामों की मंजूरी नहीं थी। जून में चेकिंग के दौरान अधिकारियों ने इसे लेकर चेतावनी भी दी थी।

रिजॉर्ट में आग लगने पर वहां मौजूद लोग चीखते हुए।

शार्ट सर्किट की वजह से आग लगने की आशंका

गैस सिलेंडर में विस्फोट के बाद आग तेजी से पूरी इमारत में फैल गई। हालांकि, जांच पूरी होने के बाद ही आग लगने की असली वजह का पता चल सकेगा।

आग लगने के समय रिजॉर्ट में करीब 30 लोग मौजूद थे। इनमें से 4 से 5 लोग किसी तरह बाहर निकलने में कामयाब रहे। बाकी लोगों के बारे में अभी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है।

दूसरी मंजिल से कूदकर जान बचाई, पत्नी समेत 5 लोग जल गए

तीन मंजिला रिजॉर्ट बांस और लकड़ी से बना था। यह कॉक्स बाजार के लोकप्रिय समुद्र तटीय इलाके कोलातोली के बाहरी हिस्से में स्थित था। यह जगह राजधानी ढाका से करीब 410 किलोमीटर दूर है।

रिपोर्ट के मुताबिक अशिकुल इस्लाम अपने परिवार के साथ रिजॉर्ट में छुट्टियां मनाने आए थे। आग लगने पर उन्होंने दूसरी मंजिल से छलांग लगाकर अपनी जान बचाई। हालांकि, उनकी पत्नी इसरत जहां मलिहा और परिवार के पांच और लोगों की मौत हो गई।

अस्पताल के अधिकारियों के मुताबिक, अब तक जिन 10 मृतकों की पहचान हुई है, उनमें इसरत जहां मलिहा (30), मिलिता मेहेजाबीन अल्वी (23), लैला जहां नाबिला (27), नफिस्ता मीम (27), फरिहा कबीर (33) और पांच साल का फैजान अहमद शामिल हैं।

कोलकाता के चोरबगान दुर्गापूजा पंडाल में भगदड़, 18 की मौत

40 से ज्यादा लोग घायल

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिन दुर्गापूजा के पंडाल में शनिवार को सप्तमी की शाम उमड़ी भारी भीड़ से मची भगदड़ में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई जबकि 40 से घायल हुए हैं, जिन्हें मेडिकल कालेज अस्पताल ले जाया गया है। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। आशंका है कि घायलों की संख्या बढ़ सकती है।



घटना की जानकारी मिलने के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी अस्पताल पहुंचे हैं। पूजा आयोजकों को थाने में तलब किया गया है। प्रतिमा दर्शन बंद कर दिया गया है। घटना के समय बाहर तेज बारिश हो रही थी।

बारिश के बीच पंडाल में दर्शनार्थियों की भीड़ बढ़ने से स्थिति बिगड़ गई। बताया जा रहा है कि पंडाल का ढांचा टूटने के कारण भी यह हादसा हुआ हो सकता है। घटना के बाद पूजा पंडाल की रोशनी बंद कर दी गई और बाहर निकलने के रास्ते भी बंद कर दिए गए। फिलहाल घायलों को निकालकर अस्पताल पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है।

पूजा के आयोजक विकास दास ने कहा कि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हादसा कैसे हुआ। उनकी प्राथमिकता घायलों को अस्पताल पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि भीड़ के दबाव में लोग कुचल गए या किसी अन्य कारण से यह स्थिति बनी, यह अभी साफ नहीं है।

घटनास्थल पर पुलिस और दमकलकर्मियों के पहुंचने की बात भी उन्होंने कही। घटना की जानकारी मिलने के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी अस्पताल पहुंचे हैं। दूसरी तरफ पूजा आयोजकों को थाने में तलब किया गया है।

सरकार ने जारी किया टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर

इस बीच, बंगाल सरकार ने एक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। दुर्घटना से जुड़ी किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता प्राप्त करने के लिए लोग 18003455678 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

गौरतलब है कि चोरबगान सार्वजनिन दुर्गोत्सव समिति ने इस वर्ष अपने पूजा पंडाल की थीम 'आर्ब' रखी है, जिसका अंग्रेजी भावार्थ 'ध्वनि से परे' है। इस अवधारणा के जरिए ध्वनि की परिचित सीमाओं से आगे बढ़कर मौन की गहराई को दर्शाने का प्रयास किया गया है। पंडाल को 360 डिग्री की अवधारणा के आधार पर तैयार किया गया है।

अभिजीत दिपके को मिली जमानत, शांति बनाए रखने की शर्त

कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में 'लहरा दो तिरंगा' विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कॉक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके को कुछ शर्तों के साथ जमानत दे दी गई है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, दिपके को पीस बॉन्ड (शांति बनाए रखने के बांड) पर जमानत दी गई है।

इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को अभिजीत दिपके को एहतियाती हिरासत में लिया था। उन्होंने कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में 'लहरा दो तिरंगा' विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था।

दिपके को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रवक्ता अनीश गवांडे के आवास से निकलने के बाद हिरासत में लिया गया था। इस दौरान एक पुलिस अधिकारी ने उनसे कहा था कि कनॉट प्लेस में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस)



की धारा 163 लागू है और इसी के तहत उन्हें एहतियाती हिरासत में लिया जा रहा है।

बता दें कि सीजेपी ने शुक्रवार को कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में 'लहरा दो तिरंगा' विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर दीपके को नोटिस जारी किया था। पुलिस ने नोटिस में कहा था कि सोशल मीडिया के जरिए शाम पांच बजे कनॉट प्लेस में जुटने की अपील की गई थी, जबकि इसके लिए कानूनी अनुमति नहीं ली गई थी।

दिल्ली पुलिस ने नोटिस में दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए कहा था कि कनॉट प्लेस में बिना अनुमति भीड़ जुटने से यातायात, कानून-व्यवस्था, सार्वजनिक सुरक्षा और व्यावसायिक गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं।

पुलिस के मुताबिक, कनॉट प्लेस एक प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र है, जहां बड़ी संख्या में दुकानें, शोरूम, रेस्टोरेंट, होटल, बैंक और कार्यालय हैं। यहां प्रदर्शन होने से कारोबार और व्यापारियों के साथ काम करने वाले कर्मचारियों की आजीविका पर असर पड़ने की आशंका जताई गई थी। नोटिस में राजीव चौक मेट्रो स्टेशन का भी उल्लेख किया गया था। पुलिस ने कहा था कि यह ब्लू और येलो लाइन को जोड़ने वाला प्रमुख स्टेशन है, जहां से रोजाना करीब दो लाख यात्री सफर करते हैं।

तीर तेवर — सागर कुमार



नगरीय निकाय चुनाव में प्रचंड जीत हमारा लक्ष्य : कर्मवीर सिंह

विश्व केसरी■



रायपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में शनिवार को आगामी नगरीय निकाय चुनाव को लेकर एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। बैठक में चुनावी रणनीति, संगठनात्मक तैयारियों और बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता को लेकर विस्तार से रणनीतिक चर्चा हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा का लक्ष्य सभी नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में जीत हासिल करना है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना और प्रत्येक बूथ को मजबूत करना ही हमारी जीत का आधार होगा। हमारा लक्ष्य केवल नगरीय निकाय चुनाव ही नहीं, बल्कि यह चुनाव आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी भी है। नगरीय निकाय चुनाव के साथ हमें विधानसभा में भी प्रचंड जीत हासिल करनी है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी ने कहा कि भाजपा पूरी तैयारी के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी और प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने पिछले एक वर्ष में नगरीय क्षेत्रों के विकास के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के शहर स्वच्छ, सुंदर और विकसित हो रहे हैं। जनता का विश्वास भाजपा के साथ है।

क्रेडा अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता भूपेन्द्र सवन्नी ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर पर सक्रिय है। हम वार्ड-वार्ड तक संपर्क कर सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएंगे। नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत होगी और ट्रिपल इंजन की सरकार विकास को नई गति देगी।

बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय ने किया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही, संभाग प्रभारी, नगरीय निकाय चुनाव प्रभारी, सह प्रभारी सहित भाजपा पदाधिकारी, उपस्थित रहे।

सवालों के घेरे में सीजीपीएससी! पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से क्यों मिले अभ्यर्थी ?



विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (CGPSC) मुख्य परीक्षा 2025 के अभ्यर्थियों ने आज भिलाई में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से उनके निवास पर मुलाकात की। इस दौरान अभ्यर्थियों ने पुनर्मूल्यांकन और साक्षात्कार से पहले सूचना के अधिकार (RTI) के माध्यम से अपनी उत्तरपुस्तिकाओं की कॉपी उपलब्ध कराने की मांग की।

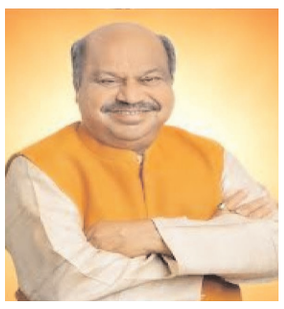
पूर्व मुख्यमंत्री ने फेसबुक पर किया पोस्ट

इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ने अभ्यर्थियों की मांगों के समर्थन में उनके साथ खड़े रहने की बात कही। उन्होंने अपने सोशल मीडिया फेसबुक पर पोस्ट करते हुए लिखा आज भिलाई निवास में CGPSC मुख्य परीक्षा 2025 के अभ्यर्थियों से भेंट-मुलाकात हुई।

उन्होंने आगे लिखा कि अपनी मेहनत से अपने भविष्य और न्याय की उम्मीद लेकर पहुंचे युवाओं ने पुनर्मूल्यांकन तथा साक्षात्कार से पूर्व RTI के माध्यम से उत्तरपुस्तिकाओं की कॉपी उपलब्ध कराने की मांग रखी। युवा साथियों के साथ हम सब खड़े हैं।

मिशन 2028 की तैयारी को लेकर पुरंदर मिश्रा ने दी जानकारी

विश्व केसरी■



रायपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा में मिशन 2028 की तैयारी गति पकड़ ली है। भाजपा नेता पुरंदर मिश्रा ने बताया कि नवनियुक्त छत्तीसगढ़ भाजपा प्रभारी स्मृति ईरानी दो दिवसीय दौरे पर आएंगे। 25 और 26 अक्टूबर को अपनी यात्रा के दौरान रैम्प में पूर्व प्रदर्शनियों और कलाकारों से वन-टू-वन चर्चा रणनीति पर। स्मृति ईरानी संगठन के बेल्जियम से फ्रिम लेंगी। इसके साथ ही प्रदेश के 60 से अधिक पूर्वोत्तर न्यूनतम-विधायकों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

भाजपा नेता पुरंदर मिश्रा ने मीडिया से चर्चा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दो दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर बताया कि राष्ट्रपति 22-23 अक्टूबर को रायपुर और जगदलपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। दोपहर 12:45 बजे रायपुर के लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। पूज्य माता हासी देवी जी के सम्मान में 200 रुपये का स्मारक नारियल जारी किया गया।

इसके अलावा शाम 4 बजे वे रायपुर के इंदौर स्टेडियम में नुआखाई पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। 'सेवा सम्मान पर्व' एवं 'युवा प्रबोधन' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल।

23 अक्टूबर को राष्ट्रपति प्रात: 11 बजे जगदलपुर में स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना की गई। 12:45 बजे वे जगदलपुर में मुरिया दरबार एवं दशहरा उत्सव पर आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

वहीं धान संप्रग की शुरुआत से पहले सरकार की ओर से की जाने वाली जानकारी देते हुए भाजपा नेताओं ने बताया कि धान की साइकिलिंग और हेराफेरी पर रोक डिजिटल निगरानी की है। अब हर बोरी पर क्यूआर कोड स्थिर है। इसके साथ धान की कस्टम मिलिंग नीति 2026-27 जारी की गई है।

सही अवसर और मार्गदर्शन मिले तो सरगुजा का बच्चा भी देश में बना सकता है अपनी अलग पहचान: मंत्री राजेश अग्रवाल

विश्व केसरी■



रायपुर। सरगुजा जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के डॉक्टर और इंजीनियर बनने के सपनों को साकार करने की दिशा में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल की गई है। अब जिले के शासकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को नीट एवं जेईई जैसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बड़े शहरों की ओर रुख करने की आवश्यकता कम होगी। उन्हें अपने विद्यालयों में ही आधुनिक स्मार्ट क्लासरूम, विषय विशेषज्ञ शिक्षकों और नवीनतम डिजिटल तकनीक के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण कोचिंग की सुविधा मिलेगी।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने शनिवार को जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में सरगुजा जिले के 35 शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में नीट एवं जेईई की नि:शुल्क लाइव ऑनलाइन कोचिंग का शुभारंभ किया। जिला खनिज संस्थान न्यास एवं स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी परियोजना से लगभग 2,120 विद्यार्थियों को दो वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का अवसर मिलेगा।

यह पहल विशेष रूप से उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी, जो आर्थिक एवं भौगोलिक परिस्थितियों के कारण बड़े शहरों में जाकर महंगी कोचिंग प्राप्त नहीं कर पाते। अब सरगुजा के विद्यार्थियों को अपने ही विद्यालय में राष्ट्रीय स्तर के शिक्षकों से पढ़ने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर प्राप्त होगा।

यह केवल कोचिंग की शुरुआत नहीं, बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है: मंत्री अग्रवाल- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि यह केवल एक शैक्षणिक परियोजना का शुभारंभ नहीं, बल्कि सरगुजा के हजारों बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने का संकल्प है। शिक्षा ही वह सशक्त माध्यम है, जिससे समाज और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य संवारा जा सकता है। हमारा प्रयास है कि सरगुजा का कोई भी प्रतिभाशाली विद्यार्थी केवल संसाधनों और आर्थिक परिस्थितियों के अभाव में अपने सपनों से वंचित न रहे।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को नीट और जेईई जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर संसाधन एवं गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। इस पहल से विद्यार्थियों को विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिलेगा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में आने वाली आर्थिक एवं शैक्षणिक कठिनाइयों को कम करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि प्रतिभा किसी बड़े शहर की मोहताज नहीं होती।

निकाय चुनाव की तैयारी तेज : भाजपा की बैठक में बनी जीत की रणनीति

सांसद संतोष पांडेय ने कहा - सभी 17 निकायों में जीतेंगे

विश्व केसरी■



रायपुर। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी तैयारियां तेज कर दी है। आज राजधानी रायपुर स्थित भाजपा प्रदेश मुख्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में संगठन की बड़ी बैठक हुई, जिसमें प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने पदाधिकारियों और जिला प्रभारियों के साथ चुनावी रणनीति पर चर्चा की। बैठक में सांसद और विधायक भी शामिल हुए।

भाजपा ने प्रदेश के सभी 17 नगरीय निकायों में जीत हासिल करने का लक्ष्य रखा है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में हुई बैठक में नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों और आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह के साथ प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, अखिलेश सोनी, डॉ. नवीन मार्कंडेय, प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही और क्रेडा अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी सहित संगठन के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

सभी 17 नगरीय निकायों में भाजपा की होगी जीत : सांसद

जिला प्रभारियों के साथ कुछ सांसद और विधायकों ने भी बैठक में हिस्सा लिया। बैठक के बाद भाजपा के मुख्य प्रवक्ता और सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि प्रदेश के नगरीय निकायों में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। सुशासन के मामले में कहीं कोई कमी नहीं है। नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में विकास कार्यों के आधार पर भाजपा सभी 17 नगरीय निकायों में जीत हासिल करेगी।

महादेवघाट विसर्जन कुंड पर विशेष व्यवस्था

विश्व केसरी■



रायपुर। राजधानी रायपुर में आगामी त्योहारों को लेकर प्रशासनिक तैयारियां जोरों पर शुरू हो चुकी हैं। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी दुर्गा विसर्जन खारून नदी स्थित महादेवघाट पाटन पुलिया के पास बनाए गए विशेष विसर्जन कुंड में ही संपन्न किया जाएगा।

पर्यावरण सुरक्षा और व्यवस्थित संचालन को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन और नगर निगम ने सभी जरूरी प्रबंधों को समय पर पूरा करने के निर्देश जारी कर दिए हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जोन 8 कमिश्नर को सौंपी गई मुख्य जिम्मेदारी

विसर्जन स्थल पर प्रकाश व्यवस्था (लाइट), क्रेन, स्टेज, लाउडस्पीकर, पेयजल और साफ-सफाई जैसी तमाम व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी रायपुर नगर निगम के जोन क्रमांक 8 की जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल को सौंपी गई है। इसके अलावा, सुचारू संचालन और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों की तीन पालियों में 8-8 घंटे की चक्रानुसार ड्यूटी लगाई गई है, जो 20 अक्टूबर सुबह 6 बजे से 25 अक्टूबर सुबह 6 बजे तक निरंतर अपनी सेवाएं देंगी।

एनजीटी के नियमों का सख्ती से पालन

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त संबित मिश्रा द्वारा जारी प्रशासनिक आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) और छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को पाबंद किया गया है। खारून नदी के मुख्य जल स्रोत को प्रदूषित होने से बचाने और नदी में सीधी मूर्ति विसर्जन पर लगे प्रतिबंध का पालन कराने के कड़े निर्देश दिए गए हैं।

दशहरा उत्सव के लिए भी व्यापक प्रबं

20 अक्टूबर 2026 को आयोजित होने वाले दशहरा उत्सव (रावण पुतला दहन) के लिए भी शहर के प्रमुख स्थलों पर व्यापक प्रशासनिक प्रबंध किए गए हैं। रावणभाठा और डब्ल्यू. आर. एस. कॉलोनी के साथ-साथ चौबे कॉलोनी, राजेंद्र नगर, शंकर नगर और रामकुंड (स्वामी विवेकानंद आश्रम के पास) में होने वाले कार्यक्रमों के लिए संबंधित जोन कमिश्नरों को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इन स्थलों पर साफ-सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाइट और अग्निशमन वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

वरिष्ठ अधिकारियों की विशेष समिति का गठन

दशहरा उत्सव और दुर्गा माता मूर्ति विसर्जन की संपूर्ण व्यवस्था पर नजर रखने के लिए नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है।

छत्तीसगढ़ में दीपावली अवकाश अब 6 दिन का, स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किया संशोधित आदेश

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षण सत्र 2026-27 के लिए पूर्व में घोषित दीपावली अवकाश में आंशिक संशोधन करते हुए अब कुल 6 दिनों का अवकाश घोषित किया है। संशोधित आदेश के अनुसार प्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त एवं गैर अनुदान प्राप्त स्कूलों तथा डी.एड., बी.एड., एम.एड. महाविद्यालयों में 6 नवंबर से 11 नवंबर 2026 तक दीपावली अवकाश रहेगा।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 16 अक्टूबर 2026 को जारी आदेश के अनुसार पूर्व में 21 सितंबर 2026 को जारी शैक्षणिक कैलेंडर में दीपावली अवकाश 6 नवंबर से 10 नवंबर 2026 तक कुल 5 दिनों के लिए निर्धारित किया गया था। राज्य शासन ने उक्त आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए दीपावली अवकाश की अवधि एक दिन बढ़ाकर 11 नवंबर 2026 तक कर दी है।इस निर्णय से प्रदेश के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शैक्षणिक संस्थानों को दीपावली पर्व के अवसर पर एक अतिरिक्त दिन का अवकाश मिलेगा।

रास गरबा आयोजित



विश्व केसरी■

रायपुर । खंडेलवाल युवा मंच एवं खंडेलवाल महिला मंडल के संयुक्त तत्वाधन में दो दिवसीय रास गरबा का आयोजन स्थानीय समाज के लिए दिनांक 15 एवं 16 अक्टूबर की रेयान किचन टर्क, कोटा में बहुत ही सुंदर पारंपरिक वेशभुषा में आयोजित किया गया था।

शुभम तंबोलिया, विशेष बढ़ाया, हनुमान जी एवं हैप्पी जी का विशेष योगदान कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

3 साल के बच्चे का हाथ टूटा, सिगरेट से दागने का भी आरोप

मां और सौतेला पिता गिरफ्तार

विश्व केसरी■



रायपुर । रायपुर के पंडरी के तरुण नगर लोधी पारा में 3 साल के बच्चे के साथ मां और सौतेले पिता ने बेरहमी से मारपीट की है। उसके हाथ में फ्रैक्चर आ गया और प्लास्टर चढ़ाना पड़ा। उसकी आंख चोट के कारण बुरी तरह सूज गई है। पीठ पर सिगरेट से दागने के निशान मिले हैं।

बच्चे की 6 साल की बहन लक्ष्मी ने मोहल्ले के लोगों को इसकी जानकारी दी। तब बस्ती वालों ने सिविल लाइन थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मां अन्नू देवी और सौतेले पिता राजा के खिलाफ FIR दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, 13 अक्टूबर की सुबह करीब 8:30 बजे लक्ष्मी ने मोहल्ले वालों को अपने छोटे भाई के साथ मारपीट की जानकारी दी। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि, बच्चे के चेहरे और शरीर पर चोट के निशान हैं। उसके हाथ में प्लास्टर चढ़ा हुआ है और बाईं आंख में भी सूजन है। बच्चे को सौतेला पिता राजा पीटता था, लेकिन मां अन्नू देवी उसे नहीं रोकती थी। बच्चे के साथ पहले भी मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया है।

बच्चे को सुरक्षित रखने की मांग

बस्ती के लोगों ने आरोप लगाया है कि, मां बच्चों के साथ कथित मारपीट को रोकने के लिए कुछ नहीं करतीं। शिकायतकर्ताओं ने आशंका जताई है कि पुलिस कार्रवाई के डर से किराए के मकान में रहने वाला परिवार कहीं और जा सकता है। उन्होंने पुलिस से बच्चे का मेडिकल परीक्षण कराने और उसे बाल कल्याण समिति (CWC) के सामने पेश करने की मांग की है। साथ ही बच्चे को सुरक्षित बाल गृह में रखने की अपील की है, जिससे उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

तीन धाराओं में दर्ज हुआ केस

पुलिस ने मामले में किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 75 और भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 115(2) व 3(5) के तहत FIR दर्ज की है। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर: : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36317..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 16-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36317
वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी **RPR227W00394** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ADITYA MODI** पिता/पति श्री श्रीमती **PRADEEP MODI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **फखरुद्दीन कुरैशी** पिता/पति श्री श्रीमती **नसीरुद्दीन कुरैशी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर: : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36433..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 17-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36433
वार्ड का नाम 63 ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR455Q00029** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **Tulsi Ram** पिता / पति श्री/श्रीमती **Ragi Dhimar** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **SHIVCHARAN DHIWAR** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O LT. TULSIRAM DHIWAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SHAPATH PATRA, SAHMATI PATRA AND DEATH CERTIFICATE OR PANCHNAMA /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

करुणा और संवेदनशीलता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं : न्यायमूर्ति विक्रम नाथ

विश्व केसरी■



लखनऊ। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विक्रम नाथ तथा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली की उपस्थिति में शनिवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के पंचम दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हुआ। इस अवसर पर प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मेडल एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया।

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि डिग्री हासिल करना मंजिल नहीं, बल्कि नई यात्रा की शुरुआत है। यह उपलब्धि विद्यार्थियों के परिश्रम, समर्पण, अनुशासन और ज्ञान प्राप्ति के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है। उनकी सफलता माता-पिता, शिक्षकों और शिक्षण संस्थान के लिए भी गर्व का विषय है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने कहा कि शिक्षा की वास्तविक परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर से बाहर निकलने के बाद शुरू होती है, जब विद्यार्थियों को दुनिया की जटिलताओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उनकी सफलता का वास्तविक आकलन इस बात से होगा कि वे दूसरों के जीवन में कितना सकारात्मक बदलाव लाते हैं।

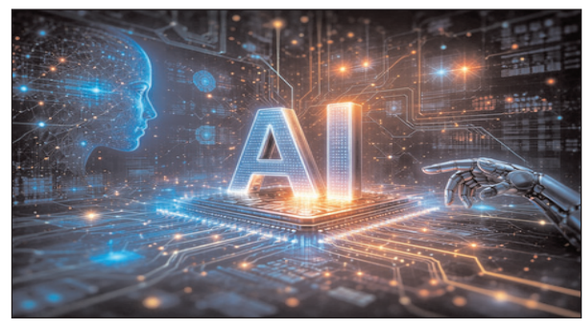
न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने विद्यार्थियों से जिम्मेदार नागरिक बनने और संवैधानिक मूल्यों का पालन करने का आह्वान किया। कहा कि करुणा और संवेदनशीलता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। विश्वविद्यालय से विदा लेते समय संस्थान के मूल्यों को हृदय में और आदर्शों को आचरण में धारण करें। अपने कार्यों के माध्यम से इन मूल्यों को समाज और देश तक पहुंचाएं। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल, उद्देश्यपूर्ण और सफल भविष्य की कामना की।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली ने कहा कि देश में विधि शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय का विशेष स्थान है। उत्तर प्रदेश के केंद्र में गुणवत्तापूर्ण विधि शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित इस संस्थान ने न्यायपालिका, विधि शिक्षा और लोकसेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उन्होंने विश्वास जताया कि यहां से उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के उच्च मानकों और परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ देश में कानून के शासन को मजबूत करने में सार्थक योगदान देंगे।

अमेरिकी कंपनी निल्सन भारत को बना रही अपना प्रमुख ग्लोबल इनोवेशन सेंटर : रिपोर्ट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। अमेरिका की मीडिया एनालिटिक्स कंपनी निल्सन भारत को अपना प्रमुख ग्लोबल इनोवेशन सेंटर बना रही है। देश में कंपनी के 5,000 से अधिक कर्मचारी हैं, जो उसके दुनियाभर के कुल कर्मचारियों का लगभग आधा हिस्सा हैं। बेंगलुरु कंपनी का सबसे बड़ा केंद्र है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

मनीकंट्रोल का हवाला देते हुए डेली सन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि निल्सन के ग्लोबल इनोवेशन का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा अब भारत से आता है। कंपनी ने यहां विज्ञापन संबंधी जानकारी जुटाने और उसका विश्लेषण करने की प्रक्रिया को स्वचालित बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी अनिल गोयल ने कहा कि एआई खेल आयोजनों में ब्रांड की दृश्यता पर नजर रखने और विभिन्न मीडिया माध्यमों में बंटे दर्शकों की संख्या का आकलन करने की प्रक्रिया को स्वचालित बनाने में मदद करता है।

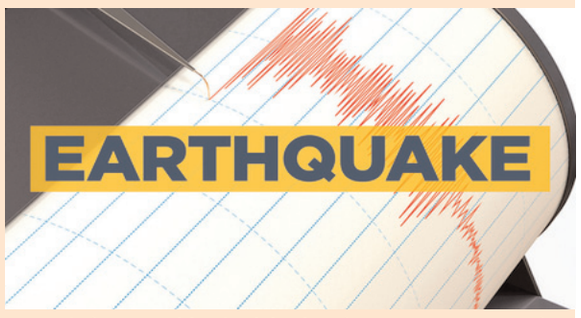
उन्होंने कहा कि कंपनी ने भारत में अपने परिचालन को इस तरह विकसित किया है कि देश उसका 'ग्लोबल इनोवेशन सेंटर' बने, न कि केवल एक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी)।

गोयल के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया, 'पारंपरिक जीसीसी के विपरीत, जहां भारत स्थित टीमें विदेशों में मौजूद अपने समकक्षों के अधीन काम करती हैं, निल्सन की स्थानीय टीमें उत्पादों का नेतृत्व करती हैं, फैसले लेती हैं और वैश्विक ग्राहकों के साथ सीधे काम करती हैं।

गोयल ने कहा कि राजस्व के मामले में दूसरे बाजार भारत से आगे हैं, लेकिन भारतीय बाजार की तेज विकास दर के कारण यह कंपनी के उन शीर्ष 10 बाजारों में शामिल है, जहां विकास की सबसे अधिक संभावनाएं हैं।

मध्य प्रदेश के सिंगरौली में भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 3.5 रही तीव्रता

विश्व केसरी■



सिंगरौली। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में शनिवार दोपहर 2:12 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5 मापी गई।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अधिकारियों ने बताया कि भूकंप का केंद्र सतह से लगभग 10 किलोमीटर नीचे स्थित था। यह जानकारी प्रारंभिक मापों पर आधारित है और वैज्ञानिक एजेंसियों द्वारा इसकी आगे पुष्टि की जानी बाकी है। सिंगरौली के कुछ हिस्सों में रहने वाले लोगों ने दोपहर के समय हल्के झटके महसूस किए। हालांकि तीव्रता अपेक्षाकृत कम थी, लेकिन अचानक आए इस झटके से प्रभावित क्षेत्रों में लोगों में क्षणिक चिंता फैल गई।

अभी तक इमारतों को नुकसान या किसी के घायल होने की कोई तत्काल सूचना नहीं मिली है। भूकंप निगरानी एजेंसियां भूकंप के केंद्र का सटीक स्थान निर्धारित करने और किसी भी आफ्टरशॉक की संभावना का आकलन करने के लिए प्रारंभिक आंकड़ों की जांच कर रही हैं। 3.5 तीव्रता के भूकंप को आमतौर पर हल्का भूकंप माना जाता है, जिसे आसपास के लोग महसूस कर लेते हैं, लेकिन इससे इमारतों को गंभीर नुकसान कम ही होता है, खासकर जब इसका केंद्र लगभग 10 किलोमीटर की मध्यम गहराई पर हो। सिंगरौली के अधिकारियों ने जनता को शांत रहने और आगे किसी भी भूकंपीय गतिविधि की आशंका में मानक सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने की सलाह दी है। स्थानीय प्रशासन स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और अद्यतन जानकारी के लिए संबंधित वैज्ञानिक संस्थाओं के साथ समन्वय में है।

कैंसर मरीजों को बड़ी राहत, 137 एंटी-कैंसर दवाओं के दाम 70 प्रतिशत तक होंगे कम

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कैंसर मरीजों को बड़ी राहत देते हुए 137 गैर-अनुसूचित (नॉन-शेड्यूल्ड) कैंसर रोधी दवाओं की कीमतों में भारी कमी लाने का फैसला किया है। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के तहत कार्यरत राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने इन दवाओं के लिए ट्रेड मार्जिन युक्तसंगतीकरण (टीएमआर) लागू किया है।

टीएमआर लागू होने से कई दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) में 70 प्रतिशत तक कमी आने की उम्मीद है। संशोधित मूल्य 9 नवंबर से प्रभावी होंगे।

यह पहल एनपीपीए के 2019 के पायलट टीएमआर अभ्यास की सफलता पर आधारित है, जिसके तहत 42 कैंसर रोधी दवाओं के व्यापार मार्जिन को 30 प्रतिशत तक सीमित किया गया था। उस अभ्यास के बाद गैर-अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं के 526 ब्रांडों के एमआरपी में 90 प्रतिशत तक की कमी की गई थी। वर्तमान अभ्यास इस दृष्टिकोण को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के तहत विशेषज्ञ समिति द्वारा अनुशंसित सूची के आधार पर कैंसर रोधी दवाओं के एक बड़े समूह तक इस दृष्टिकोण का विस्तार करता है।

विशेषज्ञ समिति में देशभर के अस्पतालों के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञ, चिकित्सा विशेषज्ञ और सरकारी अधिकारी शामिल थे। समिति ने टीएमआर (अधिकतम खुदरा मूल्य) के अंतर्गत शामिल करने के लिए 137 दवाओं पर विचार-विमर्श किया और उनकी सिफारिश की। इस सूची को समय-समय पर अपडेट किया जाएगा।

समिति द्वारा अनुशंसित दवाओं को ध्यान में रखते हुए एनपीपीए ने औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश (डीपीसीओ), 2013 के अनुच्छेद 19 के अनुसार, व्यापार मार्जिन को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के 30 प्रतिशत पर सीमित कर दिया है। 17 अक्टूबर 2026 की राजपत्र अधिसूचना एनपीपीए की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है । इस उपाय से कैंसर से प्रभावित कई रोगियों और उनके परिवारों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है, जिन्हें अक्सर उपचार की उच्च लागत के कारण भारी वित्तीय बोझ का सामना करना पड़ता है।

राजपत्र अधिसूचना के प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर सभी निर्माताओं को एनपीपीए को अपने संशोधित मूल्यों की सूचना देना अनिवार्य होगा। संशोधित मूल्य 9 नवंबर, 2026 से प्रभावी होंगे। निर्माताओं को अपनी वेबसाइट पर मूल्य सूची प्रदर्शित करना और सभी खुदरा विक्रेताओं और अस्पतालों को व्यापक रूप से वितरित करना अनिवार्य होगा। सभी खुदरा विक्रेताओं और अस्पतालों को 9 नवंबर से कम कीमतों पर दवाएं बेचनी होंगी और अपनी फार्मेसियों में संशोधित मूल्य प्रदर्शित करने होंगे।

गुजरात में शिक्षकों का गैर-शैक्षणिक बोझ होगा कम, सरकार ने बनाई समीक्षा समिति

विश्व केसरी■



गांधीनगर। गुजरात सरकार ने स्कूल शिक्षकों को सौंपे गए गैर-शैक्षणिक कार्यों की समीक्षा शुरू कर दी है, जिनमें विभिन्न ऑनलाइन पोर्टलों पर डेटा एंट्री भी शामिल है। शिक्षा मंत्री प्रद्युम्न वाजा ने वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति को निर्देश दिया है कि वह शिक्षकों के कार्यभार को कम करने और उन्हें शिक्षण कार्य में अधिक समय देने के लिए सुझाव दे।

प्रद्युम्न वाजा ने शनिवार को गांधीनगर में हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों को सौंपी गई अतिरिक्त जिम्मेदारियों, शिक्षक प्रशिक्षण आवश्यकताओं और विभिन्न ऑनलाइन पोर्टलों पर डेटा एंट्री के कार्यों की समीक्षा की।

समिति में शिक्षा विभाग, गुजरात शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (जीसीईआरटी), समग्र शिक्षा और स्कूल आयुक्त के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। समिति इस मुद्दे की विस्तार से जांच करेगी और राज्य सरकार को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी, जिसके आधार पर सरकार अंतिम निर्णय लेगी।

वाजा ने कहा कि कक्षा ही शिक्षक का वास्तविक कार्यस्थल है। उन?होंने अनावश्यक ऑनलाइन डेटा एंट्री और गैर-शैक्षणिक कार्यों को कम करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि शिक्षक शिक्षण और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों पर अधिक समय दे सकें।

मंत्री ने कहा कि सरकार शिक्षकों की चिंताओं को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है और उनके काम को सरल बनाने के प्रयास मिशन मोड में किए जा रहे हैं। इसका घोषित उद्देश्य शिक्षकों को छात्रों की पढ़ाई पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देकर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य का जिक्र करते हुए वाजा ने कहा, 'इस लक्ष्य को प्राप्त करने में शिक्षा की अहम भूमिका होगी और शिक्षकों की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है।'

उन्होंने सरकार, शिक्षकों और छात्रों से राष्ट्र निर्माण की दिशा में मिलकर काम करने का आह्वान किया।

कच्चे तेल का दाम 2027 तक कम होकर 80 डॉलर प्रति बैरल रहने की उम्मीदः रिपोर्ट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल का दाम कम होकर 2027 में 80 डॉलर प्रति बैरल तक आ सकता है। इसकी वजह मध्य पूर्व से आपूर्ति बहाल होना और बाजार में मांग के मुकाबले आपूर्ति अधिशेष में जाने की संभावना है। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट में दी गई।

गोल्डमैन सैश की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका-इजरायल-ईरान संघर्ष के फिर से तेज होने से कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं।

अपने निकट-अवधि के अनुमान में बदलाव करते हुए, निवेश बैंक ने दिसंबर 2026 में बेंचमार्क ब्रेंट की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान लगाया है, जो पहले 85 डॉलर प्रति बैरल था। वहीं, 2027 में इसके औसतन 80 डॉलर प्रति बैरल रहने की उम्मीद जताई है।

मध्य पूर्व से तेल निर्यात में सुधार, फारस की खाड़ी के बाहर उत्पादन में वृद्धि और मांग में कमी के कारण वैश्विक स्तर पर आपूर्ति की कमी काफी कम हो गई है।

जैसे-जैसे निर्यातकों ने संघर्ष के माहौल में खुद को ढाला और परिवहन क्षमता बढ़ाई, सितंबर के अंत तक फारस की खाड़ी से तेल का निर्यात वापस 2025 के औसत स्तर के करीब पहुंच गया।

हालांकि, आपूर्ति से जुड़े जोखिमों के कारण कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। निकट-अवधि की डिलीवरी के लिए 'फिजिकल ब्रेंट क्रूड' की कीमतें 130 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई हैं, जबकि बेंचमार्क ब्रेंट फ्यूचर्स हाल ही में 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर कारोबार कर रहे हैं।

निवेश बैंक के अनुसार, सितंबर में बाजार लगभग संतुलित था। मांग, आपूर्ति से केवल 0.3 मिलियन बैरल प्रति दिन अधिक थी, जबकि मार्च में यह कमी 7.2 मिलियन बैरल प्रति दिन तक थी।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2026 की चौथी तिमाही में वैश्विक तेल बाजार अधिशेष की स्थिति में आ जाएगा और 2027 में भी यही स्थिति बनी रहेगी, जिससे भविष्य में कीमतें कम होने की संभावना है। वर्तमान में कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 25 डॉलर प्रति बैरल का 'रिस्क प्रीमियम' शामिल है।

केमिकल टैंकर 'यारा जे' सवार सभी 9 भारतीय नाविक सुरक्षित, जहाज रोमानिया पहुंचाः दूतावास

विश्व केसरी■



बुखारेस्ट। बुखारेस्ट स्थित भारतीय दूतावास ने शनिवार को बताया कि केमिकल टैंकर 'यारा जे'पर सवार सभी नौ भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और जहाज रोमानिया के कॉन्स्टान्ता बंदरगाह पर पहुंच गया है।

रोमानिया में भारत के राजदूत मनोज महापात्रा ने रोमानियाई अधिकारियों और टैंकर के कंपनी सुरक्षा अधिकारी (सीएसओ) से बात करने के बाद इसकी पुष्टि की।

दूतावास ने 'एक्स' पोस्ट में कहा, 'राजदूत मनोज महापात्रा ने रोमानियाई अधिकारियों (जिसमें एसएआर रोमानिया और एमआरसीसी कॉन्स्टान्ता शामिल हैं) के साथ-साथ केमिकल टैंकर 'यारा जे' (आईएमओ: 9221803) के सीएसओ से बात की। यह पुष्टि हुई है कि जहाज पर सवार सभी नौ भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और जहाज कॉन्स्टान्ता बंदरगाह पहुंच गया है। राजदूत ने उन्हें भारत सरकार की ओर से पूरे समर्थन और मदद का भरोसा दिलाया।'

दूतावास ने बताया कि पिछले हफ्ते, काला सागर (ब्लैक सी) में हमले का शिकार हुए कमर्शियल जहाज 'एमवी रोयाद मम्मादोव' से बचाए गए तीन भारतीय नागरिक रोमानिया से भारत के लिए रवाना हो गए।

दूतावास ने 'एक्स' पोस्ट में कहा, 'तीन भारतीय नागरिक—साहिल संधू, अश्विनी कुमार और हरमन सिंह, भारत के लिए रवाना हो गए। उनकी वापसी को आसान बनाने के लिए दूतावास ने हर जरूरी मदद और सहयोग प्रदान किया। इसमें आगे कहा गया, 'हम रोमानियाई अधिकारियों, कॉन्स्टान्ता काउंटी अस्पताल और रोमानियाई बचाव दलों का उनकी बहुमूल्य मदद, सहयोग और समर्थन के लिए तहे दिल से आभार व्यक्त करते हैं।'

इन तीनों भारतीयों को 6 अक्टूबर को जहाज से बचाया गया था।

इसके अगले दिन, भारत ने काला सागर क्षेत्र में कमर्शियल जहाजों पर हुए हमलों की निंदा की थी। साथ ही, भारत ने तनाव कम करने और क्षेत्र में जल्द शांति बहाल करने के लिए संवाद और कूटनीति का रास्ता अपनाने की अपील की थी।

नई दिल्ली में एक नियमित मीडिया ब्रीफिंग के दौरान, विदेश मंत्रालय (एमईए) प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि कमर्शियल जहाजों पर होने वाले हमले व्यापारिक शिपिंग के लिए खतरा हैं और इससे नाविकों की जान भी खतरे में पड़ जाती है।

त्रिपुरा-बांग्लादेश के बीच यात्री ट्रेन की सुविधा जल्द, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने तेज किए प्रयास

विश्व केसरी■



गुवाहाटी/अगरतला। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के महाप्रबंधक (निर्माण) आशीष बंसल ने शनिवार को रेलवे अधिकारियों को त्रिपुरा और बांग्लादेश के बीच यात्री रेल सेवा शीघ्र शुरू करने के लिए लंबित कार्यों को पूरा करने में तेजी लाने के निर्देश दिए।

12.24 किमी लंबी अगरतला-अखाउरा रेलवे लाइन (भारत में 5.46 और बांग्लादेश में 6.78 किमी) पश्चिमी त्रिपुरा के निश्चिंतपुर स्थित अंतरराष्ट्रीय आव्रजन स्टेशन के माध्यम से अखाउरा से जुड़ी हुई है।

एनएफआर द्वारा कार्यान्वित की जा रही अगरतला-अखाउरा (बांग्लादेश) रेल लिंक परियोजना भी पूरी होने के करीब है। इससे पूर्वोत्तर राज्यों और बांग्लादेश के बीच रेल संपर्क में सुधार होने की उम्मीद है।

एनएफआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) कपिंजल किशोर शर्मा ने त्रिपुरा की अपनी हालिया यात्रा के दौरान अगरतला-अखाउरा सीमा पार रेलवे परियोजना का निरीक्षण किया और शेष कार्यों की स्थिति की समीक्षा करने के लिए निश्चिंतपुर रेलवे स्टेशन का दौरा किया।

उन्होंने अधिकारियों को लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए ताकि यात्री रेल सेवा जल्द से जल्द शुरू हो सके।

शर्मा ने कहा कि अगरतला-अखाउरा परियोजना भारत-बांग्लादेश के बीच एक महत्वपूर्ण सीमा पार रेल संपर्क है, जिससे क्षेत्रीय संपर्क मजबूत होने और भारत सरकार की एक्ट ईस्ट पॉलिसी को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

कहानी



विवेक मेहता

मुठभेड़

फोन उसके हाथ में था और उसे लग रहा था की धड़ धड़ धड़ गोलियां चल रही है। उसे मुठभेड़ में मार दिया गया है। जो भी प्रयास कर सकता था, उसने किए थे। उसके पास मौजूद आखिरी स्रोत से उसे जवाब मिला था- 'मिश्रा जी भूल जाइए आप।'

'क्यों?' उसने पूछा।

'मैं आज बारह बजे तक शहर में लौट आऊंगा। दो बजे ऑफिस में आकर फोन करता हूं। विस्तार से तब बात करते हैं। एक शब्द में समझ लीजिए कि कुछ हुआ नहीं।'

फोन रख कर वह धड़ाम से सोफे पर गिर पड़ा। निस्तेज। निराश। मृत प्राय: सा।

तीन दिनों से प्रयासरत था। कुछ हो नहीं रहा था। तब उसने अपने पारिवारिक, प्रभावशाली व्यवसायी की मदद ली। जब वे कह रहे हैं, कुछ नहीं हो सकता तो कुछ हो नहीं सकता। तय है कि उसके घर में लूट यदि हुई है तो लूटेरा वही है। पांच दिन पहले सवेरे सब सामान्य था। वह तैयार होकर ऑफिस चला गया था। घर में बीमार मां और पत्नी थी। ग्यारह बजे के करीब उसका मोबाइल बजा। देखा पत्नी का फोन था। उठाया। उधर से घबराई सी आवाज आई- 'आप जल्दी घर पर आ जाइए।'

'क्यों क्या हुआ?' उसने प्रश्न किया।

'कोई मेरे हाथ की चूड़ियां घर में चाकू दिखाकर ले गया।'

शीघ्र ही वह घर के लिए निकल पड़ा। पत्नी ने उसे बताया कि उसकी सास की तबीयत ठीक नहीं थी। उसे देखकर वह बाहर के कमरे से, आंगन में होती हुई अपने कमरे में जा रही थी कि एक आदमी जो पहले जाने कब से, छिप कर खड़ा था, ने उसकी गर्दन पर चाकू लगा दिया। वह कुछ समझती इसके पहले ही उसके हाथ में ही पहनी सोने की चूड़ियां किसी औजार से काट कर ले गया।

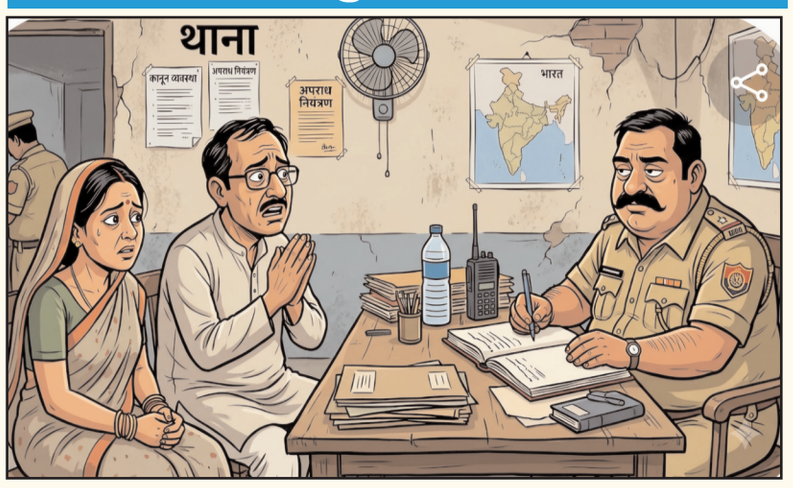
वह और उसकी पत्नी शीघ्र ही पुलिस स्टेशन पहुंचे। समस्या बतलाई। कुछ पुलिस वाले उसके घर साथ में आए। मुआयना किया। चर्चा की। कुछ शातिर चोरों के फोटो पत्नी दिखलाएं। फिर बोले- 'हम अपने स्तर पर पता लगाते हैं। आपको जानकारी मिले तो बताइएगा।'

उसने पूछा- 'रिपोर्ट?'

'वह तो कभी भी हो जाएगी। अभी तो पता लगाते हैं। यह मेरा फोन नंबर है। संपर्क में रहेंगे। लूट की घटना अविश्वसनीय थी। सड़क पर लोग चैन,मोबाइल खींच कर चले जाते हैं। मगर घर में घुसकर दिनदहाड़े इस तरह चूड़ियां ले जाना डर पैदा करता है।

दूसरे दिन उसने पुलिस हवलदार को फोन किया। उसे जानकारी दी गई कि जांच जारी है। तीसरे दिन उसके सब्र का बांध टूट गया। ऑफिस से छुट्टी लेकर वह अपनी पत्नी के साथ पुलिस स्टेशन पहुंच गया। हवलदार के पास जाकर कहा- 'रिपोर्ट लिखवानी है।'

'ठीक है। लिख लेते हैं।' हवालदार ने जवाब दिया। 'बस दो मिनट में अभी आया', उसने



छोटी उंगली उठाकर कर कहा।

मिश्रा जी के पास इंतजार करने के लिए अलावा कोई चारा नहीं था। दो मिनट के दस मिनट हो गए। मिश्रा जी भी बेचैन होकर हवालदार को तलाशने रूम से बाहर आ गए। तभी हवलदार, इंस्पेक्टर के रूम से बाहर आता दिखाई पड़ा।

'चलिए', कहते हुए उसने अपनी कुर्सी संभाली। कागज पेन उठाया। पत्नी का बयान दर्ज करने लगा। पारिवारिक स्थिति। रिश्तेदारों की जानकारी। आने-जाने वालों का ब्यौरा। चूड़ियां कब खरीदी। कितने में खरीदी। बिल कहां है? चोर कैसा था? कहां था? क्यों था? आदि-आदि। दो ढाई घंटे लग गए।

मिश्रा जी ने पूछा- 'तो एफ. आई. आर. दर्ज हो गई?'

'वह तो साहब के आने के बाद दर्ज होगी।

'साहब कहां गए?'

'वे तो राउंड पर गए हैं। आप बैठिए शायद अभी घंटे भर में आ जाए।'

घंटा भी निकल गया। मिश्रा जी ने पुलिसवालों को टटोला- 'साहब कब तक आयेंगे?'

'मालूम नहीं।'

जो नंबर दिया था उस पर फोन घुमाया। उधर से जवाब मिला- 'चिंता क्यों करते हो मिश्रा जी! जांच जारी है। रिपोर्ट भी दर्ज हो जाएगी।'

'मगर साहब.....'

'साहब का तो कोई पता नहीं रहता। राउंड पर निकल गए तो कब आयेंगे, कहा नहीं जा सकता।'

मिश्रा जी के पास घर लौटने के अलावा और कोई चारा नहीं था।

तीसरी शाम को पति-पत्नी पुन: पुलिस स्टेशन पहुंच गए। साहब बैठे थे। सूचना दी। दस मिनट बिठाए रखा। इस बीच रिपोर्ट लिखने वाला हवालदार अंदर गया। कुछ देर बाद उन्हें अंदर बुलाया गया।

सामान्य चर्चाओं से बात की शुरुआत हुई। फिर वे अपनी कार्यप्रणाली का बखान करने लगे। मिश्रा जी मुश्किल से बात को पटरी पर लाए।

सवाल हुआ- 'आप किसके कहने पर रिपोर्ट लिखवाने के लिए फोर्स कर रहे हैं?'

'कौन फोर्स करेगा! मेरे घर में चोरी हुई। मैं खुद रिपोर्ट लिखवा रहा हूं।'

'ऐसा नहीं है। मेरा अभी प्रमोशन हुआ है। चोरों की रिपोर्ट दर्ज होती है तो इतने पेपर्स तैयार करने पड़ते हैं।' इंस्पेक्टर ने अपनी टेबल पर रखी दो किलो जैसी वजनी फाईल उठाकर दिखलाई। फिर बोला- 'मेरा रिकॉर्ड भी खराब होता है। निश्चिंत रहिए हम जांच कर रहे हैं। चोर पकड़ा जाएगा तो रिपोर्ट भी दर्ज कर लेंगे।'

'आप अपनी जगह पर सही होंगे। मगर मेरा भी नुकसान हो गया है।'

'जो होना था, सो हो गया। हम जांच कर रहे हैं ना! आप तो पढ़े लिखे समझदार हैं। आपको क्या समझाना। चाय लेंगे?'

'चाय तो रहने दीजिए। रिपोर्ट का कुछ कीजिए। रिपोर्ट के लिए जैक-वैक लगाना पड़ेगा?'

'आपसे जो बन पड़े वह कर लीजिए। मैं भी देखता हूं।' इंस्पेक्टर तैश में आ गया।

'आप धमकी दे रहे हैं?'

'नहीं जी, ऐसा कुछ नहीं है। आपकी भी बच्ची है। कालेज से आती जाती है। रास्ते में कुछ हो जाए तो आप मुझे फोन करना। मैं बिना रिपोर्ट के ही सब देख लूंगा।'

'मेरी बच्ची के साथ कुछ क्यों होगा?'

'जमाना खराब है ना! साहब।'

'क्या यह भी धमकी है?' मिश्रा जी ने प्रश्न किया।

उनके जेहन में तैर आया कि इंस्पेक्टर ने हवालदार द्वारा लिखी गई सारी जानकारी पढ़कर उनकी कमजोरी पर हाथ रखा है।

'आपको जो समझना हो, समझिए। समझदार को तो इशारा ही काफी होता है।' उसका स्वर रुखा हो गया था।

पत्नी जो अब तक चुप थी। डर गई। मिश्रा जी से बोली- 'मेरी बेटी को कुछ हो गया तो। चलिए हमें रिपोर्ट नहीं लिखवानी।'

'कैसे कुछ हो जाएगा?' मिश्रा जी बोले।

'नहीं उठिये। हम घर चलते हैं।' पत्नी रोते हुए बोली।

'रोइये मत बहन जी। हम पता लगा लेंगे। साहब तो पढ़े लिखे हो कर भी नहीं समझते। आप तो समझदार हैं।'

मिश्रा जी के पास कोई रास्ता बचा नहीं। पत्नी के साथ घर लौट आए। मन बेचैन था। क्या अंधेर गर्दी हैं। ब्लड प्रेशर बढ़ गया था। अहम को भी चोट लगी थी। अपने पत्रकार मित्र को फोन घुमाया। चोरी की बात विस्तार से बतलाई। चौथे दिन समाचार पत्र में खबर आ गई। खबर के छपते ही परिचितों के फोन आने लगे। हमारे ये पहचान वाला है। वह पहचान वाला है। एसपी से बात करते हैं। दो-चार और पत्रकारों के फोन आ गए।

लघुकथा

केक



अशोक वाधवाणी

फ्लैट छोड़कर, बंगले में शिफ्ट हो चुके आभास कुमार की बेटी खुशबू का आज 10 वां जनम दिन मनाया जाएगा। बंगले के आस-पास मध्यम वर्गीय और मज़दूरों की बस्ती है। वे पहले जिस पॉश एरिया में रहते थे , वहां सिर्फ़ धनाढ्यों के बंगले और फ्लैट थे,

जबकि यहां .....।

खुशबू की खुशी और जिद के आगे झुके माता-पिता ने पास-पड़ोस के बच्चों को बुलाने का निर्णय लिया। सारे अभिभावक नियत समय पर अपने बच्चों को खुशबू के घर छोड़कर चले गए। एक बड़ा क्रीमवाला केक काटा गया। वहां उपस्थित सभी ने तालियाँ बजाकर, बर्थ डे गीत गाया। अमीर घर के बच्चों ने आगे बढ़कर , केक की क्रीम को एक दूसरे के चेहरे पर मलकर धमाचौकड़ी शुरू की । देखते-देखते आधा केक यूं ही बर्बाद हो गया। यह दृश्य देखकर मुन्नी ने अपनी सहेली से धीमे स्वर में कहा, ' जनम दिन पर हमारे यहां छोटा सा प्लेन केक काटा जाता है, जिसे हम दो दिनों तक थोड़ा-थोड़ा करके खाते हैं। मगर यहां तो एक ही झटके में , आधे से ज़्यादा केक खराब ..... मुन्नी की मासूमियत पर सहेली ने मुस्कुराकर, उसे चुप रहने का इशारा किया।

पो : गांधी नगर -416119, जि : कोल्हापुर , महाराष्ट्र , संपर्क : 9421216288, ई-मेल ashok.wadhwani57@gmail.com

दोहे



ज्योत्सना सक्सेना 'प्रकाश'

छम छम करती बूँद का,टूटा है अनुबंध।
माटी मुस्काती लगे, देती सोंधी गंध।।

देखो कैसे खिल गए ,मुरझाए से फूल।
चादर ओढ़े सो रही, बूँदों भीतर धूल।।

पेड़ पात से झर रहा, मधुरम सा संगीत।
पंछी गाते गीत है, आ जाओ मनमीत।।

नटखट नभ मदिरम हुआ, अलसाई सी शाम।
धरती मन ही मन रटे ,अंबर तेरा नाम।।

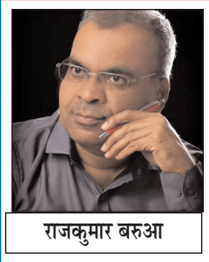
छाई है काली घटा, बादल भी घनघोर।
धीरे-धीरे खिंच रही, रसभीनी सी डोर।।

बूँदों की लड़ियां सजी, बदली गाए गान।
कुदरत मानो दे रही,ईश्वर का अनुदान।।

जयपुर, फोन : 9829577660

लघुकथा

सीलिंग



राजकुमार बरुआ

रमेश की आंखों के सामने दो साल पुरानी वह भयानक घटना तैर रही थी । वह अपनी मारुति वैन से कॉलोनी के बच्चों को स्कूल छोड़ने का काम करता था। एक दिन बच्चों को स्कूल छोड़कर लौटते समय उसकी गाड़ी का भीषण एक्सीडेंट हो गया। हादसे में रमेश को गंभीर चोटें आईं। डॉक्टरों को उसकी जान बचाने के लिए एक पैर काटना पड़ा।

छह महीने तक अस्पताल और घर की चारदीवारी में रहने के बाद, वह बैसाखी के सहारे चलना तो सीख गया, लेकिन उसके सामने रोज़गार का भीषण संकट खड़ा हो गया। उसने हिम्मत जुटाई, इधर-उधर से पैसे उधार लिए और अपने ही घर के बाहरी कमरे में एक छोटी सी किराने की दुकान खोल ली। ?लेकिन पिछले कुछ दिनों से नगर निगम द्वारा पूरे शहर में चल रही सीलिंग की कार्रवाई ने उसकी बची-कुची ज़िंदगी भी तहस-नहस कर दी। घर में दुकान चलाने के कारण उसकी दुकान पर भी सीलिंग का नोटिस चिपक गया और धंधा पूरी तरह बंद हो गया। आर्थिक तंगी और बेबसी ने रमेश को मानसिक रूप से तोड़कर रख दिया।

निराशा से घिरे रमेश के मन में जीवन समाप्त करने का विचार आने लगे। ?आधी रात को जब पूरा घर गहरी नींद में सोया हुआ था, रमेश ने आत्महत्या करने का फैसला किया। वह धीरे से बिस्तर से उठा और बाहर जाने लगा। पर अचानक उसके कदम ठिठक गए। उसने पलटकर देखा—ज़मीन पर बिछौने पर उसकी पत्नी और दोनों मासूम बच्चे बेखबर सो रहे थे।

रमेश वहीं जमीन पर धड़ाम से बैठ गया और अपनी आंखें बंद कर ली।

भोपाल

पुस्तक समीक्षा

विषमताओं पर चोट करती रचनाएँ



योगेश कुमार दुबे

समीक्ष्य पुस्तक में रचनाकार ने अपनी साहित्यिक प्रतिभा से अपनी भावनाओं को रखने का प्रयास किया है। कवि सकारात्मकता के साथ नई सोच की कल्पना करता है। इस संदर्भ में अल्बर्ट आइंस्टीन का कथन याद आता है 'कल्पना ज्ञान से अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि नवाचार का जन्म कल्पना से ही होता है।' साहित्यिक कल्पना की सुंदर प्रस्तुति काव्य यात्रा को 'शब्द शाश्वत हैं 'के रूप में साकार कर रही है।



बाल रोग चिकित्सक डॉ.अखिलेश शर्मा ने अपने प्रथम काव्य संग्रह में शामिल कविता 'शब्द और पंचतत्व' में अपने शब्दों को पंचतत्व में समाहित कर शब्दों को जीवन देकर शरीर और आत्मा की व्याख्या को जन्म दिया है, जो काबिले तारीफ है ।काव्य संग्रह में कलम की ताकत का उल्लेख भी है इसी कारण कवि शाश्वत रूप में परिलक्षित है।सूरज को विधाता से बड़ा बताकर उसके अस्तित्व को एक कविता में उसके जलने के प्रति समर्पण भाव की अभिव्यक्ति स्तुत्य है।

भूख, शांति, युद्ध, भाईचारे व प्यास की चिंता कर एक चिकित्सक 'बहा दो प्रेम की नदियां 'के माध्यम से अपनी संवेदनाओं को व्यक्त करता है, और आशान्वित हैं कि हर पथ के मुसाफिर को यदि राह दिखाई जाए तो वह भटक नहीं सकता।

वर्तमान समय में आदमी अपने स्वार्थ के कारण इतना गिर चुका है कि वह अपनों के खून से होली खेलने और धर्म के नाम पर ठेकेदार बना बैठा है ।आदमी के चेहरे को पाठकों के सामने उनकी एक कविता 'आदमी'' ला रही है ।'खिलौने और गड़िया' कविता मे पुराने खिलौने की जगह पर आधुनिक खिलौने के दर्शन और 'कैसी गुड़ियाएं हैं?' में वर्तमान दौर के सबसे दुखद और चुनौतीपूर्ण परिदृश्य पर कलम ने समाज से प्रश्न किया है। मासूम बच्चियों की व्यथा को कवि ने पाठक के हृदय को झकझोर दिया है।

'कोई गीत गुनगुनाएं' कविता में रिश्तों को ईमानदारी से निभाने और सड़क पर लड़की की चीख को दरिंदों से मुक्त कराने के भाव के साथ एकता की मिसाल व गांव के चौपालों को पहले जैसा सजाने की कल्पना काबिले तारीफ है।

संस्कार के माध्यम से संस्कारविहीन आजकी पीढ़ी पर कवि हृदय की चिंता समझी जा सकती है। संस्कारवान होना लड़कियों के साथ लड़कों को भी जरूरी है तभी समाज में समरूपता आ सकती है। 'जिंदगी के सार' में प्यार की सुंदर अभिव्यक्ति का दर्शन है।आज के दौर में प्रेम की ही आवश्यकता है । जब स्नेह के बंधन अटूट होंगे तो हृदय में अपने आप ही चारों धाम के दर्शन होंगे ।

हनुमान चालीसा को हाइकु में लिखना अपने आप में एक उपलब्धि है।

अपनी कविता की शतक पुस्तक में पूर्ण करने के बाद कवि ने अपने इन्दौर को एक सशक्त शहर के रूप में स्थापित होने की कल्पना की है।

सभी कविताएं रोचक सीधी और सरल भाषा में होने से मानस पटल पर छाप छोड़ती हैं।

चिकित्सक ने शरीर के तापमान को देखते हुए कविताओं का सृजन किया है,जो शारीरिक पीड़ा और आत्मा की अनुभूति को उर्जा और रोशनी प्रदान करतीं हैं।

कृति: शब्द शाश्वत हैं
लेखक: डॉ. अखिलेश शर्मा
प्रकाशक:संस्मय प्रकाशन, नई दिल्ली
मूल्य:375 रूपए

70, पत्रकार कालोनी, इन्दौर (म.प्र.) मो.9329556748

व्यंग्य

इस बार भारत रत्न मुझे दीजिए न!



पूरन सरमा

भारत में रत्न व्यवसाय अत्यंत प्राचीन काल से चला आ रहा है। हमारे रत्न आज विश्व प्रसिद्ध हैं।

आजादी के बाद यह खूब फला-फूला बल्कि यों कहें तो ज्यादा ठीक होगा कि यहां से हुनर सीखकर

हमारे रत्न विदेशों में पलायन करने लगे। इनका फ्यूचर उन्हें वहां ज्यादा ब्राइट लगा, अत: वे वहीं के

होकर रह गये। हमारे एक भारत रत्न तो इस समय भी विदेश में रहकर जीवनयापन कर रहे हैं।

भारत में रत्नों की कमी नहीं है। वैसे देखा जाये तो सबसे बढ़िया नगीने हमारी वर्तमान राजनीति में

विराजमान हैं। इनका एक-एक का इतिहास उठाकर देखें तो मुंह में अंगुली दबाने के सिवा हम और

कुछ कर भी नहीं कर सकते। चूंकि ये ही देश के कर्ता-धर्ता हैं, इसलिए ये ही भारत रत्न छांटते हैं

और ये ही बांटते हैं। हमारे यहां हर क्षेत्र में जादूगर मौजूद हैं। साहित्य, कला, सांस्कृति, समाज, खेल

अथवा राजनीति, ऐसा कौन सा क्षेत्र है- जहां जादूगरों की कमी हो। हमारे क्रिकेट के रत्न बनाम

जादूगर तो सरेआम बोली से नीलाम होते हैं और मैच फिक्सिंग से अलग कमाकर देश का मान और

शान दोनों बढ़ाते हैं। इनका व्यक्तिगत जीवन भी बहुत आलीशान होता है। भरपूर मान-सम्मान पाकर

ये गदगद रहते हैं तथा भारत रत्न के हकदार भी बनते हैं।

वैसे हमारे यहां मान-सम्मान और पुरस्कार जुगाड़ से मिलते हैं। इसलिए सभी क्षेत्रों में जुगाड़ुओं की

संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। वैसे तो मैं भी विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत का वोटर हूँ।

सरकारें बनाता और बिगाड़ता हूँ तो कभी त्रिशंकु बहुमत देकर राजनेताओं को गठबन्धन को विवश

कर सत्तालोलुप बनाता हूँ। चूंकि बाद में वे सब घोटाले करके सूद सहित वसूल कर लेते हैं, लेकिन मेरा

जादू तो मानेंगे न आप। जब मैं लोकतंत्र का जादूगर हूँ तो अबकी बार भारत रत्न मुझे दे दीजिये। मैं

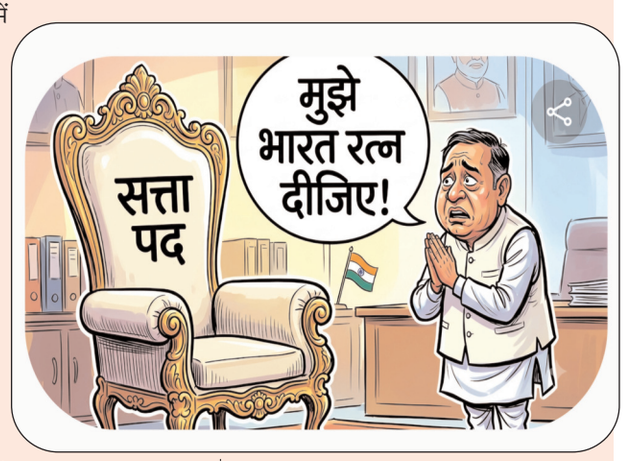
भी भारत का रहने वाला हूँ, पिता का इकलौता रत्न हूँ, भारत की मिट्टी में पला-बढ़ा हूँ, इसलिए मेरा

भी पूरा हक बनता है भारत रत्न सम्मान पर। वैसे भी मैं स्वयं एक प्रतिष्ठित रचनाकार हूँ। आजकल

दूसरा कोई आपको प्रतिष्ठित माने या न मानें लेकिन खुद को इस भावना से सराबोर रखना चाहिए,

ताकि गमों से मेरी जिंदगी खुशफहमी से जी सकें। इस दृष्टि से मैं अकेला वोटर ही नहीं हिन्दुस्तान

का जाना-माना रचनाकार भी हूँ। इसलिए इस बार भारत रत्न मेरी झोली में डाल दिया जाये तो हर्ज



क्या है।

हमारे यहां तो मरणोपरांत भारत रत्न देने की भी व्यवस्था है। जब रत्न जिंदा होता है, तब तो पता

चलता नहीं है कि यह रत्न है। मृत्यु के बाद मूल्यांकन में वह भारत रत्न के योग्य बन जाता है।

मेरी नजर में ऐसा सम्मान उचित नहीं है, क्योंकि इसमें जिसको भारत रत्न दिया जाता है, उसको

स्वयं को पता नहीं होता है कि वह भारत का रत्न है। इस दृष्टि से भी मैं ठीक हूँ, क्योंकि मैं जीवित

हूँ तथा मेरा कृतित्व एवं व्यक्तित्व दोनों निखरे हुये हैं। मैं तो केवल एप्लाई कर सकता हूँ, बाकी इस

देख में जुगाड़ बैठाने की मेरी बस की बात नहीं है।

124/61-62, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) मो.: 09828024500

लघुकथा

गमछे के सौ रुपये

मनहरण

'बाबू, प्रणाम! बहुत आशीर्वाद... कुछ हमरो दै।'

पंडित ने हाथ आगे बढ़ाया। अरुण मिश्र ने जेब से कुछ खुले पैसे निकाले और उनकी ओर बढ़ा दिए। पंडित जी ने खुले पैसे देखे तो चेहरा पिनक गया।

'नै! ब्राह्मण के दान करहऽ त सौ टका निक हेथन, मास्टर साहब!'

अरुण चौंका: 'मैं मास्टर नहीं हूँ, पंडित जी। नौकरी छोड़ दी है। अभी वकालत शुरू की है। खुद का गुजर भी मुश्किल है, लेकिन मेहनत कर रहा हूँ।'

'तऽ सौ टका दियौ न! गमछा खातिर।'

अरुण ने उनके कंधे पर पड़े गमछे और साफ-सुथरे धोती-कुर्ते को देखा।

'आपके पास तो गमछा है,इतना बढ़िया धोती-कुर्ता पहने हैं।'

'गमछा पुरान भेलै।'

अरुण कुछ क्षण चुप रहा, फिर बोला- 'मैं भी ब्राह्मण हूँ। लेकिन आप जैसे लोग जब हाथ फैलाते हैं, तो सिर्फ पैसे नहीं माँगते... ब्राह्मण की छवि भी साथ लेकर घूमते हैं।'

पंडित जी चुपचाप सुनते रहे ।

अरुण का स्वर और गंभीर हो गया, 'आज हालात ऐसे हैं कि कुछ संगठन ब्राह्मणों को लेकर पहले से ही आक्रामक बातें करते हैं। ऐसे माहौल में आप जैसे लोग जब ब्राह्मण होने के नाम पर दान माँगते हैं, तो लोग पूरी जाति को उसी नजर से देखने लगते हैं।'

अरुण ने जेब में बचे पैसे निकाले और उनकी हथेली पर रख दिए।

मन कचोट रहा था, एक ब्राह्मण को गमछे के सौ रुपये तक नहीं दे सका। उसने अपनी जेब टटोली। जेब खाली थी. उसी क्षण उसे याद आया, आज रात उसके अपने घर में भोजन बनेगा भी या नहीं.

सनातन नगर, वार्ड नंबर- 7, अररिया पब्लिक स्कूल, अररिया-854311 मो. 9471249998

कविता

अभिव्यक्ति दर्द की

पुष्कर्राय जोशी

शायरी में प्रगटती गई
दिल की दर्द भरी
आह,
श्रोता के मुंह से
निकलती रही वाह
वाह!
संगीतकार
टूटता रहा
वीणा के तार में
श्रोता धन बरसाते रहे
उपहार में।
चित्रकारने
रक्त में तूलिका डुबो कर
प्रगट की दिलकी ज्वाला,
तो
बिक गये चित्र लाखों में
किंतु
बड़े आघातसे बने पागलने
अपने बाल खिंचकर, चिल्लाकर,
कपड़े फाड़कर
अपना दु:ख व्यक्त किया
तो
लोगों ने क्रुरता से हडधूत किया।

479 गुजरात हाऊसिंग बोर्ड, कनकोट पाटिया कालवाड़ रोड, राजकोट - 360005, मो .9925165164

बलरामपुर जिला अस्पताल में प्रशासनिक फेरबदल

डॉ. शशांक गुप्ता को सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक की जिम्मेदारी

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। जिला अस्पताल बलरामपुर में सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक के पद को लेकर उठे सवालों के बीच छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर से 16 अक्टूबर 2026 को जारी आदेश के अनुसार, डॉ. रामप्रसाद तिर्की को जिला चिकित्सालय बलरामपुर के प्रभारी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक के पद से हटाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर में पदस्थ किया गया है। वहीं, राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉ. शशांक गुप्ता को जिला चिकित्सालय बलरामपुर का प्रभारी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक बनाया गया है।

स्वास्थ्य विभाग के इस आदेश के बाद जिला अस्पताल की प्रशासनिक व्यवस्था में बदलाव हुआ है। वहीं, राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से संबंधित कथित वित्तीय अनियमितताओं, आयुष्मान भारत योजना के तहत खरीदी पर उठे सवालों और विभागीय जांच की स्थिति को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। हालांकि, शासन के स्थानांतरण आदेश में इन कथित अनियमितताओं को कार्रवाई का कारण नहीं बताया गया है। इसलिए दोनों घटनाक्रमों को सीधे तौर पर जोड़ने से पहले आधिकारिक तथ्यों की पुष्टि आवश्यक है।

खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासनिक बदलाव पर चर्चा

जिला अस्पताल में सिविल सर्जन सह अस्पताल प्रबंधक की जिम्मेदारी और राजपुर सीएचसी से जुड़े कथित वित्तीय मामलों को लेकर पहले भी सवाल उठाए गए थे। इन सवालों के केंद्र में ऑडिट संबंधी आपत्तियों, खरीदी प्रक्रिया, बिल-वाउचर, भुगतान अभिलेखों और विभागीय जांच की वास्तविक स्थिति जैसे मुद्दे शामिल रहे हैं।

अब 16 अक्टूबर को जारी स्थानांतरण आदेश के बाद जिला अस्पताल की जिम्मेदारी डॉ. शशांक गुप्ता को सौंप दी गई है। डॉ. रामप्रसाद तिर्की को राजपुर सीएचसी भेजे जाने से प्रशासनिक फेरबदल तो स्पष्ट है, लेकिन इस बदलाव का कथित अनियमितताओं की जांच से



विश्व केसरी
खबर का असर

कोई प्रत्यक्ष संबंध है या नहीं, यह शासन अथवा स्वास्थ्य विभाग के आधिकारिक स्पष्टीकरण से ही स्पष्ट होगा।

छह अहम सवालों पर स्वास्थ्य विभाग से जवाब की अपेक्षा

मामले में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग से कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट किए जाने की अपेक्षा है।

पहला सवाल: राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से संबंधित ऑडिट आपत्तियां वास्तव में किन वित्तीय और प्रशासनिक विषयों से जुड़ी हैं? संबंधित आपत्तियों पर विभाग ने क्या कार्रवाई की है?

दूसरा सवाल: आयुष्मान भारत योजना के तहत कथित खरीदी में अनियमितताओं की जांच किस स्तर पर है? क्या जांच रिपोर्ट तैयार हुई है और क्या किसी सक्षम अधिकारी ने उस पर निर्णय लिया है?

तीसरा सवाल: खरीदी से संबंधित निर्धारण समिति की बैठक, अनुमोदन, बिल-वाउचर, स्टॉक रजिस्टर, भुगतान अभिलेख और संबंधित वित्तीय दस्तावेजों की जांच की गई है या नहीं?

चौथा सवाल: यदि जांच हुई है, तो उसमें किन अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की समीक्षा की गई है? क्या किसी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई प्रस्तावित है? इस संबंध में दस्तावेजी पुष्टि आवश्यक है।

पांचवां सवाल: डॉ. रामप्रसाद तिर्की को जिला अस्पताल के प्रभारी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक की जिम्मेदारी देने तथा बाद में स्थानांतरित करने के संबंध में विभागीय अभिलेखों में क्या प्रशासनिक आधार दर्ज हैं? इस विषय में शासन के आदेश से आगे की जानकारी अभी स्पष्ट नहीं है।

छठा सवाल: जिला अस्पताल में भविष्य की खरीदी, सामग्री की प्राप्ति, स्टॉक सत्यापन, बिलों के अनुमोदन और भुगतान की निगरानी के लिए कौन-सी व्यवस्था लागू की जाएगी, ताकि वित्तीय पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके?

नई जिम्मेदारी के साथ डॉ. शशांक गुप्ता के सामने प्रशासनिक चुनौती

डॉ. शशांक गुप्ता को जिला अस्पताल का प्रभारी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक बनाए जाने के बाद अस्पताल की प्रशासनिक व्यवस्था, मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं, दवा एवं चिकित्सा सामग्री की उपलब्धता और खरीदी-भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण रहेगा।

जिला अस्पताल आम नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में अस्पताल के प्रशासनिक निर्णयों और वित्तीय प्रक्रियाओं में स्पष्टता रहना आवश्यक है। नई जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारी से अपेक्षा होगी कि वे अस्पताल की व्यवस्था को सुचारु बनाने के साथ लंबित प्रशासनिक विषयों पर भी नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें।

केवल पदस्थापना बदलना पर्याप्त नहीं, जांच के निष्कर्ष भी हों स्पष्ट

प्रशासनिक फेरबदल अपने आप में किसी आरोप की पुष्टि नहीं करता। यदि राजपुर सीएचसी से जुड़े कथित वित्तीय मामलों में अनियमितताएं पाई गई हैं, तो सक्षम प्राधिकारी को दस्तावेजों के आधार पर जिम्मेदारी तय करनी चाहिए। वहीं, यदि आरोप प्रमाणित नहीं होते हैं, तो जांच के निष्कर्ष भी स्पष्ट किए जाने चाहिए।

स्वास्थ्य विभाग को यह बताना चाहिए कि ऑडिट आपत्तियों पर क्या कार्रवाई हुई, कथित खरीदी की जांच कहां तक पहुंची और भविष्य में ऐसी शिकायतों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे। इससे विभागीय जवाबदेही मजबूत होगी और आम जनता का सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर भरोसा बढ़ेगा।

अवैध रेत परिवहन मामले में जेसीबी ऑपरेटर को 3 वर्ष का कठोर कारावास

विशेष अभियान में दर्ज प्रकरण पर न्यायालय का फैसला

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन पर रोक लगाने चलाए गए विशेष अभियान के तहत दर्ज एक प्रकरण में न्यायालय ने जेसीबी मशीन ऑपरेटर को तीन वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश, खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, बिलासपुर ने आज आरोपी अनिल कुमार गौलिया को दोषसिद्ध करते हुए विभिन्न प्रावधानों के अंतर्गत कुल 26 हजार रुपए के अर्थदंड से भी दंडित किया है।

उप संचालक खनिज प्रशासन बिलासपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर 15 जून 2025 से खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया गया था। इसके तहत खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई में 66 प्रकरणों में जिले के विभिन्न थानों में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इन्हीं में शामिल एक प्रकरण में 17 जून 2025 को नगोई घाट स्थित अरपा नदी से जेसीबी वाहन क्रमांक सीजी 11 एबी 3246 के माध्यम से रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर कार्रवाई की गई थी। वाहन को पुलिस चौकी बेलगहना की अभिरक्षा में रखा गया था। मामले में करगीरोड कोटा डाकबंगला निवासी जेसीबी ऑपरेटर अनिल कुमार गौलिया, पिता तिलक राम गौलिया के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया था।

यायालय ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2), सहपठित धारा 3(5) के अंतर्गत आरोपी को तीन वर्ष के कठोर कारावास एवं एक हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। साथ ही खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 4(1), 4(1क) एवं 21 के अंतर्गत 25 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया है। खनिज विभाग के अनुसार, इस कार्रवाई से अवैध उत्खनन और परिवहन में संलिप्त लोगों को हतोत्साहित करने तथा खनिज संपदा के संरक्षण में मदद मिलेगी।

तात्कालिक अनुविभागीय अधिकारी इन्द्रजीत बर्मन को सुप्रीम कोर्ट से नोटिस

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा तात्कालिक अनुविभागीय अधिकारी इन्द्रजीत बर्मन सहित अन्य 2 को समंस जारी कर सुप्रीम कोर्ट में 28 नवम्बर तक उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने को कहा गया है।

पूरा मामला यह है कि तात्कालिक अनुविभागीय अधिकारी इन्द्रजीत बर्मन द्वारा वर्ष 2018-19 में अपने पूरे कार्यकाल में जगदीश बंसल एवं उसके पूरे परिवार को व्यक्तिगत रंजिश रखते हुए विधि विरूद्ध नोटिस प्रेषित कर शारीरिक, आर्थिक एवं मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा था और परेशान न करने के फलस्वरूप 05 लाख रूपये की अवैध राशि की



मांग की गई थी, जिसके कारण बंसल द्वारा एक वैधानिक नोटिस बर्मन को प्रेषित की गई। नोटिस प्राप्ति के 01 सप्ताह के अंदर बर्मन द्वारा व्यक्तिगत रंजिश एवं नोटिस प्राप्ति से आगबबूला होकर बंसल के विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज करवाकर उसे जेल भेज दिया गया। उक्त एफ.आई.आर. को विधि विरूद्ध पाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उसे निरस्त कर दिया, तब बंसल द्वारा बर्मन के विरूद्ध व्यक्तिगत रंजिश एवं बदले की भावना, अपने पद एवं प्रभाव का दुरूपयोग करने के संबंध में की गई विधि विरूद्ध एफ.आई.आर. के फलस्वरूप हुई ख्याति एवं प्रतिष्ठा, आर्थिक नुकसान को लेकर 01 करोड़ रूपये का मामला बर्मन के विरूद्ध प्रस्तुत किया गया। जिला न्यायालय एवं उच्च न्यायालय से असफलता मिलने पर बंसल द्वारा सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में बर्मन के विरूद्ध 01 करोड़ रूपये मानहानि स्वरूप दिलाये जाने के संबंध में एस.एल.पी. प्रस्तुत की गई। दिनांक 13.10.2026 को प्रस्तुत उक्त एस.एल.पी. को स्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बर्मन सहित अन्य 02 को न्यायालय में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने हेतु आदेशित किया गया है।

मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन 12 नवंबर को

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। भारत निर्वाचन आयोग ने 1 जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी किया है। इसके अनुसार एकीकृत मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 12 नवंबर 2026 को किया जाएगा। मतदाता सूची के संबंध में दावा-आपत्ति 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक दर्ज कराई जा सकेंगी। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की घोषणा 15 अक्टूबर को की गई है। मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण एवं पुनर्गठन की तिथि 2 नवंबर निर्धारित है। इसके बाद 12 नवंबर को एकीकृत मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन होगा।

रबी फसलों की तैयारी को लेकर संभागायुक्त ने की समीक्षा

फसल विविधीकरण और उत्पादन बढ़ाने पर जोर

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। संभागायुक्त सुनील जैन ने कृषि एवं संबद्ध विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर रबी फसलों की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने किसानों की जरूरत के अनुरूप खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने तथा कृषि उत्पादन और किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाकर काम करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त जैन ने दलहन, तिलहन एवं अन्य लाभकारी फसलों की खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने फसलवार रकबे, उत्पादन एवं उत्पादकता की पिछले वर्ष से तुलना कर प्रगति का आकलन करने को कहा। रबी



फसलों के लिए खाद की उपलब्धता एवं संभावित आवश्यकता की समीक्षा करते हुए समय पर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए एकीकृत किसान पोर्टल में नवीन एवं कुल पंजीयन की जानकारी अलग-अलग अद्यतन रखने को भी कहा।

संभागायुक्त ने धान खरीदी की तैयारियों की भी समीक्षा करते हुए खरीदी केंद्रों की व्यवस्थाओं और किसान पंजीयन की जानकारी ली। उन्होंने सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने तथा संबंधित आंकड़ों में एकरूपता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उद्यानिकी विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने उद्यानिकी फसलों का रकबा और उत्पादन बढ़ाने के साथ किसानों को मिलने वाले आर्थिक लाभ का आकलन करने को कहा। पशुपालन विभाग को पशुधन विकास एवं विभागीय योजनाओं का लाभ अधिकाधिक पशुपालकों तक पहुंचाने तथा मत्स्य पालन विभाग को मछली उत्पादन और मत्स्य पालकों की आय बढ़ाने के लिए प्रयास करने के निर्देश दिए।

जैन ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करें और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर ध्यान दें। निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति की नियमित समीक्षा कर कमियों को दूर करें, ताकि किसानों को योजनाओं का समय पर लाभ मिल सके। बैठक में डिप्टी कमिश्नर स्मृति तिवारी, हरिशंकर चौहान सहित कृषि एवं संबद्ध विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

शोक संतप्त राठौर परिवार से मिले डॉ. चरणदास महंत

नगर कांग्रेस अध्यक्ष के पिता गोपाल राठौर के निधन पर जताई गहरी संवेदना

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। नगर कांग्रेस कमेटी सक्ती के अध्यक्ष राकेश राठौर के पिताजी गोपाल राठौर जी के दु:खद निधन पर नेता प्रतिपक्ष एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने उनके बाराद्वार रोड स्थित निज निवास पहुंचकर शोकाकुल परिवार से मुलाकात की। डॉ. महंत ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और इस कठिन समय में पूरे परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की।

गोपाल राठौर जी पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। इस दुख की घड़ी में ढांढस बंधाने पहुंचे वरिष्ठ नेताओं ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से मिलकर कहा कि पिता का साया उठना एक अपूरणीय क्षति है और वे इस मुश्किल समय में पूरी तरह राठौर परिवार के साथ खड़े हैं।



श्रद्धांजलि देने पहुंचे क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और कांग्रेसी नेता

इस दुखद अवसर पर शोक व्यक्त करने और दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक राठौर निवास पहुंचे। कांग्रेस पदाधिकारी व वरिष्ठ नेता: जिला कांग्रेस अध्यक्ष रश्मि गबेल, बलराम महाराज, गिरधर जायसवाल, महबूब खान, गुलजार सिंह, घनश्याम पांडे, नरेश गेवाडिन, पिंटू ठाकुर, और नारायण गबेल। राठौर परिवार एवं आत्मीय जन: केशव राठौर, राजू राठौड़, जिवेन्द्र राठौर, महादेव राठौर, नंदलाल राठौर, रमेश राठौड़, झब्बू राठौर, देवेंद्र राठौर, यशवंत राठोर, राकेश राठौर, अनिल राठौड़, सुनील राठौर, और धनंजय राठौर। स्थानीय जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता: घनश्याम देवांगन, श्यामू जायसवाल, संतोष सोनी, भुरु अग्रवाल, रथराम पटेल, मनोज जायसवाल, पीयूष राय, श्याम सोनी, और बंटी धनंजय। इस दौरान क्षेत्र के अन्य गणमान्य नागरिकों और कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी राठौर निवास पहुंचकर शोक संतप्त परिवार को संबल प्रदान किया और अपनी श्रद्धांजलि दी।

कलेक्टर और एसएसपी ने ली शांति समिति की बैठक

सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाएं पर्व, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का रखें ध्यान

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। नवरात्रि, दशहरा एवं दुर्गा विसर्जन के दौरान शांति, सुरक्षा और सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसएसपी रजनेश सिंह ने जिला कार्यालय में शांति समिति की बैठक ली। उन्होंने बिलासपुर की सौहार्दपूर्ण परंपरा के अनुरूप आपसी सहयोग और भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि त्योहारों का आयोजन शहर की गरिमा और सुंदर परंपराओं के अनुरूप किया जाएगा।

कलेक्टर अग्रवाल ने कहा कि पर्वों की खुशियों के साथ आम नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखना भी जरूरी है। रावण दहन के लिए सुरक्षित स्थल का चयन किया जाए। विशेष रूप से यह सुनिश्चित करें कि पुतले के ऊपर



अथवा आसपास बिजली के तार न हों। आयोजन स्थल पर भीड़ के सुरक्षित आवागमन और अग्नि सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए। दुर्गा विसर्जन के दौरान यातायात व्यवस्था पर विशेष चर्चा की गई। शहर के संकरे मार्गों और नागरिकों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए विसर्जन रूट को अंतिम स्वरूप देने के लिए आयोजन समितियों के साथ पुलिस और प्रशासन की बैठक होगी। इसमें विसर्जन मार्ग एवं आवश्यक व्यवस्थाओं पर समन्वय किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं के साथ आम राहगीरों को भी असुविधा न हो।

एसएसपी रजनेश सिंह ने कहा कि सभी आयोजन समितियों को डीजे एवं साउंड सिस्टम के संबंध में लागू नियमों और निर्धारित ध्वनि सीमा का पालन करना होगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के अनुरूप कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आयोजन समितियों और नागरिकों से व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। बैठक में दीपावली से पहले पटाखा दुकानों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी चर्चा हुई। संबंधित अधिकारियों को दुकानों में सुरक्षा संबंधी दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने और अग्नि सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर और एसएसपी ने कहा कि शांति एवं सद्भाव बनाए रखने में शांति समिति के सदस्यों और आयोजन समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका है सभी के सहयोग से त्योहारों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और उल्लासपूर्ण बनाया जा सकता है। बैठक में नगर निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, एडीएम शिवकुमार बनर्जी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल सहित शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे।

जीआरसी के खिलाफ कार्यवाही की मांग लेकर निषाद समाज पहुंचा थाने

विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। संगवारी जेंडर संसाधन केंद्र हंचलपुर की महिलाओं पर धमकी चमकी देने और कोर्ट-कचहरी में घसीटने की बात से नाराज निषाद समाज के पदाधिकारियों द्वारा भानुप्रतापपुर थाने में आवेदन देकर कार्यवाही की मांग की गई है। समाज के लोगों ने बताया कि ग्राम भेंडरा निवासी रागिनी उर्फ हेम प्रभा का विवाह सामाजिक रीति रिवाज से ग्राम करमोती के राम दुलार से मई 2025 में हुआ था।

दोनों के बीच आपसी विवाद बढ़ने के बाद 2 अगस्त 2026 को ग्राम रामपुर भखरा में बैठक आयोजित कर दोनों पक्षों का मुख्य सामग्री आदान-प्रदान के साथ





छोड़-छुट्टी करने का निर्णय लिया गया।

समाज जनों का आरोप है कि लड़की पक्ष द्वारा बिना समाज को सूचना दिए संगवारी जेंडर संसाधन केंद्र हंचलपुर में मामले की शिकायत की गई। जिसके बाद 16 अक्टूबर को करमोती में ग्रामीणों और सर्व समाज जनों की बैठक के दौरान जीआरसी की 5 महिलाओं द्वारा समाज के लोगों को कचहरी में घसीटने और धमकी चमकी देने से नाराज होकर करमोती के ग्रामीणों के साथ निषाद समाज के पदाधिकारियों ने भानुप्रतापपुर थाने में जाकर पांचो महिलाओं चंद्रिका, पूर्णिमा, कौशिल्या, उर्वशी, थानेश्वरी आदि के ऊपर कार्यवाही को लेकर नामजद आवेदन दिया गया। गांव में बैठक के दौरान निषाद समाज के समस्त पदाधिकारी एवं करमोती झालो पारा के ग्रामीण, ग्राम पटेल चंद्रकांत, उप सरपंच लीलेश दुग्गा, कोटवार सुनील मांडवी, लता पटेल, झामीन निषाद, अहिमत निषाद, हितेश्वरी निषाद, रेखा, बिशाखा, भुनेश्वरी, सियाबती, किरण, सुनीता, हरिश्चंद्र, पुरुषोत्तम, भरत, भगवानी, रामदास, नरसिंह, गिरधारी, राम चरण एवं अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

चाम्पा में तपसी बाबा और डोंगा घाट में चला सफाई अभियान

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा। 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती पर शासन प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और आम जनता के सहयोग से चाम्पा में हसदेव नदी के तट पर बने तपसी बाबा घाट और डोंगा घाट में जिला कलेक्टर संजय महोबे के नेतृत्व में साफ सफाई अभियान चलाया गया। घाट में पड़े कई टन कचरे को मानव श्रृंखला बनाकर बाहर किया गया।

कलेक्टर संजय महोबे खुद इस कार्य में तन्मयता के साथ लगे रहे और सफाई कर्मचारियों से आत्मीयता से बात करते हुए स्वास्थ्य शिविर लगाने हेतु निर्देश



देकर लोगों को प्रोत्साहित कर रहे थे । हसदेव नदी के तट पर साफ सफाई अभियान को आम नागरिकों ने जिला प्रशासन,जनप्रतिनिधियों और सफाई कर्मचारियों को साधुवाद देते हुए इस कार्य को निरंतर जारी रखने को कहा और वहाँ उपस्थित लोगों ने हसदेव नदी को स्वच्छ रखने की सामुहिक जिम्मेदारी लेने का संकल्प लिया।

दिल्ली में लगातार प्रदर्शनों से व्यापारियों को 3,000 करोड़ रुपए का नुकसान

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार विरोध-प्रदर्शनों से व्यापारियों को होने वाले नुकसान पर चिंता जताते हुए उद्योग संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने शनिवार को कहा कि अक्टूबर में चल रहे प्रदर्शनों के कारण दिल्ली के व्यापार को अब तक लगभग 3,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। साथ ही, रास्ते बंद होने से सप्लाई चेन भी टूट गई है।

सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा, '10 अक्टूबर को हुए पहले प्रदर्शन में 2000 करोड़ रुपए और 13 से 16 अक्टूबर के बीच सेंट्रल दिल्ली में हुई नाकाबंदी, मेट्रो बंदी और सेंट्रल पार्क बंद होने से अतिरिक्त 1,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।'



उद्योग संगठन ने बताया कि इन विरोध प्रदर्शनों से नवरात्रि और दीपावली की पीक में खरीदारी ठप होने से सबसे अधिक नुकसान रिटेल क्षेत्र को हुआ है, जो कि करीब 1,800 करोड़ रुपए का रहा है। इससे सदर बाजार, चांदनी चौक, कश्मीरी गेट, चावड़ी बाजार, भागीरथ प्लेस, गांधी नगर, नया बाजार, खारी बावली, करावल नगर, करोल बाग, लाजपत राय मार्केट, कनॉट प्लेस सहित दिल्ली के 700 से ज्यादा बाजार प्रभावित हुए। वहीं, सोनीपत, पानीपत, गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा, गाजियाबाद और राजस्थान से दिल्ली आने वाले 3-4 लाख थोक खरीदार के नहीं आने से थोक व्यापार को करीब 600 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं, ट्रकों की आवाजाही रुकने से सप्लाई चेन भी टूट गई है, जिससे त्योहारों के लिए तैयार समान गोदामों में ही पड़ा हुआ है।

सीटीआई ने बताया कि इसके अलावा, इन विरोध-प्रदर्शनों से हॉस्पिटैलिटी और सर्विस सेक्टर को 300 करोड़ रुपए, ट्रांसपोर्ट, ऑटो-टैक्सी और टूरिज्म को 180 करोड़ रुपए और अनौपचारिक सेक्टर (दिहाड़ी मजदूर, कारीगर, लोडिंग) को 120 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

गोयल ने आगे कहा, 'नवरात्रि, रामलीला और दीपावली हमारे लिए पूरे साल की कमाई का एकमात्र महीना है। अगर अब भी हर हफ्ते विरोध-प्रदर्शन होता रहा तो दीपावली तक नुकसान 10,000 करोड़ रुपए को पार कर जाएगा।' सीटीआई ने सरकार से मांग की कि दीपावली तक सेंट्रल दिल्ली, नई दिल्ली और लुटियंस जोन में किसी भी धरने-प्रदर्शन पर पूरी तरह रोक लगाई जाए। भविष्य के लिए बाहरी दिल्ली जैसे बुराड़ी, रोहिणी, द्वारका में विरोध-प्रदर्शन जोन बनाया जाए। साथ ही, अक्टूबर में हुए 3,000 करोड़ रुपए के नुकसान के लिए व्यापारियों को राहत पैकेज, बिजली-पानी के बिल और जीएसटी में छूट दी जाए।

वहीं, पुलिस प्रशासन दुकानदारों पर जबरन दुकान बंद करने का दबाव न बनाए, बल्कि बाजार खुले रखने की सुरक्षा दे।

भारतीय शेयर बाजार में तेजी से एफआईआई फिर बने खरीदार

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में 1,166 करोड़ रुपए का इक्विटी में निवेश किया। इसकी वजह बाजार में तेजी लौटना था। यह जानकारी एनालिस्ट की ओर से शनिवार को दी गई।

हालांकि, साप्ताहिक आधार पर एफआईआई विक्रेता बने हुए हैं और बीते सप्ताह उन्होंने 8,991 करोड़ रुपए की बिकवाली की थी, जो कि पिछले सप्ताह की 30,294 करोड़ रुपए की बिकवाली के मुकाबले काफी कम थी, जो कि विदेशी निवेशकों के रुझान में बदलाव को दिखाती है।

दूसरी तरफ, घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) शुद्ध खरीदार बने हुए हैं और बीते हफ्ते उन्होंने 7,813 करोड़ रुपए इक्विटी में निवेश किए। हालांकि, शुक्रवार को उन्होंने 3,661 करोड़ रुपए की बिकवाली थी।

इस महीने की शुरुआत से अब तक (16 अक्टूबर तक) एफआईआई 48,769 करोड़ रुपए की बिकवाली कर चुके हैं, जबकि डीआईआई ने इस दौरान 48,168 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

विश्लेषकों का कहना है कि एफआईआई की बिकवाली में काफी कमी आना और शुक्रवार को फंड फ्लो का उलटना यह संकेत देता है कि बाजार का सेंटिमेंट स्थिर हो रहा है, हालांकि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें रिकवरी को अभी भी जोखिम में डाल सकती हैं।

उन्होंने आगे कहा कि निवेशक ब्रेंट क्रूड की कीमतों के रुझान और अमेरिका-ईरान के बीच चल रही घटनाओं पर नजर बनाए हुए हैं। वहीं, घरेलू स्तर पर ध्यान वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही की कमाई और सप्ताह के मध्य में आने वाले आरबीआई एमपीसी के मिनट्स पर है। पिछले सप्ताह बेंचमार्क सूचकांकों में जोरदार वापसी देखने को मिली, जिसमें निफ्टी ने लगातार दूसरे सप्ताह अपनी रिकवरी जारी रखी। रुपए में मजबूती और अमेरिकी 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड में नरमी से बाजार के सेंटिमेंट को सहारा मिला, हालांकि ब्रेंट क्रूड का 105 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बने रहना महंगाई और बाहरी जोखिमों की चिंताओं को बनाए रखे हुए है।

यूएस ट्रेजरी में चीन की घटी हिस्सेदारी, भारत की होल्डिंग बढ़कर 219 अरब डॉलर के पार

विश्व केसरी■

वाशिंगटन। यूएस ट्रेजरी में चीन की हिस्सेदारी अगस्त में तेजी से गिरी है, जबकि भारत की होल्डिंग में लगातार तीसरे महीने इजाफा दर्ज किया गया है। यह जानकारी अमेरिकी सरकार की ओर से जारी किए गए डेटा में दी गई।

ट्रेजरी इंटरनेशनल कैपिटल (टीआईसी) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में बताया है कि अगस्त के अंत में चीन की होल्डिंग्स जुलाई के 618 अरब डॉलर से घटकर 590.7 अरब डॉलर रह गई हैं। यह आंकड़ा एक साल पहले अगस्त 2025 में 699.7 अरब डॉलर पर था। यह दिखाता है कि बीते 12 महीनों में चीन की यूएस ट्रेजरी होल्डिंग्स में लगभग 109 अरब डॉलर की कमी आई है।

अगस्त में भारत की होल्डिंग्स जुलाई के 202.6 अरब डॉलर से बढ़कर 219.7 अरब डॉलर हो गई हैं, जो एक ही महीने में लगभग 17 अरब डॉलर की बढ़ोतरी को दिखाता है। इस साल अप्रैल में भारत की होल्डिंग्स गिरकर 181 अरब डॉलर के निचले स्तर पर आ गई थीं, लेकिन उसके बाद इनमें लगातार सुधार हुआ है और मई में ये 181.3 अरब डॉलर, जून में 186.4 अरब डॉलर और जुलाई में 202.6 अरब डॉलर तक पहुंच गईं। अब ये लगभग उसी स्तर पर वापस आ गई हैं, जहां एक साल पहले थीं।



ताजा आंकड़ों के बाद, दो एशियाई अर्थव्यवस्थाओं की होल्डिंग्स के बीच का अंतर, जो एक साल पहले लगभग 480 अरब डॉलर था, अब घटकर लगभग 371 अरब डॉलर रह गया है।

अमेरिकी ट्रेजरी की प्रमुख विदेशी धारकों की सूची में, भारत 14वें स्थान पर है। इस सूची में हांगकांग 261.5 अरब डॉलर के साथ भारत से आगे है, जबकि नॉर्वे 214 अरब डॉलर के साथ भारत के ठीक पीछे है।

जापान 1,068.3 अरब डॉलर की होल्डिंग के साथ सबसे बड़ा विदेशी धारक बना हुआ है, हालांकि जुलाई में इसकी होल्डिंग 1,103.9 अरब डॉलर थी। यूनाइटेड किंगडम 1,009.5 अरब डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर है। चीन (मुख्य भूमि) तीसरे स्थान पर है। इसके बाद बेल्जियम 490.5 अरब डॉलर, कनाडा 464.6 अरब डॉलर, केमैन आइलैंड्स 463 अरब डॉलर और लक्जमबर्ग 448.2 अरब डॉलर का स्थान है। यूएस ट्रेजरी ने बताया कि अगस्त में 199.8 अरब डॉलर का नेट टीआईसी इनफ्लो हुआ। इसमें कहा गया है, 'विदेशी निवासियों ने अगस्त में दीर्घकालिक अमेरिकी सिक्योरिटीज में अपनी होल्डिंग बढ़ाई, उनकी शुद्ध खरीदारी 300.7 अरब डॉलर रही।' वहीं दूसरी ओर, 'विदेशी निवासियों ने अमेरिकी ट्रेजरी बिलों में अपनी होल्डिंग 47.8 अरब डॉलर कम कर दी।'

ट्रेजरी के अनुसार, सितंबर महीने के आंकड़ों को कवर करने वाली अगली टीआईसी रिपोर्ट 18 नवंबर को जारी की जाएगी।

एचडीएफसी बैंक का दूसरी तिमाही में मुनाफा करीब 5 प्रतिशत बढ़ा; प्रोविजनिंग 3,500 करोड़ रुपए के पार

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए। बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर 4.7 प्रतिशत बढ़कर 19,510 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 18,641 करोड़ रुपए था।

बैंक की ओर से एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया कि वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में उसका परिचालन से मुनाफा 5.6 प्रतिशत बढ़कर 29,483 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि सितंबर 2025 तिमाही में 27,923 करोड़ रुपए था।

उसकी शुद्ध ब्याज आय सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़कर 34,619 करोड़ रुपए हो गई है। शुद्ध ब्याज अंतर (मार्जिन) 3.16 प्रतिशत रहा है।

वित्त वर्ष 27 की सितंबर तिमाही में बैंक का ग्रॉस एनपीएस 1.11 प्रतिशत पर रहा है, जो कि पहले 1.17 प्रतिशत पर था। इस दौरान नेट एनपीए 0.41 प्रतिशत से घटकर 0.37 प्रतिशत पर आ गया है।



हालांकि, बैंक की प्रोविजनिंग में बढ़त दर्ज की गई है और यह बढ़कर 3,574 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि एक साल पहले 3,500 करोड़ रुपए और पिछली तिमाही में 3,059 करोड़ रुपए थी।

वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में एचडीएफसी बैंक के प्रबंधन के तहत औसत एडवांस सालाना आधार पर 14.1 प्रतिशत बढ़कर 31.87 लाख करोड़ रुपए हो गए। सितंबर के अंत में ग्रॉस एडवांस 32.20 लाख करोड़ रुपए रहे, जो एक साल पहले की तुलना में 16.3 प्रतिशत अधिक हैं।

रिटेल लोन में सालाना आधार पर 11.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों को दिए गए लोन में 23.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। औसत जमा राशि सालाना आधार पर 16.8 प्रतिशत बढ़कर 31.66 लाख करोड़ रुपए हो गई। औसत सीएएसए जमा राशि सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत बढ़कर 9.71 लाख करोड़ रुपए हो गई है।

30 सितंबर 2026 तक, बैंक के डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क में 4,177 शहरों/कस्बों में 9,706 शाखाएं और 20,881 एटीएम शामिल थे, जबकि 30 सितंबर 2025 तक 4,156 शहरों/कस्बों में 9,545 शाखाएं और 21,417 एटीएम थे। इनमें से 50 प्रतिशत शाखाएं अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में हैं।

बाजार की पाठशाला: रिटायरमेंट के बाद चाहिए प्रतिमाह 50,000 रुपये की इनकम?



विश्व केसरी■

नई दिल्ली। रिटायरमेंट प्लानिंग केवल बचत जमा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसा फंड तैयार करना भी जरूरी है जो नौकरी के बाद नियमित आय देता रहे। बढ़ती महंगाई और लंबी जीवन प्रत्याशा को देखते हुए वित्तीय विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि रिटायरमेंट के लिए जल्द से जल्द निवेश शुरू करना चाहिए।

रिटायरमेंट के बाद नियमित आय पाने के लिए सिस्टमेटिक विदड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) एक लोकप्रिय विकल्प माना जाता है। इसके जरिए निवेशक अपना मूल निवेश बनाए रखते हुए हर महीने या तिमाही एक निश्चित राशि निकाल सकते हैं। यही कारण है कि कई सेवानिवृत्त लोग अपनी मासिक जरूरतों को पूरा करने के लिए इस विकल्प का इस्तेमाल करते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, रिटायरमेंट फंड तय करने से पहले अपनी जीवनशैली, परिवार की जरूरतों, स्वास्थ्य खर्च, महंगाई और भविष्य की अन्य आवश्यकताओं का आकलन करना जरूरी है। एक सामान्य नियम यह भी माना जाता है कि रिटायरमेंट कॉर्पस का अनुमान लगाने के लिए मौजूदा मासिक खर्च का लगभग 300 गुना फंड तैयार होना चाहिए।

निवेशकों को अपनी उम्र, जोखिम उठाने की क्षमता और वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार इक्विटी, पीपीएफ, ईपीएफ, एनपीएस, बॉन्ड और अन्य निवेश विकल्पों का मिश्रण चुनना चाहिए। साथ ही आपातकालीन फंड और बीमा की व्यवस्था भी अलग से रखनी चाहिए ताकि अचानक आने वाले खर्चों से रिटायरमेंट फंड प्रभावित न हो। अब अगर किसी को रिटायरमेंट के बाद हर महीने 50,000 रुपए का इनकम चाहिए, तो उसे हर महीने कितने रुपए का निवेश करना होगा और कैसे निवेश की प्लानिंग करनी होगी, चलिए जानते हैं। यदि कोई व्यक्ति रिटायरमेंट के बाद हर महीने 50,000 रुपए की आय चाहता है और उसकी जीवन प्रत्याशा 85 वर्ष मानी जाए, जबकि महंगाई की दर 6 प्रतिशत और निवेश पर औसत रिटर्न 12 प्रतिशत रहे, तो आवश्यक निवेश उम्र के अनुसार बदलता है।

यदि कोई व्यक्ति 20 वर्ष की उम्र से निवेश शुरू करता है और 60 वर्ष की उम्र में रिटायर होना चाहता है, तो उसे लगभग 13,114 रुपए प्रति माह निवेश करना होगा। इससे करीब 15.42 करोड़ रुपए का कॉर्पस तैयार हो सकता है। वहीं 25 वर्ष की उम्र में शुरुआत करने पर हर महीने लगभग 17,928 रुपए का निवेश करना होगा, जिससे करीब 11.52 करोड़ रुपए का फंड तैयार हो सकता है।

वहीं, यदि निवेश की शुरुआत 30 वर्ष की उम्र में की जाए तो मासिक निवेश बढ़कर लगभग 24,650 हो जाएगा और अनुमानित कॉर्पस 8.61 करोड़ रुपए रहेगा।

पशु चारे में इस्तेमाल होने वाले चोकर से बनाया जा रहा था बिस्किट, एफएसएसएआई ने कंपनी के खिलाफ शुरू की कार्रवाई

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए कड़े नियमों का पालन सुनिश्चित कर रहा है। इसी कड़ी में खाद्य सुरक्षा के गंभीर उल्लंघनों के लिए मेसर्स सूर्य फूड एंड एग्रो लिमिटेड (प्रियागोल्ड बिस्किट्स), मेसर्स डोडला डेयरी लिमिटेड और मेसर्स उइर ऑर्गेनिक फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके अलावा, नरपधम फूड्स, सन रिजेस हेल्थ केयरर्स और मेसर्स शाह कांतिलाल जयंतीलाल को भी नोटिस जारी किए गए हैं।

एफएसएसएआई ने शनिवार को बताया कि उसने 'प्रियागोल्ड बिस्कुट' बनाने वाली कंपनी 'सूर्या फूड एंड एग्रो लिमिटेड' के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। कंपनी पर आरोप है कि उसने बिस्कुट बनाने में कच्चे माल के तौर पर उस चोकर का इस्तेमाल किया, जो असल में पशुओं के चारे के लिए होता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बयान में खाद्य नियामक (फूड रेगुलेटर) ने बताया कि एक उपभोक्ता की शिकायत के बाद 'सूर्या फूड एंड एग्रो लिमिटेड' का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दौरान खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़ी गंभीर कमियां पाई गईं।' खाद्य नियामक ने कहा, 'पशुओं के चारे के लिए बना चोकर का इस्तेमाल 'प्रियागोल्ड' बिस्किट बनाने में फाइबर के स्रोत के रूप में किया जा रहा था। चोकर से भरे बोरों पर साफ तौर पर लिखा था कि यह सामग्री पशुओं के चारे के लिए है।'

एफएसएसएआई ने बताया कि इसके अलावा प्लांट की स्वच्छता, कीट नियंत्रण (पेस्ट कंट्रोल), कच्चे माल के भंडारण और उसे अलग-अलग रखने की व्यवस्था, कर्मचारियों की साफ-सफाई, परिसर के रखरखाव और बीच के चरणों वाले फॉर्मूलेशन को संभालने के तरीकों में भी कमियां पाई गईं। एफएसएसएआई ने आगे कहा कि 'निरीक्षण के दौरान नियमों के गंभीर उल्लंघन पाए जाने के बाद 'सूर्या फूड एंड एग्रो लिमिटेड' का एफएसएसएआई लाइसेंस सस्पेंड कर दिया गया है।

आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा दूसरी तिमाही में 20 प्रतिशत बढ़ा

विश्व केसरी■

मुंबई। आईसीआईसीआई बैंक ने शनिवार को वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए। बैंक का कंसोलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार पर 20.1 प्रतिशत बढ़कर 14,843 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 12,359 करोड़ रुपए था।

वित्त वर्ष 27 की जुलाई-सितंबर अवधि में बैंक का मुनाफा बढ़ने के साथ एसेट क्वालिटी में सुधार और प्रोविजनिंग में कमी देखी गई है।

वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में बैंक का ग्रॉस एनपीए घटकर 1.20 प्रतिशत हो गया है, जो कि पिछली तिमाही में 1.38 प्रतिशत था। वहीं, इस दौरान नेट एनपीए 0.35 प्रतिशत से कम होकर 0.30 प्रतिशत हो गया है।

वहीं, निजी बैंक की प्रोविजनिंग गिरकर 851 करोड़ रुपए पर आ गई है, जो कि जून तिमाही में 1,260 करोड़ रुपए और एक साल पहले समान अवधि में 914 करोड़ रुपए पर थी। वित्त वर्ष 27 की सितंबर तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 18 प्रतिशत बढ़कर 25,339 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 21,529 करोड़ रुपए पर थी। बैंक का शुद्ध ब्याज अंतर (एनआईएम) पिछली तिमाही के 4.36 प्रतिशत से घटकर 4.18 प्रतिशत हो गया है।



इसके अलावा, बैंक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, आईसीआईसीआई बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास एक आवेदन दायर किया है। इसमें प्रदीप कुमार सिन्हा को 1 जुलाई 2027 से 16 फरवरी 2029 तक बैंक के नॉन-एग्जीक्यूटिव पार्ट-टाइम चेयरपर्सन के पद पर बने रहने के लिए मंजूरी मांगी गई है।

यह प्रस्तावित अवधि उनके उस कार्यकाल के भीतर आती है, जिसके लिए बैंक के बोर्ड और शेयरधारकों ने पहले ही उन्हें स्वतंत्र निदेशक के रूप में मंजूरी दे दी है।

पिछले कारोबारी सत्र में आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 0.55 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,397 रुपए पर बंद हुआ। बीते एक महीने में शेयर ने करीब 4 प्रतिशत का रिटर्न दिया है, जबकि बीते एक साल में शेयर में करीब 3 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है।

वो समझी प्यार खत्म हो गया, उसे लगा वो सीरियस नहीं... फिर खुला गलतफहमी का राज



नायरा और रेयान एक-दूसरे को पसंद करते हैं, लेकिन एक छोटी-सी गलतफहमी उनके बीच दूरियां बढ़ा देती है. क्या दोनों अपने रिश्ते को एक मौका दे पाएंगे? पढ़िए प्यार, भरोसे और बातचीत की अहमियत बताने वाली यह प्यारी मॉडर्न लव स्टोरी.

रात को सोने से पहले अगर कोई प्यारी-सी कहानी पढ़ने को मिल जाए, तो दिन की थकान के बीच चेहरे पर मुस्कान आ ही जाती है. इसी एहसास के साथ हम हर रात आपके लिए लेकर आते हैं एक नई लव स्टोरी. इन कहानियों में होगा आज की जनरेशन वाला प्यार, रिश्तों की उलझनें, कुछ अनपेक्षित मोड़ और एक ऐसी सीख, जो दिल को छू जाए.

हमारी आज की कहानी है दो ऐसे लोगों की, जो एक-दूसरे को पसंद तो करते हैं, लेकिन अपनी बात कहने से डरते हैं. दोनों की सोच अलग है, प्यार जताने का तरीका अलग है, लेकिन एक छोटी-सी घटना उन्हें समझाती है कि किसी रिश्ते को खूबसूरत बनाने के लिए सिर्फ साथ होना नहीं, एक-दूसरे को समझना भी जरूरी है. पढ़िए आज की प्यारी-सी कहानी...

कहानी: एक गलतफहमी, जिसने प्यार का मतलब समझाया

नायरा और रेयान की मुलाकात एक दोस्त की बर्थडे पार्टी में हुई थी. नायरा को बेवजह की तारीफें पसंद नहीं थीं और रेयान उन लोगों में था, जो हर बात को मजाक में टाल देता था. पहली मुलाकात में दोनों की खूब बहस हुई, लेकिन शायद इसी नोकझोंक ने उन्हें एक-दूसरे के करीब ला दिया.

रे-धीरे बातचीत बढ़ने लगी. सुबह की कॉफी से लेकर रात के मीम्स तक, दोनों की जिंदगी में एक-दूसरे की जगह बनने लगी. नायरा को रेयान का मुश्किल वक्त में हंसाना अच्छा लगता था, जबकि रेयान को नायरा की यह आदत पसंद थी कि वह उसकी छोटी-छोटी बातों को भी याद रखती थी.

कुछ महीनों बाद रेयान ने तय किया कि वह नायरा को अपने दिल की बात बताएगा. उसने अपने दोस्तों से सलाह ली, एक अच्छा-सा कैफे चुना और मिलने का प्लान बनाया. लेकिन मुलाकात से ठीक पहले नायरा का मैसेज आया, 'आज नहीं मिल सकती. कुछ जरूरी काम है.'

रेयान को बुरा लगा. उसे लगा कि नायरा शायद इस रिश्ते को लेकर उतनी गंभीर नहीं है. अगले कुछ दिनों तक उसने खुद से मैसेज करना कम कर दिया. नायरा ने भी उसकी चुप्पी देखकर बात करने की कोशिश नहीं की. उसे लगा कि रेयान अब उससे ऊब गया है.

दोनों के बीच बिना कुछ कहे एक गलतफहमी बढ़ने लगी.

एक दिन उनके कॉमन फ्रेंड की मदद से रेयान को पता चला कि जिस दिन नायरा ने मिलने से मना किया था, उसी दिन उसकी मां की तबीयत अचानक खराब हो गई थी. नायरा उन्हें अस्पताल लेकर गई थी और घर की जिम्मेदारियों के बीच उसे किसी से बात करने का मौका ही नहीं मिला.

रेयान को अपनी गलती का एहसास हुआ. उसने तुरंत नायरा को फोन किया.

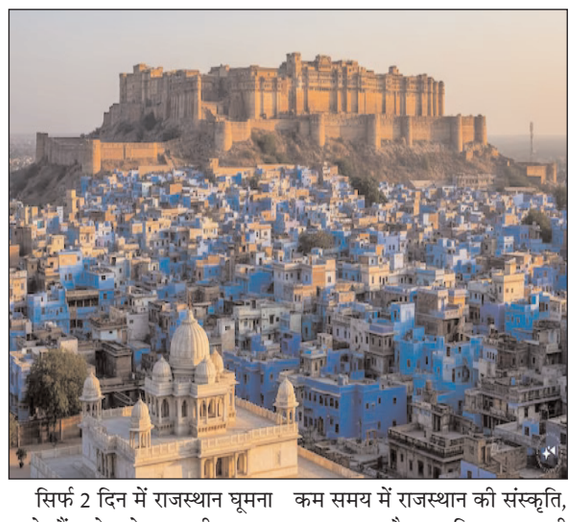
'तुमने मुझे बताया क्यों नहीं?' रेयान ने पूछा.

नायरा कुछ पल चुप रही, फिर बोली, 'हर बार अपनी परेशानी बताना आसान नहीं होता. कभी-कभी लगता है कि सामने वाला बिना बताए भी समझ जाएगा.'

रेयान के पास इसका कोई आसान जवाब नहीं था. उसने धीरे से कहा, 'मैं समझना चाहता हूं, लेकिन तुम्हें मुझे बताने का मौका भी देना होगा. मैं तुम्हारे मन की हर बात खुद से नहीं जान सकता.'

नायरा को उसकी बात सही लगी. उसने भी माना कि चुप रहकर किसी से अपनी बात समझने की उम्मीद करना ठीक नहीं था।

2 दिन की राजस्थान ट्रिप के लिए कहां जाएं? जीवनभर के लिए याद हो जाएंगी यहां की ऐतिहासिक इमारते



सिर्फ 2 दिन में राजस्थान घूमना चाहते हैं, तो जोधपुर की इन 6 ऐतिहासिक जगहों को अपनी ट्रिप में शामिल करें. यहां के किले, महल और मंदिरों की कहानियां आपको राजशाही दौर की याद दिला देंगी.

राजस्थान घूमने का प्लान बना रहे हैं, लेकिन आपके पास सिर्फ 2 दिन का समय है, तो जोधपुर आपके लिए बेहतरीन जगह हो सकती है. यहां के ऊंचे किले, खूबसूरत महल, प्राचीन मंदिर और ऐतिहासिक स्मारक राजस्थान के शाही अतीत की झलक दिखाते हैं. नीले रंग के घरों के कारण ब्लू सिटी कहलाने वाले जोधपुर में ऐसी कई जगहें हैं, जहां घूमना सिर्फ एक यात्रा नहीं, बल्कि इतिहास को करीब से जानने का अनुभव बन जाता है. अगर आप कम समय में राजस्थान की संस्कृति, वास्तुकला और प्राकृतिक खूबसूरती का आनंद लेना चाहते हैं, तो इन 6 जगहों को अपनी यात्रा में शामिल कर सकते हैं.

मेहरानगढ़ किला

जोधपुर की पहचान माने जाने वाले मेहरानगढ़ किले को देखे बिना आपकी राजस्थान यात्रा अधूरी रह सकती है. इस विशाल किले की नींव साल 1459 में राव जोधा ने रखी थी. ऊंची पहाड़ी पर बना यह किला अपनी मजबूत दीवारों, विशाल दरवाजों और शानदार महलों के लिए प्रसिद्ध है. किले के अंदर फूल महल, मोती महल और शीश महल जैसे हिस्से हैं, जो राजघराने की भव्य जीवनशैली की कहानी बताते हैं. यहां मौजूद संग्रहालय में पुराने हथियार, शाही वस्त्र, पालकियां और ऐतिहासिक वस्तुएं भी देखने को मिलती हैं. किले की ऊंचाई से जोधपुर के नीले घरों का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है. इतिहास और फोटोग्राफी में दिलचस्पी रखने वालों के लिए यह जगह खास है.

मेहरानगढ़ किले के पास स्थित चोखेलाओ बाग अपनी हरियाली और पारंपरिक बागवानी शैली के लिए जाना जाता है. यहां की खूबसूरत बनावट, पत्थरों से बनी संरचनाएं और आसपास की ऐतिहासिक दीवारें पुराने मारवाड़ की झलक दिखाती हैं. किले की भव्यता देखने के बाद इस बाग में कुछ समय बिताना आपको सुकून का एहसास करा सकता है. यहां घूमते हुए आप प्रकृति और इतिहास के खूबसूरत मेल को महसूस कर सकते हैं. अगर आपको शांत जगहों पर घूमना और तस्वीरें लेना पसंद है, तो चोखेलाओ बाग को अपनी यात्रा में जरूर शामिल करें.

महामंदिर मंदिर

जोधपुर का महामंदिर भगवान शिव को समर्पित एक ऐतिहासिक मंदिर है. इसकी सबसे खास बात यहां बने 84 नक्काशीदार खंभे हैं. इन खंभों पर की गई बारीक कलाकारी भारतीय वास्तुकला और शिल्पकला की समृद्ध परंपरा को दर्शाती है।

घर में लगा ये पौधा पथरी समेत कई समस्याओं में आता है काम, जानिए इसके फायदे



उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी का तराई इलाका अपनी हरियाली और प्राकृतिक संपदा के लिए जाना जाता है. यहां कई औषधीय पौधे भी पाए जाते हैं, जिनमें पत्थरचट्टा प्रमुख है. इसे पाषाणभेद और पणफुट्टी के नाम से भी जाना जाता है. इसका वैज्ञानिक नाम Kalanchoe pinnata है. यह पौधा घर के आंगन, गमले या बगीचे में आसानी से उगाया जा सकता है. लखीमपुर खीरी की आयुष चिकित्सक डॉ. ऋचा श्रीवास्तव ने लोकल 18 को इसके पारंपरिक औषधीय इस्तेमाल के बारे में जानकारी दी. हालांकि, किसी बीमारी के इलाज के लिए इसका सेवन करने से पहले चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है.

लखीमपुर खीरी. उत्तर प्रदेश का लखीमपुर खीरी जिला अपनी हरियाली और प्राकृतिक संपदा के साथ कई औषधीय पौधों के लिए भी जाना जाता है. इन्हीं पौधों में पत्थरचट्टा भी शामिल है. इसे पाषाणभेद, पर्णबीजी और पणफुट्टी के नाम से भी जाना जाता है. इसका वैज्ञानिक नाम Kalanchoe pinnata है, जबकि इसे Bryophyllum pinnatum के नाम से भी पहचाना जाता है. इस पौधे को घर के आंगन, गमले या बगीचे में आसानी से उगाया जा सकता है. अनुकूल परिस्थितियों में यह तेजी से बढ़ता है और इसकी पत्तियों से नए पौधे भी तैयार हो जाते हैं.

लखीमपुर खीरी की आयुष चिकित्सक डॉ. ऋचा श्रीवास्तव ने लोकल 18 को बताया कि पत्थरचट्टा की पत्तियों और उनके रस का इस्तेमाल पारंपरिक रूप से औषधीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है. हालांकि, किसी भी औषधीय पौधे का सेवन करने से पहले व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति और चिकित्सकीय सलाह को ध्यान में रखना जरूरी है।

काला चना कबाब का स्वाद जीत लेगा सबका दिल, जानें इसे बनाने का आसान तरीका



काला चना प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होता है. आप बोरिंग चने की जगह आसानी से स्वादिष्ट और हेल्दी काला चना कबाब बना सकते हैं. इसे चाय के साथ या स्टार्टर के रूप में परोसा जा सकता है.

काला चना प्रोटीन, फाइबर और कई आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होता है. अगर आप रोजाना एक ही तरह से चना खाकर बोर हो चुके हैं, तो काला चना कबाब एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है. यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ हेल्दी स्नैक भी है. चाय के साथ, बच्चों के टिफिन में या मेहमानों के लिए स्टार्टर के रूप में इसे परोसा जा सकता है. आइए जानते हैं काला चना कबाब बनाने की आसान रेसिपी.

आवश्यक सामग्री

काला चना - 1 कप (रातभर भिगोया हुआ)

उबला आलू - 2 मध्यम आकार के

प्याज - 1 बारीक कटा हुआ

हरी मिर्च - 2 बारीक कटी हुई

अदरक - 1 छोटा चम्मच कद्दूकस किया हुआ

हरा धनिया - 2 बड़े चम्मच

लाल मिर्च पाउडर - ड्ड छोटा चम्मच

गरम मसाला - ड्ड छोटा चम्मच

भुना जीरा पाउडर - 1 छोटा चम्मच

नमक - स्वादानुसार

ब्रेड क्रम्ब्स - 2 बड़े चम्मच

तेल - शैलो फ्राई करने के लिए

बनाने की विधि

सबसे पहले भीगे हुए काले चनों को कुकर में 4-5 सीटी आने तक उबाल लें. चने नरम हो जाएं लेकिन बहुत ज्यादा गलें नहीं. उबले हुए चनों का अतिरिक्त पानी निकाल दें और उन्हें ठंडा होने दें.

अब चनों को मिक्सर में हल्का दरदरा पीस लें. ध्यान रखें कि चनों का पेस्ट बिल्कुल चिकना न हो, क्योंकि थोड़ा दानेदार मिश्रण कबाब को बेहतर टेक्सचर देता है.

एक बड़े बाउल में पिसा हुआ काला चना, उबले और मैश किए हुए आलू, प्याज, हरी मिर्च, अदरक, हरा धनिया, लाल मिर्च पाउडर, भुना जीरा पाउडर, गरम मसाला और नमक डालें. सभी सामग्री को अच्छी तरह मिला लें.

यदि मिश्रण बहुत नरम लगे तो उसमें ब्रेड क्रम्ब्स मिलाएं. इससे कबाब आसानी से आकार ले सकेंगे. अब मिश्रण से छोटे-छोटे हिस्से लेकर गोल या टिक्की जैसा आकार दें.

एक नॉन-स्टिक तवा या पैन गर्म करें और उस पर थोड़ा तेल डालें. तैयार कबाबों को तवे पर रखें और मध्यम आंच पर दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेकें. चाहें तो इन्हें एयर फ्रायर में भी बना सकते हैं.

परोसने का तरीका

गरमा-गरम काला चना कबाब को हरी चटनी, इमली की चटनी या टमाटर सॉस के साथ परोसें. ऊपर से थोड़ा चाट मसाला और नींबू का रस डालने पर इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है।

बेडरूम को दें विंटर मेकओवर, कंबल और फिटेड बेडशीट पर मिल रहा शानदार डिस्काउंट



सर्दियों के लिए गर्म कंबल और बेडशीट खरीदना है तो द्वड्ड5श्ठ पर चल रही ग्रेड इंडियन फेस्टिवल में आपको जबरदस्त डिस्काउंट मिल सकता है. यहां आप कुछ प्रीमियम क्वालिटी के बेडिंग आइटम्स और इस पर मिल रहे शानदार छूट के बारे में जान सकते हैं. इनमें सिंगल बेड कंबल से लेकर डबल और किंग साइज कम्फर्टर और गर्म फिटेड बेडशीट तक के विकल्प शामिल हैं.

सर्दियों का मौसम आ गया है, रात में हल्की ठंड महसूस होने लगी है. ऐसे में बेडरूम को कंफर्टेबल बनाने के लिए जरूरी सामानों की खरीदारी जरूरी हो जाती है. ठंडी रातों में अच्छी नींद के लिए सिर्फ गर्म कंबल ही नहीं, बल्कि सॉफ्ट बेडशीट और आरामदायक कम्फर्टर भी जरूरी होते हैं. अगर आप भी इस मौसम में अपने बेडरूम को नया लुक देना चाहते हैं और ठंड से बचने के लिए अच्छी बेडिंग खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो द्वड्ड5श्ठ सेल पर आपको बेहतरीन डील्स मिल सकती है.

Great Indian Festival सेल में आपको ऐसे कंबल, कम्फर्टर और विंटर बेडशीट सस्ते में मिल जाएंगे, जिन्हें एयर कंडीशनर वाले कमरे, हल्की सर्दियों और ज्यादा ठंड के हिसाब से इस्तेमाल किया जा सकता है. खास बात यह है कि इन प्रोडक्ट्स में सॉफ्ट माइक्रोफाइबर, फ्लैनल फ्लीस और शेरपा फ्लीस जैसे फैब्रिक का इस्तेमाल किया गया है, जो आरामदायक एहसास देने के लिए जाने जाते हैं. यहां हम आपके लिए 5 ऐसे बेडिंग प्रोडक्ट्स लेकर आए हैं, जिनकी कीमत ?599 से शुरू होती है. कीमत और डिस्काउंट के आधार पर आप अपनी जरूरत और बजट के हिसाब से इनमें से कोई विकल्प चुन सकते हैं।

वजन घटने पर पिघली हुई चर्बी आखिर जाती कहां है? जानें शरीर में क्या होता है

क्या कभी आपने सोचा है शरीर में जमा फैट एक्सरसाइज और डाइटिंग के बाद कहा जाता है? अचानक से जब चर्बी शरीर से उतरती है तो कहां चली जाती है? ज्यादातर लोगों को इसके बारे में नहीं पता है, यदि आप भी इनमें से एक हैं तो ये लेख आपके लिए है. यहां जानिए वेट लॉस के दौरान शरीर फैट को कैसे बाहर निकालता है.

वजन कम करने के लिए लोग अक्सर डाइटिंग, एक्सरसाइज और वॉकिंग करते हैं. जब वजन घटने लगता है, तो शरीर में जमा चर्बी भी कम होने लगती है. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि शरीर से ये चर्बी आखिर जाती कहां है? क्या यह पसीने के जरिए बाहर निकलती है या शरीर इसे किसी दूसरे तरीके से बाहर निकालता है? इसका जवाब थोड़ा हैरान करने वाला है.

यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम के दो शोधकर्ताओं ने द कन्वरसेशन में प्रकाशित एक लेख में बताया कि



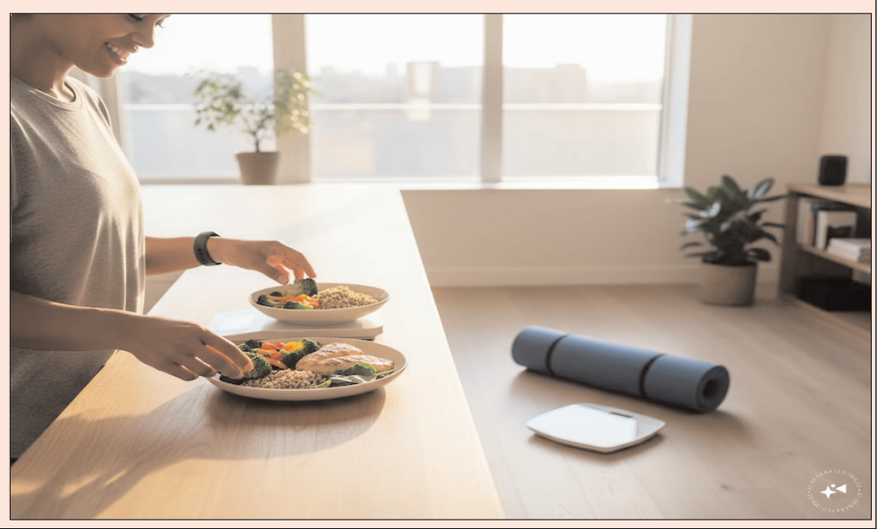
वजन घटने पर शरीर की ज्यादातर चर्बी सांस छोड़ने के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड के रूप में बाहर निकलती है. इसका मतलब है कि फैट कम होने की प्रक्रिया में फेफड़ों की भी अहम भूमिका होती है. हालांकि, केवल तेजी से सांस लेने से वजन कम नहीं होता. इसके लिए शरीर को भोजन से मिलने वाली ऊर्जा से ज्यादा ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है. आइए जानते हैं कि शरीर में जमा चर्बी कैसे टूटती है और वजन घटने पर कहां जाती है.

शरीर में चर्बी जमा कैसे होती है? जब हम खाना खाते हैं, तो पाचन तंत्र भोजन में मौजूद फैट को फैटी एसिड में तोड़ता है. शरीर इनका इस्तेमाल कोशिकाएं बनाने, हार्मोन के कामकाज और अंगों की सुरक्षा जैसे जरूरी कार्यों के लिए करता है. जरूरत से ज्यादा ऊर्जा मिलने पर शरीर उसे ट्राइग्लिसराइड्स के रूप में फैट सेल्स में जमा कर सकता है. शरीर में चर्बी मुख्य रूप से दो जगह जमा होती है. पहली, त्वचा के ठीक नीचे मौजूद सबक्यूटेनियस फैट और दूसरी, अंदरूनी अंगों के आसपास जिसे विसरल फैट कहा जाता है.

वजन घटने पर चर्बी कैसे कम होती है? जब शरीर को भोजन से मिलने वाली ऊर्जा की तुलना में ज्यादा ऊर्जा की जरूरत होती है, तो वह जमा चर्बी का इस्तेमाल करने लगता है. इस दौरान हार्मोन और तंत्रिका तंत्र से मिलने वाले संकेत फैट सेल्स में जमा ट्राइग्लिसराइड्स को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू करते हैं. इसे लिपोलाइसिस कहते हैं. इसके बाद फैटी एसिड कोशिकाओं के माइटोकॉन्ड्रिया तक पहुंचते हैं, जहां बीटा-ऑक्सीडेशन की प्रक्रिया के जरिए उनका इस्तेमाल ऊर्जा बनाने में होता है. इस प्रक्रिया के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड और पानी भी बनते हैं.

चर्बी शरीर से किस रास्ते बाहर निकलती है? शोधकर्ताओं के अनुसार, वजन कम होने पर घटने वाली चर्बी का लगभग 84 प्रतिशत हिस्सा कार्बन डाइऑक्साइड में बदलकर सांस छोड़ने के दौरान बाहर निकलता है. बाकी लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा पानी बनता है, जो पसीने, पेशाब और शरीर के दूसरे तरल पदार्थों के जरिए बाहर निकल सकता है. ये आंकड़े अनुमान पर आधारित हैं. इसका मतलब है कि चर्बी केवल पसीने के जरिए बाहर नहीं निकलती. सांस छोड़ना फैट के टूटने से बने पदार्थों को बाहर निकालने का एक प्रमुख रास्ता है.

क्या तेजी से सांस लेने से वजन घटता है? नहीं, तेजी से सांस लेने से अपने आप चर्बी कम नहीं होती।



अक्षय म्हात्रे ने शेयर की नवरात्रि की खास याद, बताया- वो पल आज भी दिल के करीब



वड़ोदरा की गरबा नाइट्स में पती श्रेनु पारिख के साथ बिताए पलों को आज भी करते हैं याद

मुंबई। टेलीविजन अभिनेता अक्षय म्हात्रे ने नवरात्रि के अवसर पर पत्नी और अभिनेंत्री श्रेनु पारिख के साथ वडोदरा की प्रसिद्ध गरबा नाइट्स से जुड़े अपने पुराने अनुभवों को याद किया। त्योहारों पर अपने विचार साझा करते हुए अक्षय ने बताया कि कैसे नवरात्रि के नौ दिन आस्था और भक्ति के साथ लोगों को एक-दूसरे के करीब लाते हैं।

गरबा का अनुभब बना यादगार

त्योहार के प्रति अपना लगाव शेयर करते हुए अक्षय म्हात्रे कहते हैं, "नवरात्रि मेरे लिए हमेशा से खास रही है क्योंकि इन नौ दिनों में जो सकारात्मक ऊर्जा रहती है। मेरी सबसे प्यारी यादों में से एक है श्रेनु के साथ वडोदरा की मशहूर गरबा नाइट का अनुभव करना।"

अभिनेता ने बताया कि इस उत्सव पर गरबा का आनंद लेने से नवरात्रि का त्योहार और भी खास बन जाता है। उन्होंने कहा, "उसे पूरे दिल से त्योहार का आनंद लेते देखना, इस मौके को सच में यादगार बना गया। मेरे लिए नवरात्रि आस्था, एकजुटता और देवी दुर्गा की भावना का जश्न मनाने के बारे में है।"

> "नवरात्रि के अवसर पर लोग जिस तरह से एकजुट होते हैं, भक्ति में डूबे रहते हैं और इतनी खुशी के साथ जश्न मनाते हैं, वह दृश्य देखने लायक हैं।"
> – अक्षय म्हात्रे



गरबा है भक्ति और शक्ति का प्रतीक

अक्षय म्हात्रे ने आगे कहा कि यह त्योहार भक्ति और सकारात्मकता से भरा होता है। उन्होंने लिखा, "नवरात्रि के अवसर पर लोग जिस तरह से एकजुट होते हैं, भक्ति में डूबे रहते हैं और इतनी खुशी के साथ जश्न मनाते हैं, वह दृश्य देखने लायक है। यही वो पल हैं, जो त्योहारों को खास बनाते हैं और आपको ऐसी यादें दे जाते हैं, जिन्हें आप हमेशा संजोकर रखते हैं।"

'अक्का' का टीजर रिलीज, गैंगस्टर वर्ल्ड में दिखेगी दो महिलाओं की जंग



विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री राधिका आप्टे और कीर्ति सुरेश स्टारर पीरियड क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'अक्का' के मेकर्स ने शनिवार को अभिनेत्री कीर्ति सुरेश के जन्मदिन के अवसर पर टीजर रिलीज कर दिया है। सीरीज में अभिनेत्री राधिका आप्टे 'रुद्रा' और कीर्ति सुरेश 'भवानी' के किरदार में नजर आएंगी।

टीजर में कीर्ति सुरेश भवानी और राधिका आप्टे रुद्रा के किरदार में नजर आ रही हैं। दोनों प्रभावशाली और सशक्त महिलाओं की भूमिका निभा रही हैं। वाईआरएफ एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, 'अक्का' की कहानी 1980 के दशक के दक्षिण भारत के एक काल्पनिक शहर 'पनूरू' की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जहां महिलाओं का मातृसत्तात्मक समाज और गैंगस्टर्स के रूप में वर्चस्व होता है।

'पनूरू' को ऐसी बस्ती के रूप में दिखाया गया है, जहां गहरी जड़ें जमाए परंपराएं, बदलते सत्ता समीकरण और भीतर ही भीतर पनप रही दुश्मनियां लगातार संघर्ष का माहौल बनाती हैं। इसका निर्देशन धर्मराज शेट्टी ने किया है, जो इस प्रोजेक्ट के साथ निर्देशन में डेब्यू करने जा रहे हैं। इसमें राधिका आप्टे के साथ कीर्ति सुरेश और तन्वी आजमी मुख्य भूमिकाओं में हैं। कीर्ति सुरेश इस सीरीज के जरिए अपना ओटीटी डेब्यू कर रही हैं।

सीरीज एक गैंगस्टर कहानी है जिसमें महिलाएं मुख्य भूमिका में हैं। इस शो के साथ धर्मराज शेट्टी ने डायरेक्शन में अपना डेब्यू किया है, जिन्होंने इस सीरीज को लिखा भी है। 1980 के दशक पर आधारित, अक्का एक ऐसी काल्पनिक दुनिया में घटती है जिसे पीढ़ियों से महिलाओं ने बनाया, चलाया और बचाकर रखा है।

अभिनेत्री राधिका आप्टे ने बताया कि उन्हें अपने किरदार 'रुद्रा' की जटिलता और उनके अलग-अलग नजरिए से पैदा होने वाले तनाव ने काफी आकर्षित किया, जिस वजह से उन्होंने इस किरदार के लिए हां किया है।

उन्होंने कहा, 'यह बहुत अच्छी बात है कि अक्का की रिलीज़ डेट और टीज़र का आना कीर्ति के जन्मदिन पर हुआ है। मुझे यकीन है कि यह हमारे लिए लकी साबित होगा। रुद्र एक दिलचस्प किरदार है, जो अपने उसूलों और आसपास की दुनिया को चुनौती देने की सोच से चलती है।

माथे पर टीका लगाने से फराह खान ने किया इनकार, वीडियो वायरल होते ही हुई ट्रोल

विश्व केसरी ■

मुंबई। फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान इन दिनों सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना कर रही हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने एक इवेंट में माथे पर टीका लगवाने से मना कर दिया था, जिसके बाद उनका ये रिएक्शन देखकर लोग उनकी कड़ी आलोचना कर रहे हैं।

फराह खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह होटल स्टाफ लॉबी में आरती की थाली से फिल्ममेकर का स्वागत कर रहा है लेकिन जब एक स्टाफ मेंबर उनके माथे पर टीका लगाने आती है, तो फराह मना कर देती हैं और कलाई पर टीका लगवा लेती हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया और ट्रोलर्स ने फिल्ममेकर की आलोचना शुरू कर दी। एक यूजर ने लिखा – 'फराह खान को बुरा लग जाता है जब एक महिला स्वागत के तौर पर उन्हें टीका लगाती है। सोचिए, नेल पॉलिश लगाना जो इस्लाम में हराम है, वो पहन रही हैं लेकिन टीका लगाने से नाराज हो रही हैं क्योंकि नेल पॉलिश स्टाइल है और टीका हिंदू परंपरा है। बॉलीवुड के तथाकथित सेलेब्स का यही क्लासिक रूप है।'

एक और ट्रोलर ने लिखा, 'फराह खान ने पहले फूलों की बारिश से मना किया, फिर माथे पर कुमकुम लगाने से साफ मना कर दिया। जब उन्हें पता है कि वहां ऐसे प्रोसीजर होंगे, तो वे ऐसी जगहों पर जाते ही क्यों हैं? कुछ लोगों को बस कॉन्ट्रोवर्सी खड़ी करने की खुजली होती है। क्या फराह खान को इस तरह से बेइज्जती करना शोभा देता है? जिन्होंने उन्हें बुलाया, वे भी उतने ही बेवकूफ हैं।'

देबीना बनर्जी ने मातृत्व पर कही दिल की बात, बोलीं-मातृत्व ने मुझे और मजबूत बनाया

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री देबीना बनर्जी आगामी फिल्म 'तुम मेरे हो' की रिलीज को लेकर तैयार हैं। अभिनेत्री ने अपने मातृत्व और करियर को लेकर बात करते हुए कहा कि एक महिला जब ठान लेती है तो वह कुछ भी कर सकती है, उसकी कोई सीमा नहीं होती।

उनका मानना है कि मातृत्व अपनी जगह है और काम अपनी जगह, दोनों को साथ लेकर चलना ही एक महिला की असली ताकत है। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'मातृत्व अपनी जगह है और हमारा काम अपनी जगह। जब एक महिला सोचती है कि वो बहुत कुछ कर सकती है, तो मां बनने के बाद उसे एहसास होता है कि वो सच में असीमित है। जब आप एक बच्चे को जन्म देती हैं, तब आपको समझ आता है कि आप एक नई जिंदगी बना सकती हैं। इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है?'



आईएएनएस ने अभिनेत्री से सवाल करते हुए पूछा, 'एक महिला प्रोड्यूसर के तौर पर, क्या आपको लगता है कि इंडस्ट्री में आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ता है?' अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह बात सिर्फ हमारी इंडस्ट्री की ही नहीं बल्कि हर जगह महिलाओं को लोग कम गंभीरत से लेते हैं। लोगों को लगता है कि फैसले वही लेंगे लेकिन मुझे लगता है कि अब बदलाव हो रहा है। ये इस पर निर्भर करता है कि आप हालातों कैसे संभालते हैं। मैं यहां अकेली नहीं हूं, मेरे पति गुरमीत हमेशा मेरे साथ रहते हैं, इसलिए मुझे लगता है कि चुनौती कम है। हमारी दूसरी प्रोड्यूसर, रीवा क्रिएटिव्स, को भी एक महिला ही लीड करती हैं। मुझे लगता है कि हम बहुत मजबूत हैं। हम अपनी बात बहुत स्पष्ट रूप से रखते हैं। हमें जो चाहिए, वही चाहिए, और उसमें कोई समझौता नहीं होना चाहिए।'

अभिनेत्री से आगे आईएएनएस ने एक और सवाल करते पूछा, 'जब एक बड़ी फिल्म के साथ एक छोटी फिल्म रिलीज होती है, तो क्या आपको लगता है कि छोटी फिल्मों को स्क्रीन और शोज मिलने में परेशानी होती है?'

देबीना बनर्जी ने कहा, 'जब तक आप अपनी जमीन मजबूत नहीं करते और अपनी काबिलियत साबित नहीं करते, तब तक आप ज्यादा कुछ नहीं कर सकते हैं। आपको लोगों को बताना पड़ता है कि, 'आपने मेरी एक-दो फिल्में देखी हैं। मुझे वो मौका दीजिए।' वरना बड़ी फिल्में बहुत सारे थिएटर ब्लॉक कर लेती हैं।

स्मिता पाटिल की 71वीं जयंती पर इमोशनल हुए बेटे प्रतीक, कहा- हर पल महसूस होता है आपका प्यार

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री स्मिता पाटिल की जयंती पर अभिनेता राज बब्बर, प्रतीक स्मिता पाटिल और अभिनेता अवतार गिल ने याद किया।

अभिनेता प्रतीक स्मिता पाटिल ने अपनी दिवगंत मां और अभिनेत्री को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। प्रतीक ने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह पत्नी और अभिनेत्री प्रिया बनर्जी के साथ नजर आ रहे हैं।

प्रतीक ने अपनी मां को याद करते हुए लिखा, 'मेरी गार्जियन एंजेल को हैप्पी हेवनली बर्थडे। ये दुनिया हमारे प्यार को देखने के लिए बहुत कमजोर थी, लेकिन हमारे प्लान हमेशा कुछ और ही थे। मैं अपने जीवन के हर पल में तुम्हारा आशीर्वाद और सुरक्षा महसूस करता हूं, खासकर उन लम्हों में जो मुझे परिभाषित करते हैं और बताते हैं कि मैं असल में कौन हूं और हमने एक-दूसरे के लिए ये सफर क्यों चुना।'

उन्होंने आगे लिखा, 'अब पीछे मुड़कर देखता हूं, तो समझ आता है कि आप हमेशा मुझे देख रही थी, मुझे आशीर्वाद दे रही थी और इस दुनिया से बचा रही थी। ऊर्जा को न तो बनाया जा सकता है और न ही खत्म किया जा सकता है, लेकिन हमने बड़ी खूबसूरती से एक ऊर्जा बनाई है, जो हमारी आत्माओं से जुड़ी है और असीम है, इसे कभी खत्म नहीं किया जा सकता। हमारी चमक कभी फीकी नहीं पड़ेगी, हमारी आग कभी कम नहीं होगी, हमारी रोशनी हमेशा जलती रहेगी।'

वरिष्ठ अभिनेता और नेता राज बब्बर ने अपनी दिवंगत पत्नी स्मिता पाटिल को उनकी 71वीं जयंती पर याद किया। उन्होंने उनकी प्रतिभा, गर्मजोशी और उनकी अमिट विरासत को श्रद्धांजलि दी।

राज बब्बर ने इंस्टाग्राम पर दिवंगत अभिनेत्री की एक तस्वीर शेयर की। उन्होंने लिखा, 'स्मिता में एक दुर्लभ संवेदनशीलता थी। भले ही उनका सफर बहुत छोटा रहा, लेकिन उनकी कला ने एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने सिर्फ किरदार नहीं निभाए, बल्कि उनकी आत्मा में जान डाल दी। मुझे उनकी गर्मजोशी, असाधारण प्रतिभा और हर उस चीज की कमी खलती है, जो उन्हें इतना खास बनाती थी। उन्होंने आखिरी में लिखा, 'स्मिता पाटिल की विरासत आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करती है, दिलों को छूती है। कलाकार तब दुनिया छोड़ते हैं जब उन्हें भुलाया जाता है, लेकिन स्मिता हर उस दिल में अपना एक हिस्सा छोड़ गईं, जिसे उन्होंने छुआ। अभिनेता अवतार गिल ने भी दिवंगत अभिनेत्री स्मिता पाटिल को उनकी जयंती पर याद किया। अवतार ने इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री के साथ तस्वीर पोस्ट कर लिखा, 'दिवंगत महान स्मिता पाटिल को उनकी जयंती पर याद पर याद कर रहा हूं। स्मिता एक बेहतरीन अदाकारा होने के साथ-साथ एक सच्ची खूबसूरत इंसान थी। मुझे सबसे ज्यादा उनकी दयालुता, उनकी गर्मजोशी की याद आती है। उनमें एक दुर्लभ गरिमा थी, जो उनकी अपार प्रतिभा से कहीं बढ़कर थी और एक इंसानियत थी जो उन्हें वास्तव में खास बनाती थी।



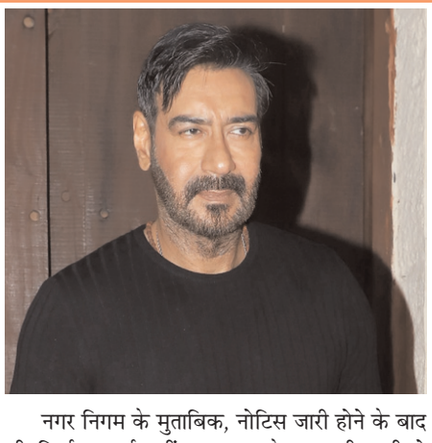
उन्होंने आगे लिखा, 'उन्हें आने वाली पीढ़ियों द्वारा सम्मान के साथ याद किया जाता है और हम जैसे लोगों द्वारा गहरे स्नेह के साथ, जो उन्हें दोस्त कहने के लिए भाग्यशाली थे। जन्मदिन मुबारक हो, स्मिता। तुम एक ऐसी शख्सियत थी, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

अजय देवगन के जुहू बंगले में अवैध निर्माण, बीएमसी ने गिराया हिस्सा

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता अजय देवगन के मुंबई के जुहू स्थित बंगले के कुछ हिस्सों को बीएमसी द्वारा गिरा दिया गया है। इससे कुछ दिन पहले अभिनेता को 'अनधिकृत' निर्माण को लेकर काम रोकने का नोटिस दिया गया था। मुंबई के जुहू इलाके में अजय देवगन का बंगला 7,802 स्क्वायर फीट में फैला हुआ है, जो कपोल को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी (जेवीपीडी स्कीम, एन. एस. रोड नंबर 11, प्लॉट एस-10) में स्थित है। बीएमसी के अनुसार, इस बंगले के अंदर बिना अनुमति के कई बदलाव (जैसे अंदरूनी फेरबदल, पार्टिशन वॉल और खिड़कियों में बदलाव) किए जा रहे थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, बीएमसी ने 10 सितंबर 2026 को मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एक्ट की धारा 354ए के तहत नोटिस जारी किया था। नोटिस में तुरंत निर्माण कार्य रोकने और जरूरी परमिशन के साथ संबंधित दस्तावेज जमा करने का निर्देश दिया गया था।



नगर निगम के मुताबिक, नोटिस जारी होने के बाद भी निर्माण कार्य नहीं रुका। इसके बाद बीएमसी ने बंगले में कथित तौर पर किए गए कुछ अनधिकृत निर्माणों को हटाने की कार्रवाई की।

हालांकि, अजय देवगन अपने परिवार के साथ जुहू में ही 'शिवशक्ति' नामक दूसरे बंगले में रहते हैं।

अभिनेता की बात करें, तो उनकी क्राइम थ्रिलर फिल्म 'दृश्यम-3' सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। दर्शकों की तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म ने पहले दिन ऐतिहासिक कमाई की। अभिषेक पाठक द्वारा निर्देशित फिल्म में अजय देवगन (विजय सलगांवकर), तब्बू (मीरा देशमुख), श्रिया सरन (नंदिनी), जयदीप अहलावत (राजवीर सिंह तोमर), रजत कपूर जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं।

यह फिल्म दृश्यम फ्रेंचाइजी की तीसरी और अंतिम कड़ी है, जो विजय सलगांवकर के परिवार और पुलिस के बीच माइंड गेम के आखिरी अध्याय को समेटती है। इस बार मीरा देशमुख (तब्बू) और उनके पति (रजत कपूर) की मदद के लिए क्राइम ब्रांच के एसपी राजवीर सिंह तोमर (जयदीप अहलावत) पहुंचते हैं, जिनके पास एक नया और मजबूत सबूत है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद की दौड़ में छठा 'स्ट्रॉ पोल' आयोजित, सात उम्मीदवार मैदान में

विश्व केसरी■

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने अगले संयुक्त राष्ट्र महासचिव के चयन के लिए उम्मीदवारों पर अपना छठा 'स्ट्रॉ पोल' आयोजित किया है।

अक्टूबर महीने में सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता कर रहे ग्रीस के संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि एग्लिया बाल्टा ने बताया कि छठे दौर का मतदान पूरा हो चुका है।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने पत्रकारों से कहा कि मतदान के नतीजों की जानकारी उम्मीदवारों को उन सदस्य देशों के स्थायी प्रतिनिधियों के माध्यम से दी जाएगी, जिन्होंने उनके नाम का प्रस्ताव रखा है। साथ ही संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष को भी सूचित किया जाएगा कि यह मतदान कराया जा चुका है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के उम्मीदवारों के लिए होने वाला 'स्ट्रॉ पोल' एक अनौपचारिक और बंद कमरे में किया जाने वाला मतदान होता है। इसका उद्देश्य यह



पता लगाना होता है कि कौन-सा उम्मीदवार सबसे ज्यादा समर्थन प्राप्त कर सकता है। इन मतदानों के नतीजे आधिकारिक रूप से सार्वजनिक नहीं किए जाते। इसी प्रक्रिया के जरिए सुरक्षा परिषद उस उम्मीदवार का चयन करती है, जिसकी सिफारिश बाद में संयुक्त राष्ट्र महासभा के सामने अगले महासचिव के रूप में नियुक्ति के लिए की जाती है।

माना जाता है कि सुरक्षा परिषद के सदस्यों को हर उम्मीदवार के लिए एक मतपत्र दिया जाता है, जिसमें उम्मीदवार का नाम और उसके आगे तीन विकल्प होते हैं: समर्थन, विरोध और कोई राय नहीं। सुरक्षा परिषद की सिफारिश हासिल करने के लिए किसी उम्मीदवार को कम से कम 9 'समर्थन' वोट मिलने चाहिए।

इसके साथ ही सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों (अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस) में से किसी एक का भी 'विरोध' वोट नहीं होना चाहिए। स्थायी सदस्यों का विरोध उम्मीदवार की राह रोक सकता है।

इस दौड़ में अभी सात उम्मीदवार बचे हैं: इक्वाडोर की पूर्व मंत्री और राजनयिक इवोन ए-बाकी, संयुक्त राष्ट्र महासभा की पूर्व अध्यक्ष और इक्वाडोर की पूर्व विदेश और रक्षा मंत्री मारिया फर्नांडा एस्पिनोसा, अर्जेंटीना के राफेल ग्रोसी, जो वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक हैं, कोस्टा रिका की पूर्व उपराष्ट्रपति और वर्तमान में 'व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' (यूएनसीटीएडी) की महासचिव रेबेका ग्रिनस्पैन, युगांडा के ओलारा ओतुन्नु, जो संयुक्त राष्ट्र के पूर्व अवर-महासचिव रह चुके हैं, संयुक्त राष्ट्र में गुयाना की स्थायी प्रतिनिधि कैरोलिन रोड्रिग्स-बिर्केट और सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी साल।

रूसी विदेश मंत्री तेहरान दौरे में क्षेत्रीय तनाव को लेकर ईरानी समकक्ष अराघची से करेंगे चर्चा

विश्व केसरी■



तेहरान। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव सोमवार को तेहरान दौरे पर अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से मुलाकात करने वाले हैं। इस दौरान ईरान की मौजूदा स्थिति, क्षेत्रीय तनाव कम करने के लिए रूस की ओर से उठाए जा रहे कदमों पर चर्चा होगी।

इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) की रिपोर्ट के अनुसार, रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने बताया कि? रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव सोमवार को तेहरान की आधिकारिक यात्रा के दौरान अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से मुलाकात करेंगे।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जखारोवा ने बताया कि विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव 19 अक्टूबर को ईरान के दौरे पर रहेंगे और इस दौरान अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर के कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होगी। बातचीत का एक प्रमुख विषय ईरान से जुड़ी मौजूदा स्थिति और क्षेत्र में तनाव कम करने के लिए रूस की ओर से उठाए जा रहे कदम होंगे।

जखारोवा के मुताबिक, पश्चिम एशिया क्षेत्र में रूस के मित्र देशों के सामने जो तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं, वे अमेरिका और इजरायल की नीतियों तथा कदमों का परिणाम हैं। आईआरएनए के अनुसार, उन्होंने कहा कि लावरोव और अराघची के बीच होने वाली इस बैठक में हाल के महीनों में ईरान और रूस के वरिष्ठ नेताओं के बीच हुई उच्च स्तरीय वार्ताओं में हुए समझौतों को लागू करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इसके साथ ही दोनों देश तेहरान और मॉस्को के बीच हुए व्यापक रणनीतिक साझेदारी समझौते के तहत अपने सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए व्यावहारिक कदमों पर भी चर्चा करेंगे। यह बैठक रूस और ईरान के बीच राजनीतिक, कूटनीतिक और रणनीतिक सहयोग को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

संक्षिप्त खबर

मेक्सिको में 2024 के ट्रिपल मर्डर केस पर फैसला: तीन दोषियों को 158 साल कैद

विश्व केसरी■



सिडनी/मेक्सिको सिटी। मेक्सिको की एक कोर्ट ने दो ऑस्ट्रेलियाई भाइयों जेक-कैलम रॉबिन्सन और उनके अमेरिकी दोस्त कार्टर रोड की हत्या मामले में तीन दोषियों (हरेक) को 158 साल की जेल की सजा सुनाई है। मामला साल 2024 का है। जेक-कैलम रॉबिन्सन और उनके दोस्त रोड बाजा कैलिफोर्निया राज्य की सर्फ ट्रिप पर गए थे लेकिन बाद में इनके शव बरामद किए गए थे। एनसेनाडा की एक अदालत ने शुक्रवार (मेक्सिको के समय के अनुसार) यह सजा सुनाई। इससे एक हफ्ते पहले ही इन तीनों पुरुषों—जीसस गेरार्डो (जिन्हें 'एल केकास' के नाम से भी जाना जाता है), इरिनीओ फ्रांसिस्को और एंजेल जीसस—को दोषी करार दिया गया था। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया हाउस द सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के अनुसार, एक हफ्ते पहले आरोपियों का दोष सिद्ध हुआ था। उन्हें हत्या, लूटपाट और हिंसा के जरिए वाहन चोरी करने का दोषी ठहराया गया था। ये अपराध ऑस्ट्रेलियाई रॉबिन्सन बंधुओं और उनके अमेरिकी दोस्त कार्टर रोड के खिलाफ किए गए थे। मेक्सिको की यात्रा के दौरान, लूटपाट की एक घटना में रोड और रॉबिन्सन भाइयों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 27 अप्रैल 2024 को, जब वे एन्सेनाडा शहर के पास समुद्र किनारे एक सुनसान इलाके में कैंप कर रहे थे, तब उन पर हमला किया गया था।

प्रतापगढ़ में धारदार हथियार से पत्नी की हत्या, नशे में पति ने दिया वारदात को अंजाम

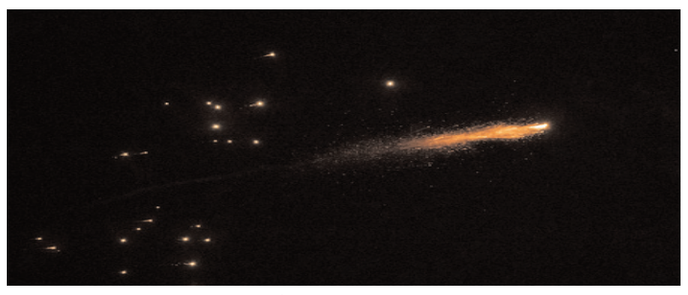
विश्व केसरी■



प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां फतनपुर थाना इलाके के पटहटिया कला गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला मंजू यादव की मौत हो गई। महिला की मौत के बाद पति अजय यादव ने ही पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस जब जांच में जुटी तो सच्चाई कुछ और ही निकली। जांच में पता चला कि मंजू को मौत के घाट उतारने वाला कोई और नहीं बल्कि उसका पति अजय यादव ही है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार देर रात शराब पीने के बाद पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया था। शराब की लत को लेकर दोनों में अक्सर कहासुनी होती थी। रात में भी इसी बात को लेकर झगड़ा बढ़ गया और गुस्से में आकर पति ने खौफनाक कदम उठा लिया। उसने अपनी पत्नी मंजू के सिर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। महिला की मौत के बाद गांव में हड़कंप मच गया और मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। इस मामले पर एएसपी आलोक कुमार ने बताया, 'थाना फतनपुर पर शनिवार सुबह 4 बजे सूचना प्राप्त हुई कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा अजय यादव की पत्नी मंजू की हत्या कर दी गई है। पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके का मुआयना किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में यह तथ्य प्रकाश में आया है कि मृतका का पति अजय यादव शराब पीने का आदी था। उसी को लेकर बीते रात उन दोनों में कहा-सुनी हुई, इसके बाद अजय द्वारा मंजू यादव की हत्या कर दी गई। इस प्रकरण से संबंधित अभियुक्त को हिरासत में लिया गया है, जिसने घटना में संलिप्तता स्वीकार की है।

हूती विद्रोहियों ने अदन के एयरपोर्ट पर किया मिसाइल हमला, सऊदी अरब ने कई ड्रोन और मिसाइलें मार गिराने का किया दावा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। यमन में एक बार फिर हूती विद्रोहियों को हमला हुआ। दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन में हूती विद्रोहियों ने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया। अदन की सुरक्षा प्रशासन ने बताया कि हूती विद्रोहियों की ओर से दागी गईं बैलिस्टिक मिसाइलें हवाई अड्डे के परिसर में गिरीं।

सुरक्षा प्रशासन के बयान के अनुसार, अदन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के परिसर के अंदर दो मिसाइलें गिरीं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एक स्थानीय सुरक्षा अधिकारी ने पहले बताया था कि दो मिसाइलें एयरपोर्ट के पास गिरीं, जबकि तीसरी मिसाइल पश्चिमी अदन के अल-बुरैका इलाके में सऊदी नेतृत्व वाली गठबंधन सेना के मुख्यालय के पास स्थित एक सैन्य अड्डे पर लगी। हमले के दौरान शहर में तीन जोरदार धमाके सुनाई दिए। अदन, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार का अस्थायी मुख्यालय है। इन धमाकों से दहल उठा। मौके पर मौजूद लोगों और स्थानीय निवासियों के मुताबिक, हमले के बाद कई एम्बुलेंस प्रभावित इलाकों की ओर जाती हुई देखी गईं। हमले के कुछ ही समय बाद, हूती समूह द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी ने समूह के एक सैन्य नेता के हवाले से बताया कि उनका निशाना अदन एयरपोर्ट के पास स्थित बद्र सैन्य शिविर में सऊदी सेना के मुख्यालय और हथियार भंडार थे।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह हमला उस घटना के एक दिन बाद हुआ, जब अदन स्थित अल-माशिक राष्ट्रपति महल परिसर पर मिसाइल हमला हुआ था। यमन सरकार के अनुसार उस हमले में पांच लोगों की मौत हुई थी और 16 लोग घायल हुए थे।

हूती समूह ने उस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा था कि उसने राष्ट्रपति महल परिसर के अंदर मौजूद 'सऊदी सैन्य अभियान मुख्यालय' को निशाना बनाया था। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले शुक्रवार को सऊदी नेतृत्व वाली गठबंधन सेना के प्रवक्ता तुर्की अल-मलिकी ने कहा कि उनकी सेना ने सऊदी अरब के दक्षिणी क्षेत्र और राजधानी रियाद के ऊपर उड़ रहे तीन ड्रोन मार गिराए।

वर्ल्ड उइगर कांग्रेस ने मार्को रुबियो से उठाई उइगरों की सुरक्षा की मांग

विश्व केसरी■



वाशिंगटन। वर्ल्ड उइगर कांग्रेस (डब्ल्यूयूसी) ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से अपील की है कि अगले सप्ताह उज्बेकिस्तान की यात्रा के दौरान वह मध्य एशिया में रह रहे उइगर समुदाय की बढ़ती असुरक्षा और चीन की सीमाओं के बाहर होने वाले दबाव और दमन के मुद्दे को उठाएं।

डब्ल्यूयूसी के अनुसार, मध्य एशिया एक तरफ उन उइगरों के लिए शरणस्थली बनी है, जो चीन के शिनजियांग क्षेत्र में कथित उत्पीड़न से बचकर आए हैं, लेकिन दूसरी तरफ यहां भी वे निगरानी, धमकी, मनमानी हिरासत और चीन वापस भेजे जाने जैसे खतरों का सामना कर रहे हैं।

संगठन ने कहा कि उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और मध्य एशिया के अन्य देशों में रहने वाले उइगर लंबे समय से दबाव झेल रहे हैं। उनका कहना है कि बीजिंग इन देशों से उइगरों की राजनीतिक, सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियों के खिलाफ सहयोग की मांग करता रहा है। डब्ल्यूयूसी ने याद दिलाया कि अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने 2019 में मध्य एशियाई नेताओं के साथ बैठक के दौरान सार्वजनिक रूप से उइगरों का मुद्दा उठाया था और उनसे उइगरों को चीन वापस न भेजने की अपील की थी। उन्होंने 2020 में कजाकिस्तान की यात्रा के दौरान भी यही चिंता दोहराई थी।

संगठन का कहना है कि अब मार्को रुबियो के पास भी एक महत्वपूर्ण मौका है कि वह इसी तरह उइगरों के अधिकारों के समर्थन में अमेरिका की प्रतिबद्धता को दोहराएं। डब्ल्यूयूसी ने रुबियो से मांग की कि वह मध्य एशियाई सरकारों से कहें कि उइगरों को जबरन चीन न भेजा जाए।

असम विश्वविद्यालय के कुलपति को गुवाहाटी हाईकोर्ट का झटका, पद छोड़ने का निर्देश

विश्व केसरी■



गुवाहाटी। गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने सिलचर स्थित असम विश्वविद्यालय के कुलपति राजीव मोहन पंत को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों के उल्लंघन के आरोप में पद छोड़ने का निर्देश दिया है।

हाईकोर्ट के इस हस्तक्षेप से केंद्रीय विश्वविद्यालय के शीर्ष प्रशासनिक पद की नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं क्योंकि यूजीसी नियमों के तहत पात्रता मानदंडों और निर्धारित प्रक्रियाओं से संबंधित उल्लंघनों की खबरें सामने आई हैं। एक अधिकारी के अनुसार, उच्च न्यायालय ने 14 अक्टूबर को यह निर्देश जारी कर पंत को कुलपति पद से इस्तीफा देने को कहा। खबरों के मुताबिक, नियुक्ति को इस आधार पर चुनौती दी गई है कि यूजीसी के निर्धारित मानदंडों का पालन नहीं किया गया। इस विवाद ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की भूमिका को भी जांच के दायरे में ला दिया है क्योंकि केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रमुख की नियुक्ति उच्च शिक्षा संस्थानों को नियंत्रित करने वाले व्यापक नियमों के अंतर्गत आती है।

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रदोश किरणनाथ ने कहा कि इस मामले की जानकारी नई दिल्ली स्थित वरिष्ठ अधिकारियों को दे दी गई है। विश्वविद्यालय आगे की कार्रवाई तय करने से पहले केंद्र सरकार से जवाब का इंतजार कर रहा है। उच्च न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि विवाद के संबंध में कुलपति को पहले से भुगतान किए गए वेतन की वसूली का प्रश्न उठाया गया है। हालांकि, न्यायालय के आदेश और विश्वविद्यालय द्वारा उठाए जाने वाले प्रशासनिक कदमों के सटीक कानूनी निहितार्थ आधिकारिक सूचना और आगे की कार्यवाही पर निर्भर करेंगे।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब वरिष्ठ शैक्षणिक और प्रशासनिक पदों पर नियुक्तियों से संबंधित यूजीसी के नियमों का अनुपालन देशभर के विश्वविद्यालयों के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ है।

रूल ऑफ माफिया से मुक्त हुआ यूपी, अब रूल ऑफ लॉ का राजः मुख्यमंत्री योगी

विश्व केसरी■



लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश 'रूल ऑफ माफिया' से मुक्त हुआ है और 'रूल ऑफ लॉ' लागू हुआ है। वर्ष 2017 से पहले कानून-व्यवस्था और निवेश को लेकर संदेह रहता था। माफिया से विकास बाधित था। सरकार ने कानून का शासन स्थापित कर प्रदेश की छवि बदली है। कोई व्यक्ति या पद संविधान से ऊपर नहीं हो सकता।

उन्होंने युवा अधिवक्ताओं से कहा कि अन्याय सामने हो तो चुप रहना विकल्प नहीं है। फैसला इतिहास सुनाएगा, लेकिन बहस आपको करनी है। मुख्यमंत्री योगी शनिवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्प अर्पित किए। छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने मेधावियों को पदक दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 अगस्त 1947 और 26 जनवरी 1950 के साथ 25 जून 1975 भी लोकतंत्र की महत्वपूर्ण तारीख है।

आपातकाल ने 'रूल ऑफ लॉ' और 'रूलर ऑफ लॉ' का अंतर समझाया। न्यायमूर्ति एचआर खन्ना की असहमति का उल्लेख करते हुए कहा कि सिद्धांतों के पक्ष में लिया निर्णय इतिहास में स्थान बनाता है। युवा अधिवक्ताओं को संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सत्यं वद, धर्मं चर, स्वाध्यायान्मा प्रमदः' को चैंबर की दीवार पर नहीं, हृदय में उतारें। सत्य और निरंतर अध्ययन अधिवक्ता के जीवन का आधार हो। डॉ. लोहिया के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि विधिवेत्ता में शिव जैसा मस्तिष्क, कृष्ण जैसा हृदय और राम जैसा वचन होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने विकसित भारत की परिकल्पना को मुकदमे के रूप में प्रस्तुत किया। कहा कि 140 करोड़ देशवासियों के इस दावे की पैरवी तथ्यों, साक्ष्यों और ईमानदारी से करनी होगी।

आंध्र प्रदेश : जनसेना पार्टी ने नगर पालिका चुनाव के लिए पहली लिस्ट जारी की, पवन कल्याण ने दी मंजूरी

विश्व केसरी■



अमरावती। आंध्र प्रदेश में होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों से पहले जनसेना पार्टी ने अपनी पहली लिस्ट जारी कर दी है। पार्टी अध्यक्ष व डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत चुनावों के लिए उम्मीदवारों की लिस्ट को मंजूरी दे दी है।

इस पहली लिस्ट में दो नगर निगमों और 12 नगर पालिकाओं के उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। नगर निगम के उम्मीदवारों में एलुरु से रेड्डी अप्पाला नायडू और विजयवाड़ा से वंगावीती राधा कृष्ण शामिल हैं।

नगर पालिका के उम्मीदवारों में अमलापुरम से नल्ला श्रीधर, चिलकलुरिपेट से थोटा राजराजेश्वरी, गोल्लाप्रोलु से कादरी तम्मय्या नायडू, नरसापुरम से कोठापल्ली शैलजा, निदादवोले से कल्लम ज्योति, पेदाना से मत्ता शिव पावनी, पीठापुरम से डॉ. बीरा विजय शेखर, पुट्टूर से डी. एलुमलाई, सालूर से गोरले विजयकुमारी, समालकोट से पिट्टा जानकी रामा राव, तेनाली से थोटाकुरा वेंकट रमण राव और तिरुवुरू से पी. माधवी शामिल हैं।

बता दें कि आंध्र प्रदेश राज्य चुनाव आयोग ने 2026 के लिए स्थानीय निकाय और नगरपालिका चुनावों का शेड्यूल जारी कर दिया है। आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती भगवान शिव को समर्पित अमरेश्वर मंदिर के लिए प्रसिद्ध है, जो दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व का है। यह कभी सातवाहन और पल्लव राजाओं की राजधानी थी। सातवाहनों के उदय से पहले अमरावती बौद्ध धर्म का केंद्र था और मौर्य साम्राज्य में सम्राट अशोक (269-232 ईसा पूर्व) के शासनकाल में यहां एक स्तूप और मठ बनाया गया था।

फरवरी 2014 में आंध्र प्रदेश राज्य का विभाजन हुआ, जिसके बाद नए राज्य को एक नई राजधानी की जरूरत पड़ी।

इंटरनेट का इस्तेमाल बच्चों का भी मौलिक अधिकार, सुरक्षा के नाम पर पूरी तरह वंचित करना गलतः सुप्रीम कोर्ट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेट के इस्तेमाल और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि इंटरनेट तक पहुंचने के अधिकार से बच्चों को पूरी तरह वंचित करना उचित नहीं होगा। बच्चों को भी अन्य लोगों की तरह संविधान के अनुच्छेद 21 और अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत मौलिक अधिकार हासिल हैं।

कोर्ट ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और उनकी स्वतंत्रता एक-दूसरे के विरोध में नहीं हैं। बच्चों को इंटरनेट से पूरी तरह दूर कर देना उनकी ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने का सही समाधान नहीं है। इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाने से बच्चे असुरक्षित और अनियंत्रित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की ओर जा सकते हैं, जिससे उनके सामने नए जोखिम पैदा हो सकते हैं।

कोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़ी सामग्री पर नियंत्रण के लिए कई उपाय भी सुझाए। इनमें बच्चों के ऑनलाइन खातों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, माता-पिता की सहमति और मार्गदर्शन को बढ़ावा देना तथा बच्चों के निजी खातों को प्राथमिकता देना शामिल है। इसके साथ ही अनजान वयस्कों की ओर से बच्चों को भेजे जाने वाले संदेशों को सीमित करने जैसे सुरक्षा उपायों पर भी जोर दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार बच्चों को अश्लील वेबसाइटों और अन्य हानिकारक ऑनलाइन सेवाओं से दूर रखने के लिए उचित प्रतिबंध लगा सकती है। इसका उद्देश्य बच्चों को ऑनलाइन दुनिया में मौजूद खतरों से बचाना और उनके लिए सुरक्षित डिजिटल वातावरण तैयार करना होना चाहिए।

कोर्ट ने बाल यौन शोषण से संबंधित सामग्री की पहचान करने और उसे हटाने के लिए सरकार को एक व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करने का निर्देश भी दिया है। इस तरह के डेटाबेस से ऐसी सामग्री की पहचान और उस पर कार्रवाई करने में मदद मिल सकती है।

हरियाणा हरिकेंस ने पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स और अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस को हराया

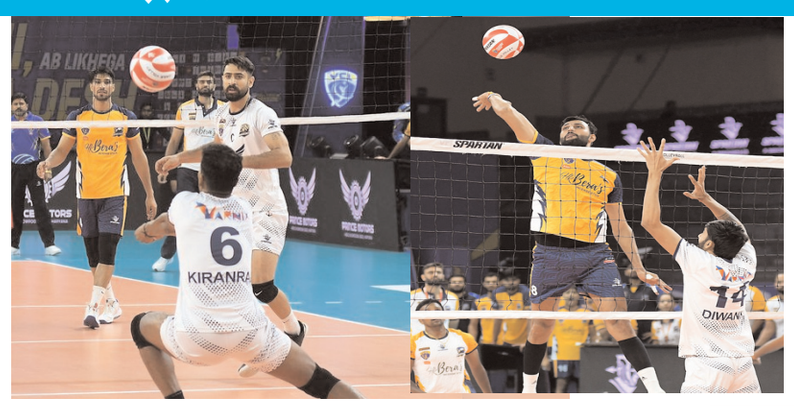
विश्व केसरी ■

नोएडा। हरियाणा हरिकेंस ने वॉलीबॉल चैंपियंस लीग (वीसीएल) में अपने सुपर 6 कैंपेन की शुरुआत पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स पर 2-1 से जीत के साथ की। वहीं, अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस को 3-0 से हराया।

हरियाणा ने जोरदार शुरुआत करते हुए पहला सेट 21-17 से जीता। पंजाब ने दूसरे सेट में हरियाणा को इसी स्कोर के साथ जवाब दिया। तीसरा सेट रोमांचक और निर्णायक था। हरियाणा हरिकेंस ने आखिरी सेट में नियंत्रण हासिल किया और 21-10 से जीत हासिल करते हुए मैच 2-1 से जीता।

हरियाणा के लिए चिराग यादव प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

जीत के बाद चिराग ने कहा, 'सुपर 6 स्टेज की शुरुआत जीत के साथ करके बहुत अच्छा लग रहा है। पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स एक मजबूत टीम है। उन्होंने दूसरे सेट में अच्छी वापसी की, लेकिन हम सकारात्मक रहे और अपने गेम पर फोकस किया। हम जानते थे कि तीसरा सेट बहुत जरूरी है। हमने मिलकर काम किया। अपनी तेजी बनाए रखी और अपने प्लान को अच्छे से पूरा किया। इस जीत से हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा। आगे के मैचों में भी हम जीत की लय बरकरार रखना चाहेंगे। एक अन्य मैच में अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस पर सीधे सेटों में जीत दर्ज की। अयोध्या ने तमिल टाइटंस पर 21-14, 21-20, 21-19 से जीत दर्ज की।



पहले दो सेट जीतने के बाद अयोध्या नियंत्रण में लग रही थी। तमिल टाइटंस ने तीसरे सेट में 18-12 की बढ़त बनाकर मैच को आगे बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन गर्जन ने जबरदस्त वापसी करते हुए 18-18 से बराबरी कर ली, फिर आगे निकल गई। तमिल टाइटंस ने 19-19 से बराबरी कर ली, लेकिन अयोध्या ने अगले दो पॉइंट लेकर स्वीप पूरा कर लिया। अयोध्या गर्जन के प्रणव कपिल देव को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। जीत के बाद प्रणव ने कहा, 'अपने सुपर 6 कैंपेन की शुरुआत जीत के साथ करके बहुत अच्छा लग रहा है। तमिल टाइटंस ने हम पर दबाव डाला, खासकर तीसरे सेट में, जब उनके पास छह पॉइंट की बढ़त थी।

लेकिन हमें खुद पर भरोसा था और हम अपने गेम पर फोकस करते रहे। टीम ने शानदार फाइटिंग स्पिरिट दिखाई और पूरे मैच में एक-दूसरे को सपोर्ट किया। हम जानते थे कि जब मौके आएं तो हमें उनका फायदा उठाना होगा। मुझे खुशी है कि हम अच्छी वापसी करने और मैच को सीधे सेटों में खत्म करने में कामयाब रहे।

वर्ल्ड कप 2027 के लिए बुमराह की तैयारी? 2023 के बाद खेले हैं सिर्फ दो वनडे मैच



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत की वनडे और टेस्ट टीम का ऐलान हो चुका है। बुमराह की टेस्ट में तो वापसी हुई है लेकिन एक बार फिर उन्हें वनडे टीम में नहीं रखा गया है। तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए बुमराह को पांच मैचों की वनडे सीरीज में मौका मिलने की उम्मीद थी लेकिन इस बार भी वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर उन्हें सिर्फ टेस्ट टीम में रखा गया है।

बुमराह ने पिछले वनडे विश्व कप 2023 के बाद से अब तक सिर्फ दो एकदिवसीय मुकाबले ही खेले हैं। साल 2024 और 2025 में बुमराह ने एक वनडे मैच तक नहीं खेला। 2026 में इंग्लैंड के खिलाफ हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए बुमराह को टीम में रखा गया। दो वनडे मैच खेलने के बाद बुमराह चोटिल हो गए थे और आखिरी एकदिवसीय मुकाबला नहीं खेल सके थे।

अब सवाल यह है कि अगर भारतीय टीम अगले साल साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारी कर रही है, तो बुमराह को ज्यादा से ज्यादा वनडे मैचों में खेलने का मौका क्यों नहीं मिल रहा है। बुमराह की फॉर्म पर किसी को कोई शक नहीं है। हालांकि, वनडे मैचों के हिसाब से बुमराह की फिटनेस और माइंडसेट को तैयार रखना जरूरी है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में हुई घरेलू वनडे सीरीज में भी बुमराह को टीम में नहीं रखा गया था और उन्हें एशियन गेम्स 2026 में हिस्सा लेने गई टीम के साथ भेजा गया था।

जयदेव उनादकटः बेहतरीन कप्तान, उम्दा गेंदबाज, सौराष्ट्र को 2 बार रणजी चैंपियन बनाया



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। जयदेव उनादकट बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं। गेंद को स्विंग कराने की क्षमता उन्हें अन्य गेंदबाजों से अलग बनाती है। भारतीय टीम के लिए खेलते हुए जयदेव को बड़ी सफलता नहीं मिली, लेकिन घरेलू क्रिकेट में बतौर खिलाड़ी और कप्तान उन्होंने शानदार सफलता हासिल की है।

जयदेव उनादकट का जन्म 18 अक्टूबर 1991 को पोरबंदर, सौराष्ट्र में हुआ था। सौराष्ट्र क्रिकेट का गढ़ माना जाता है और इसका असर उनादकट पर भी पड़ा। उन्होंने क्रिकेट में ही करियर बनाने का फैसला लिया। 2010 में उनादकट ने प्रथम श्रेणी में वेस्टइंडीज ए के खिलाफ डेब्यू किया और दमदार प्रदर्शन किया। इसके बाद उसी साल

भारतीय टीम के लिए उन्होंने टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डेब्यू किया। इसके बाद वनडे में 2013 और टी20 में 2016 में उनका डेब्यू हुआ।

उनादकट की राष्ट्रीय टीम में वापसी और ड्रॉप होने का लंबा इतिहास रहा है। वह कभी भी भारतीय टीम में किसी भी फॉर्मेट में अपनी जगह नहीं बना पाए।

वैभव सूर्यवंशी का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाए जेक फ्रेजरः मैकगर्क



विश्व केसरी ■

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने शनिवार को कैरेन रोल्टन ओवल में क्वींसलैंड के खिलाफ दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे तेज वन-डे कप फिफ्टी लगाकर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। हालांकि, वह वैभव सूर्यवंशी का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाए।

फ्रेजर-मैकगर्क ने 63 गेंदों में 122 रन की पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 10 चौके और नौ छक्के लगाए। मैकगर्क ने कप्तान नाथन मैकस्वीनी (103 गेंदों में 106) के साथ मिलकर दक्षिण ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 7 विकेट पर 397 तक पहुंचाया। मैकगर्क ने अपनी पारी के दौरान 14 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। वह लिस्ट ए क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी के सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गए। सूर्यवंशी के नाम 11 गेंदों पर लिस्ट ए अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड है। मैकगर्क का अर्धशतक लिस्ट ए क्रिकेट का चौथा सबसे तेज अर्धशतक है।

मैकगर्क अपनी पारी में शुरुआत से ही आक्रामक थे। उन्होंने टॉम स्ट्रैकर के दूसरे ओवर में 22 रन लिए और चौथे ओवर में टॉम व्हिटनी को दो छक्के और एक चौका लगाया। छठे ओवर में हेडन केर की गेंद पर चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 49 गेंदों पर शतक पूरा किया।

हांगकांग सिक्सेस 2026: क्रुणाल पंड्या होंगे भारत के कप्तान, भुवनेश्वर की जगह खेजरोलिया को मौका

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हांगकांग सिक्सेस 2026 में भारतीय टीम की कप्तानी ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या करेंगे। पहले भारतीय टीम की कप्तानी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार करने वाले थे, लेकिन 22 अक्टूबर से शुरू होने वाले न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में उनके चयन के बाद क्रुणाल को यह जिम्मेदारी दी गई।

भुवनेश्वर कुमार की जगह हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए चुनी गई भारतीय टीम में तेज गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया को जगह दी गई है। हांगकांग सिक्सेस के लिए भारतीय टीम में क्रुणाल पंड्या और कुलवंत खेजरोलिया के अलावा शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नीतीश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन को शामिल किया गया है। भारतीय टीम के खिलाड़ियों के पास आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव है। साथ ही, टीम गेंदबाजी और बल्लेबाजी के लिहाज से संतुलित और मजबूत है।



क्रिकेट हांगकांग, चीन के कमर्शियल और मार्केटिंग डायरेक्टर अनुराग भटनागर ने कहा, 'हम हांगकांग सिक्सेस 2026 में भुवनेश्वर कुमार को जरूर मिस करेंगे, लेकिन हमें उन्हें नेशनल टीम में बुलावा मिलने पर बहुत खुशी हो रही है। चार साल बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में उनकी वापसी एक खास मील का पत्थर है, और हम भारत के न्यूजीलैंड दौरे पर उनकी हर सफलता की कामना करते हैं। हम भविष्य में हांगकांग सिक्सेस में उनका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।'

हांगकांग सिक्सेस 2026 का आयोजन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक हांगकांग के टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में किया जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत और पाकिस्तान को ग्रुप-सी में रखा गया है। इस ग्रुप की तीसरी टीम यूएई है। ग्रुप चरण में हर टीम को अपने ग्रुप की बाकी दोनों टीमों से मुकाबला करना है। इसके बाद प्रदर्शन के आधार पर टीमें कप, प्लेट और बाउल वर्गों में आगे बढ़ेंगी। हांगकांग सिक्सेस का फॉर्मेट अनोखा है। एक टीम में 6 खिलाड़ी हो सकते हैं और मैच 5-5 ओवर का खेला जाता है। विकेटकीपर को छोड़कर सभी खिलाड़ी 1-1 ओवर गेंदबाजी कर सकते हैं।

हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए भारतीय टीमः क्रुणाल पंड्या (कप्तान), शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नीतीश राणा, राहुल त्रिपाठी, टी. नटराजन और कुलवंत खेजरोलिया।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले हमारे पास टी20 मैच खेलने के बहुत कम अवसर हैंः शेली निट्स्के



विश्व केसरी ■

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की महिला कोच शेली निट्स्के ने पहली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम की तैयारियों को मुश्किल बताया है। उन्होंने कहा कि टी20 टूर्नामेंट की तैयारी में कुछ ही मौके मिलते हैं।

निट्स्के ने शनिवार को सिडनी में कहा, 'हर बार जब हम मैदान पर उतरते हैं, तो ऑस्ट्रेलिया को रिप्रेजेंट करना जरूरी होता है, लेकिन हर बार जब हम मैदान पर उतरते हैं तो गेम को बेहतर बनाना भी जरूरी होता है। हमारे लिए चैंपियंस ट्रॉफी से पहले कोई और इंटरनेशनल टी20 नहीं है, इसलिए वे किसी भी चीज़ जितने ही जरूरी हैं। उस चैंपियंस ट्रॉफी से पहले अभी थोड़ा समय है, और कुछ डोमेस्टिक क्रिकेट खेलना है। लेकिन यह हमारे लिए एक टीम के तौर पर मैदान पर उतरने और उस तरह का क्रिकेट खेलने का एक और मौका है जैसा हम खेलना चाहते हैं।'

उन्होंने स्थिति को मुश्किल बताया और कहा कि वे डब्ल्यूपीएल में टूर्नामेंट के लिए और तैयारी करने की कोशिश करेंगी, जो उन्हीं कंडीशन में खेला जाएगा जिनमें चैंपियंस ट्रॉफी होगी।

निट्स्के ने कहा, 'यह मुश्किल है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम अगले तीन महीनों में कोई टी20 मैच न होने पर चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी कैसे करेगी। हमारे पास अभी चैंपियंस ट्रॉफी का पूरा शेड्यूल नहीं है। उससे पहले डब्ल्यूपीएल होगा, और उसमें हमारे कुछ खिलाड़ी शामिल होंगे।

'हम मैनचेस्टर सिटी को परेशान कर सकते हैं,': इप्सविच गोलकीपर वाल्टन

विश्व केसरी ■

मैनचेस्टर। इप्सविच टाउन के गोलकीपर क्रिश्चियन वाल्टन का मानना है कि उनकी टीम मैनचेस्टर सिटी को कड़ी टक्कर देने और उन्हें परेशान करने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि एतिहाद स्टेडियम में खेले जाने वाले इस प्रीमियर लीग मुकाबले में इप्सविच पूरी आत्मविश्वास के साथ उतरेगा।

इप्सविच ने टॉप लीग में अपनी वापसी की एक अच्छी शुरुआत की है, उसे लीग की शीर्ष टीम के खिलाफ एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, वाल्टन ने कहा कि उनकी टीम इंग्लिश फुटबॉल की सबसे मजबूत टीमों में से एक के खिलाफ खुद को परखने के लिए तैयार है।

मैच से पहले पत्रकारों से बात करते हुए वाल्टन ने कहा, हमें पूरा भरोसा है कि मैनचेस्टर सिटी का सामना एक अच्छी इप्सविच टीम से होने वाला है। हमें पूरे आत्मविश्वास के साथ वहां जाना होगा। पूरी टीम खेलने के लिए बेताब है। जिसे भी चुना जाएगा, वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार रहेगा। यह एक अलग तरह की चुनौती है। एक ऐसी चुनौती है, जिसमें आप खुद को परखना चाहते हैं। हम वहां जाकर बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं और मैन सिटी को परेशान कर सकते हैं।



मैनचेस्टर सिटी, प्रीमियर लीग के वित्तीय नियमों के कथित तौर पर 114 बार उल्लंघन से जुड़े खुलासों के बाद जांच के दायरे में है। क्लब ने इन निष्कर्षों के खिलाफ अपील की है, लेकिन यह विवाद लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि, पिछले सप्ताहांत एनफील्ड में लिवरपूल के खिलाफ 3-0 की जीत के साथ सिटी ने मैदान पर अपनी काबिलियत साबित की, जबकि उन्हें वहां दर्शकों की तीखी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा था। इसके बाद, बुधवार को चैंपियंस लीग के एक रोमांचक मुकाबले में उन्हें अपने घरेलू मैदान पर पेरिस सेंट-जर्मेन के हाथों 4-2 से हार का सामना करना पड़ा।

वाल्टन ने कहा है कि सिटी से जुड़े विवाद का इप्सविच की तैयारियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि उनकी टीम पूरी तरह से सामने आने वाली फुटबॉल चुनौती पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

उन्होंने कहा, 'हम इस विवाद को नजरअंदाज कर रहे हैं। इससे हमारे खेल पर कोई फर्क नहीं पड़ता और न ही इससे उन पर कोई फर्क पड़ने वाला है। हम एक अच्छी मैन सिटी टीम का सामना करने जा रहे हैं, और उनका सामना एक अच्छी इप्सविच टीम से होने वाला है। सच कहूं तो, इससे हमें कोई फर्क नहीं पड़ता।'

गोलकीपर ने कहा कि ड्रेसिंग रूम के अंदर पूरा ध्यान 'सिटी' के वित्तीय मामले से जुड़ी चर्चाओं के बजाय पूरी तरह से मैच पर ही केंद्रित रहा। इप्सविच ने अब तक प्रीमियर लीग में तीन जीत दर्ज की हैं और वे एंजो मारेस्का की टीम के खिलाफ अपनी इस अच्छी शुरुआत को और आगे बढ़ाना चाहेंगे।

इंडियन सुपर लीगः एससी दिल्ली-मोहन बागान मैच में 14,971 प्रशंसक मौजूद रहे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2026-27 सीजन में स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली (एससी दिल्ली) के लिए पहला मैच उत्साह बढ़ाने वाला रहा। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए मैच में टीम का समर्थन करने के लिए 14,971 दर्शक आए।

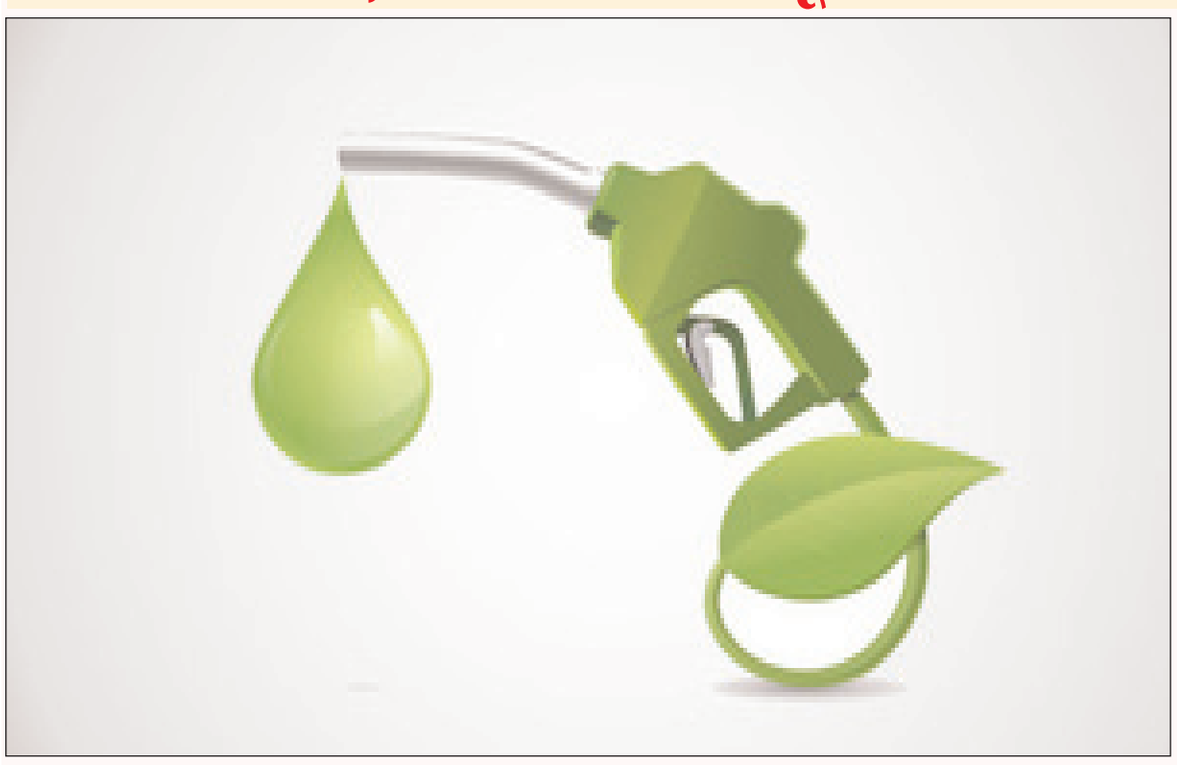
दर्शकों की संख्या इस बात का सबूत है कि इस नए क्लब में लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है। क्लब राजधानी में अपनी मजबूत पहचान और फैन बेस बनाना चाहता है। साथ ही, यह राष्ट्रीय राजधानी में फुटबॉल को लेकर बढ़ते क्रेज का भी सबूत है।

हालांकि, मैच का परिणाम एससी दिल्ली के पक्ष में नहीं रहा। मोहन बागान सुपर जायंट के खिलाफ टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। लालरिनलियाना हनामते ने 23वें मिनट में एससी दिल्ली के लिए पहला गोल मारा। हनामते ने मनोज मोहम्मद के बनाए गए मूव को गोल में बदलकर होम टीम को अच्छी बढ़त दिलाई।



पहले हाफ में शानदार खेल दिखाने के बाद दिल्ली ने हाफ-टाइम तक अपनी बढ़त बनाए रखी। मेहमान टीम ने दूसरे हाफ में वापसी की और ली इरविन ने 56वें मिनट में गोल कर मैच को बराबरी पर ला दिया। चार मिनट बाद मिगुएल फिगुएरा ने गोल करके मोहन बागान को निर्णायक बढ़त दिला दी। आखिरी समय में भी दोनों टीमों ने गोल करने की कोशिशें जारी रखीं, लेकिन सफलता किसी टीम को नहीं मिली। समीर जेल्जकोविच ने बॉक्स के अंदर से नोरा फर्नांडीस को परखा, जबकि अल्बर्टो रोड्रिगेज ने कॉर्नर के बाद हेडर से क्रॉसबार के ऊपर से शॉट मारा। मनवीर सिंह ने भी मैच के आखिर में एससी दिल्ली के गोलकीपर को बचाव करने के लिए मजबूर किया, क्योंकि मेहमान टीम अपनी बढ़त बढ़ाना चाहती थी।

सरकार ने चीनी से बनने वाले एथेनॉल की खरीद पर लगाई रोक, कमजोर मानसून से उत्पादन प्रभावित



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चीनी की कीमतों को नियंत्रित रखने के उद्देश्य से सरकारी ईंधन कंपनियों को चीनी और गन्ने से बनने वाले प्रमुख कच्चे माल से तैयार एथेनॉल की खरीद रोकने का निर्देश दिया है।

टेंडर दस्तावेज के अनुसार, मौसम शुष्क रहने से गन्ने के उत्पादन पर असर पड़ने के बाद यह निर्देश एक नवंबर से शुरू होने वाले नए आपूर्ति वर्ष से लागू होगा।

सरकारी तेल रिफाइनरी कंपनियों- इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड ने सरकार के नए निर्देशों का हवाला देते हुए नए आपूर्ति वर्ष के लिए लगभग 1,100 करोड़ लीटर एथेनॉल खरीद का संयुक्त टेंडर जारी किया है।

दस्तावेज के अनुसार, 'इस मात्रा-आधारित टेंडर में गन्ने के रस, चीनी, चीनी के सिरप और बी-हेवी शीरे से उत्पादित एथेनॉल के लिए कोई प्रस्ताव नहीं मांगा गया है।

दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक भारत इस साल पिछले साल की तुलना में कम उत्पादन की स्थिति का सामना कर रहा है। अल नीनो के प्रभाव के कारण एक दशक से अधिक समय में सबसे कमजोर मानसून दर्ज किया गया, जिससे गन्ने की फसल प्रभावित हुई।

भारत आयातित तेल पर कम करने के प्रयासों के तहत एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने और अनाज का इस्तेमाल लगातार बढ़ा रहा है।

नए टेंडर में भाग लेने वाले आपूर्तिकर्ता सी-हेवी शीरे, खराब हो चुके खाद्यान्न, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से खरीदे गए अतिरिक्त चावल, मक्का और राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति के तहत अनुमत अन्य कच्चे माल से उत्पादित एथेनॉल की पेशकश कर सकते हैं।

इसके अलावा, सरकार ने चीनी मिलों को अक्टूबर 2026 में उत्पादित चीनी को (नियमित मासिक रिलीज कोटे के अतिरिक्त) अक्टूबर और नवंबर 2026 के दौरान बेचने की अनुमति दी है।

सरकारी आदेश के अनुसार, अगर कोई चीनी मिल अक्टूबर के दौरान 1,000 मीट्रिक टन चीनी का उत्पादन करती है, तो वह इस मात्रा को अक्टूबर और नवंबर में बेच सकती है। यह बिक्री नियमित मासिक रिलीज कोटे के तहत आवंटित मात्रा के अतिरिक्त होगी।

कोटा में किडनी संबंधी जटिलताओं से दो और गर्भवती महिलाओं की मौत



विश्व केसरी ■

जयपुर। राजस्थान के कोटा स्थित न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद दो महिलाओं में किडनी संबंधी जटिलताएं विकसित हो गई हैं। इसके बाद प्रसवोत्तर देखभाल और रोगी निगरानी को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं।

जानकारी के अनुसार एक मरीज रेशमा की हालत बिगड़ने पर उसे एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया और वर्तमान में उसका गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में इलाज चल रहा है।

दूसरी मरीज, अनीता को अस्पताल के सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक के आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

इन ताजा मामलों ने लगभग पांच महीने पहले इसी अस्पताल में हुई एक ऐसी ही घटना को लेकर चिंताएं फिर से बढ़ा दी हैं, जब कथित तौर पर सिजेरियन डिलीवरी के बाद 12 नवमाताओं में किडनी की विफलता विकसित हो गई थी, जिसके परिणामस्वरूप पांच की मौत हो गई थी।

किडनी संबंधी जटिलताओं की पुनरावृत्ति ने अस्पताल के उपचार प्रोटोकॉल और मरीजों की बिगड़ती स्थिति के संभावित कारणों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हालांकि, हाल के मामलों का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है और इसके लिए आगे की चिकित्सा जांच और मूल्यांकन की आवश्यकता होगी। कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद दो नवमाताओं में किडनी संबंधी जटिलताएं विकसित होने की खबर है।

रेशमा की हालत बिगड़ने पर उन्हें एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया और वर्तमान में उनका आईसीयू में इलाज चल रहा है।

दूसरी मरीज, अनीता को अस्पताल के सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक के आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

आगे की जांच लंबित होने के कारण हाल की जटिलताओं का कारण अभी स्पष्ट नहीं है।

खबरों के मुताबिक, रेशमा का बुधवार को न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सिजेरियन ऑपरेशन हुआ था। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके चलते उनके परिवार ने उन्हें आगे के इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल उनका आईसीयू में इलाज चल रहा है। उनकी अचानक बिगड़ती सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं, क्योंकि बताया जा रहा है कि प्रसव के बाद उन्हें किडनी से संबंधित जटिलताएं हो गई हैं।

हालांकि, उनकी मौजूदा स्थिति के बारे में अभी तक कोई पुष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है।

एक और अनीता को भी सिजेरियन डिलीवरी के बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो गई हैं।

चेहरे की झुर्रियों से हैं परेशान? रोज करें कपोल शक्ति विकासक क्रिया

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। प्राचीन भारतीय योग परंपरा में शरीर के प्रत्येक अंग को स्वस्थ, क्रियाशील और ऊर्जावान बनाए रखने के लिए विशिष्ट क्रियाओं का विधान है। इन्हीं में से महत्वपूर्ण 'कपोल शक्ति विकासक' क्रिया है। यह आसन न केवल चेहरे की सुंदरता और तेज को बढ़ाता है बल्कि यह पाचन क्रिया, वाणी और प्राण शक्ति से भी गहरा संबंध रखता है।

संस्कृत में 'कपोल' का अर्थ गाल और 'शक्ति विकासक' का अर्थ है शक्ति को विकसित करने वाला। अर्थात यह एक ऐसा योगाभ्यास है जो गालों की मांसपेशियों को सक्रिय, सशक्त और सुडौल बनाता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने 'कपोल शक्ति विकासक' को चेहरे की मांसपेशियों और त्वचा के स्वास्थ्य के लिए उपयोगी बताया है। यह क्रिया देखने में बहुत सरल है लेकिन इसके नियमित अभ्यास से चेहरे पर रक्त संचार बढ़ता है, गालों में स्वाभाविक लालिमा और कसावट आती है तथा फेफड़ों की कार्यक्षमता भी बेहतर होती है। इसलिए इसे चेहरे के योग या फेशियल योग का एक महत्वपूर्ण अंग माना जाता है।

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली, गलत खानपान और बढ़ती उम्र के कारण चेहरे की मांसपेशियां ढीली पड़ने लगती हैं, चेहरे पर झुर्रियां आ जाती हैं। ऐसे में कपोल शक्ति विकासक न केवल चेहरे की सुंदरता और तेज को बढ़ाता है बल्कि यह पाचन क्रिया, वाणी और प्राण शक्ति से भी गहरा संबंध रखता है।

कपोल शक्ति विकासक अभ्यास के फायदे कई हैं। यह चेहरे की मांसपेशियों को टोन करता है, जिससे गालों में खिंचाव आता है और चेहरा आकर्षक बनता है। जालंधर बंध के कारण थायरॉइड ग्रंथि की कार्यक्षमता सुधरती है।

आयुर्वेद के 'अमृत': लौंग से ज्वार तक, सेहत के लिए वरदान भगवती को प्रिय ये चीजें

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। शारदीय नवरात्रि को लेकर हर तरफ भक्ति और उल्लास है। नवरात्रि के दौरान भक्त मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए कई विशेष चीजें अर्पित करते हैं, जैसे लौंग, ज्वार-ज्वारे का रस, पान का पत्ता, किशमिश, गुड़, तिल और इलायची। ये न केवल देवी को प्रिय हैं, बल्कि आयुर्वेद में इन्हें औषधीय गुणों का खजाना माना जाता है।



देवी को प्रिय ये चीजें सेहत का खजाना भी हैं, जो पाचन, रोग प्रतिरोधक क्षमता, श्वसन और तन मन दोनों के स्वास्थ्य को मजबूत बनाती हैं। गुप्त नवरात्रि में इनका भोग लगाने से आध्यात्मिक और शारीरिक लाभ दोनों मिलते हैं।

लौंग :- लौंग को आयुर्वेद में खासा स्थान प्राप्त है। नेचुरल पेन किलर के इस्तेमाल से दांत दर्द, माइग्रेन के साथ ही मुंह की दुर्गंध और पाचन समस्याओं में भी राहत मिलती है। इसमें यूजेनॉल नामक तत्व होता है, जो एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण प्रदान करता है।

यह खांसी, सर्दी-जुकाम में राहत देता है और पेट की गैस, एसिडिटी को दूर करता है। लौंग चबाने से मुंह ताजा रहता है और इम्यूनिटी बढ़ती है।

ज्वार-ज्वारे का रस :- ज्वारे का रस आयुर्वेद में अमृत तुल्य माना जाता है। यह विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। ज्वारे का रस शरीर को अंदर से साफ कर, ब्लड शुगर कंट्रोल करता है और डायबिटीज में भी फायदेमंद है। यह पाचन सुधारता है, वजन घटाने में मदद करता है और जोड़ों के दर्द, सूजन को कम करता है। कलश स्थापना में ज्वार बेहद जरूरी होता है।

पान का पत्ता :- यह आयुर्वेद में पाचन, श्वसन और मुंह स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है। यह एंटीसेप्टिक गुणों से भरपूर होता है, जो बैक्टीरिया से लड़ता है और मुंह की दुर्गंध दूर करता है।

रोजाना 5 मिनट करें सेतुबंधासन, दूर होगी कब्ज की समस्या और मजबूत होगी रीढ़ की हड्डी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आजकल की व्यस्त दिनचर्या और दफ्तर में घंटों में बैठे रहने से कमर दर्द, तनाव और थकान होना आम समस्या बन गई है। ऐसे में सेतुबंधासन को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से शरीर को कई तरह के लाभ मिल सकते हैं। इसके नियमित अभ्यास करने से रीढ़ की हड्डी लचीली रहती है और शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है।

सेतुबंधासन दो शब्दों से मिलकर बना है - 'सेतु' मतलब पुल और 'बंध' मतलब बांधना। इस आसन को करने के दौरान शरीर की आकृति पुल जैसी बनती है, इसलिए इसे सेतुबंधासन या ब्रिज पोज कहा जाता है। यह आसन दिखने में जितना आसान लगता है, फायदे में भी उतने ही कारगर होते हैं। यह न सिर्फ रीढ़ की हड्डी को लचीला और मजबूत बनाता है बल्कि दिल को स्वस्थ रखने, पाचन सुधारने और मन को शांत रखने में भी मदद करता है।





















मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने साफ-सफाई बेहतर करने के लिए 500 से अधिक एमसीडी वाहन किए लॉन्च

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने शनिवार को एमसीडी वार्डों के लिए घर-घर जाकर कचरा उठाने वाले 500 से अधिक वाहनों और बैटरी से चलने वाली 250 कचरा उठाने वाली मशीनों की शुरुआत की। यह पहल प्राथमिक और द्वितीयक वाहनों के जरिए साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के प्रयासों का हिस्सा है।

सरिता विहार में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार शहर में साफ-सफाई की सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए नगर निकाय को सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

मल्होत्रा ने कहा कि राजधानी में विकास अपने सही अर्थों में तब शुरू हुआ जब भाजपा की विधानसभा चुनाव जीत के बाद रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री का पद संभाला। एक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने मेयर प्रवेश वाही, डिप्टी मेयर मोनिका पंत और स्थायी



समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा की मौजूदगी में नई एनडीसी सुविधाओं का उद्घाटन किया।

बयान में कहा गया है कि इस पहल के तहत घर-घर जाकर कचरा उठाने के लिए 428 ऑटो-टिपर, 128 ई-रिक्शा और 25 टाटा 407 वाहन शामिल किए गए हैं।

कार्यक्रम में कचरे को तेजी से ढोने के लिए 27 रिफ्यूज कॉम्पैक्टर, 5 रिफ्यूज कलेक्टर और 30 हुक लोडर भी लॉन्च किए गए। बयान के मुताबिक, कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए 100 और कॉम्पैक्टर बिन भी जारी किए गए।

बयान में बताया गया है कि दिल्ली के सभी 250 वार्डों में सड़कों और सार्वजनिक जगहों की सफाई के लिए बैटरी से चलने वाली आधुनिक 'लिटर पिकर' (कचरा उठाने वाली) मशीनें लाई गई हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रविवार को यमुना के किनारे स्वयंसेवकों के साथ मिलकर एक सफाई अभियान का नेतृत्व करेंगी।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक संदेश में कहा गया, 'यमुना की स्वच्छता हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। आइए, 18 अक्टूबर को सुबह 7.30 बजे दिल्ली में 70 जगहों पर आयोजित होने वाले इस बड़े स्वच्छता अभियान में शामिल हों। अपने नजदीकी यमुना घाट पर पहुंचें और इस जन-संकल्प में अपना योगदान दें।' दिल्ली भाजपा के एक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री आईटीओ हाथी घाट-1 पर यमुना किनारे स्वयंसेवकों के साथ जुड़ेंगे, जबकि मल्होत्रा गांधी नगर घाट पर स्वच्छता अभियान का नेतृत्व करेंगे। बयान में कहा गया है कि दक्षिण दिल्ली के सांसद रामवीर बिधूड़ी कालिंदी कुंज किनारे स्वच्छता अभियान का नेतृत्व करेंगे, जबकि नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज राम घाट पर स्वयंसेवा देंगी।

महासप्तमी पर मां दुर्गा की आराधना

जेपी नड्डा ने देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को शक्ति, संयम और अगाध आस्था के महापर्व 'शारदीय नवरात्रि' की महासप्तमी के पावन अवसर पर राजधानी दिल्ली में मातृ शक्ति के श्रीचरणों में असीम श्रद्धा निवेदित की।

इस मंगल और भक्तिपूर्ण बेला में उनके साथ लोकसभा सांसद बांसुरी स्वराज और क्षेत्रीय विधायक शिखा राय ने भी पूर्ण श्रद्धा-भाव के साथ सहभागिता की।

जनसेवा एवं राष्ट्र-निर्माण में अहर्निश समर्पित इन सभी गणमान्य हस्तियों ने एक साथ मिलकर लोक-कल्याण की उदात्त भावना के साथ देवी मां के भव्य दरबार में वंदन किया और उनका अमोघ आशीर्वाद प्राप्त किया।

जगत प्रकाश नड्डा ने इस पवित्र दिन की शुरुआत झंडेवालान मंदिर में माता के भव्य दर्शन और सविधि पूजा-अर्चना के साथ की। मातृ शक्ति के प्रति अपनी इसी अविरल और प्रगाढ़ भक्ति को आगे बढ़ाते हुए, वे चितरंजन पार्क स्थित सुप्रसिद्ध कालीबाड़ी मंदिर पहुंचे, जहां व निरंतर समृद्धि के लिए हृदय से



शंखनाद, ढाक की मधुर गूंज और वैदिक मंत्रोच्चार के अलौकिक वातावरण के बीच उन्होंने मां कालरात्रि की आराधना की। इसी भक्तिपूर्ण यात्रा के क्रम में, उन्होंने ग्रेटर कैलाश-सेकेंड स्थित भव्य दुर्गा पूजा पंडाल के भी दर्शन किए। जहां उन्होंने पूरे विधि-विधान के साथ मां दुर्गा की वंदना की और पुष्पांजलि अर्पित कर उनका पावन आशीर्वाद प्राप्त किया।

इन सभी पवित्र स्थलों पर देवी के समक्ष पूरी एकाग्रता के साथ शीश नवाते हुए नड्डा ने समस्त देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सर्वव्यापी सुख-शांति तथा राष्ट्र के चहुंमुखी विकास मंगल कामना की।

जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में जानकारी देते हुए कहा कि आज नवरात्रि के पावन अवसर पर नई दिल्ली में ग्रेटर कैलाश-2 के दुर्गोत्सव दुर्गा पूजा पंडाल में जगज्जननी मां अम्बा की पूजा-अर्चना कर समस्त देशवासियों के सुख-समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के इस उत्सव में मां की कृपा से सभी के संकट दूर हों, जीवन मंगलमय हो, यह प्रार्थना है। मैं दुर्गा पूजा के सभी आयोजकों को दुर्गोत्सव की बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

जंतर-मंतर हिंसा: सुप्रीम कोर्ट की समिति ने प्रभावित लोगों से शिकायतें मांगीं

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित उच्चाधिकार प्राप्त जांच समिति (एचपीईसी) ने जुलाई में दिल्ली के जंतर-मंतर और अन्य शहरों में हुई हिंसा से जुड़ी घटनाओं से प्रभावित लोगों से शिकायतें और अभ्यावेदन आमंत्रित करने शुरू कर दिए हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी के अनुसार, प्रभावित लोगों और पुलिसकर्मियों की सुविधा के लिए पूर्व न्यायमूर्ति



आर. सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता वाली समिति ने एक पोर्टल शुरू किया है। प्रभावित लोग इस पोर्टल के माध्यम से अपनी शिकायतें और संबंधित जानकारी समिति के सामने रख सकते हैं। पांच सदस्यीय एचपीईसी को जुलाई में कथित परीक्षा अनियमितताओं के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के दौरान दिल्ली के जंतर-मंतर और राजधानी के बाहर विभिन्न स्थानों पर हुई हिंसा से जुड़े सभी पहलुओं की जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अधिकारी ने बताया कि समिति 18 अगस्त और 10 सितंबर 2026 को सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए गए आदेशों में उल्लिखित मुद्दों की जांच करेगी। इसमें 18 अगस्त के आदेश के पैरा 12 और 13 तथा 10 सितंबर के आदेश के पैरा 5(द्ब) में बताए गए विषय शामिल हैं।

महिला पत्रकार ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की, गर्भावस्था में धक्का देने का आरोप

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। महिला पत्रकार ऋचा पराशर ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज कराते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 12 अक्टूबर 2026 को सुप्रीम कोर्ट परिसर में रिपोर्टिंग के दौरान उनके साथ धक्का-मुक्की की गई, धमकाया गया और आपराधिक बल का इस्तेमाल किया गया। पत्रकार के



अनुसार, घटना के समय वह लगभग 11 सप्ताह की गर्भवती थीं।

वनइंडिया में एसोसिएट प्रोड्यूसर के पद पर कार्यरत ऋचा पराशर ने नई दिल्ली जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) को दी शिकायत में घटना की विस्तृत जानकारी दी है। उन्होंने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच करने की मांग की है। शिकायत के अनुसार, 12 अक्टूबर को शाम करीब 6:30 बजे ऋचा सुप्रीम कोर्ट परिसर में रजिस्ट्री काउंटर के पास एक याचिका से जुड़ी खबर की कवरेज कर रही थीं। इसी दौरान राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों का एक बड़ा समूह परिसर में पहुंचा। पत्रकार का आरोप है कि उन्होंने राहुल गांधी से सुप्रीम कोर्ट परिसर में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मौजूदगी को लेकर सवाल पूछा, जिसके बाद राहुल गांधी ने उन्हें धक्का दिया।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने तमिल फिल्म संगीतकार देवा के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को प्रसिद्ध तमिल फिल्म संगीतकार देवा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उपराष्ट्रपति ने अपने शोक संदेश में कहा कि उन्होंने अपने संगीत से आम लोगों के जीवन, भावनाओं और अनुभवों को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि देवा ने तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं की 400 से अधिक फिल्मों में संगीत देकर भारतीय सिनेमा में अमिट योगदान दिया है।

दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण से निपटने के लिए स्टार्टअप्स प्रतिनिधियों के साथ बैठक

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने शनिवार को दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए काम कर रहे स्टार्टअप्स और नवाचार कंपनियों के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने नीति निर्माताओं और प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तकों के बीच की खाई को पाटने की आवश्यकता पर जोर दिया।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मंत्री भूपेंद्र यादव ने विशिष्ट समस्या विवरण प्रस्तुत किए और वायु प्रदूषण प्रबंधन के



नौ प्रमुख क्षेत्रों को कवर करते हुए समाधान मांगे।

उन्होंने स्टार्टअप्स के साथ इस बात पर चर्चा की कि उनकी प्रौद्योगिकियों को जमीनी स्तर पर कैसे अनुकूलित, विस्तारित और लागू किया जा सकता है।

मंत्रालय और इसके क्षेत्रीय कार्यालयों ने स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 में सक्रिय रूप से भाग लिया

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। खान मंत्रालय ने अपने क्षेत्रीय कार्यालयों और प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन संगठनों के साथ मिलकर स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) अभियान 2026 में सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस पहल के माध्यम से स्वच्छ भारत की भावना को स्वच्छ, स्वस्थ और अधिक टिकाऊ भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों में परिणत किया गया। स्वच्छता अभियान, स्वच्छता लक्षित इकाइयों (सीटीयू) का कायाकल्प, सार्वजनिक स्थलों की



सफाई तथा सफाई मित्रों के कल्याण के लिए की गई पहलों के माध्यम से मंत्रालय ने स्वच्छता, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और जनभागीदारी को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। अभियान का शुभारंभ खान मंत्रालय में सचिव केशव चंद्र के नेतृत्व में स्वच्छता शपथ दिलाकर किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता, साफ-सफाई और मजबूत कार्यप्रणालियों के प्रति मंत्रालय की सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराया गया। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने खान मंत्रालय के सचिव और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ यशवंत पैलेस मार्केट, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में स्वच्छता ही सेवा 2026 के तहत आयोजित स्वच्छता अभियान में भाग लिया।

भारत में सरकारें बैलेट से बनती हैं, बुलेट से नहीं: मुख्तार अब्बास नकवी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने राहुल गांधी पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान का समर्थन करते हुए कांग्रेस और विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारत में सरकारें जनता के जनादेश से बनती और बदलती हैं, न कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन या अराजकता के जरिए। नकवी ने बांग्लादेश की तर्ज पर सत्ता परिवर्तन की कोशिशों के आरोपों के बीच कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और यहां सरकार बदलने का रास्ता



चुनाव है। राहुल गांधी पर युवाओं को गुमराह करने और बांग्लादेश की तरह सरकार बदलने की कोशिश करने के राजनाथ सिंह के आरोपों पर नकवी ने कहा कि लोकतंत्र जनादेश से चलता है। कुछ लोगों को यह गलतफहमी है कि सरकारें चुनाव के बजाय जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शन और उपद्रव से बदल सकती हैं।

अंतरराष्ट्रीय हथियार और मादक पदार्थ तस्करी मामले में एनआईए ने दाखिल की तीसरी चार्जशीट

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अंतरराष्ट्रीय हथियार और मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े मामले में राजस्थान के जयपुर स्थित एनआईए की विशेष अदालत में तीसरी चार्जशीट दाखिल की है। इसमें जुलाई 2026 में गिरफ्तार किए गए दो अन्य आरोपियों सत्यनारायण मेघवाल और साहिल गोदारा को नामजद किया गया है। इसके साथ ही, पहले चार्जशीट किए जा चुके छह आरोपियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूए(पी)ए) की अतिरिक्त धाराएं भी लगाई गई हैं।

एनआईए के अनुसार, सत्यनारायण मेघवाल, अमी लाल का पुत्र है, जबकि साहिल गोदारा, विजय सिंह का पुत्र है। दोनों के खिलाफ यूए (पी)ए, शस्त्र अधिनियम, स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। इस मामले में एनआईए ने इससे पहले 14 अगस्त 2025 और 5 फरवरी 2026 को दो चार्जशीट दाखिल की थीं।

मामला उत्तर भारत में सक्रिय एक कथित संगठित तस्करी नेटवर्क से जुड़ा है, जिसके सीमा पार संपर्क होने की बात सामने आई है। जांच के अनुसार, सीमा पार मौजूद नेटवर्क के सहयोगी अंतरराष्ट्रीय सीमा के आसपास ड्रोन के जरिए विदेश में निर्मित अवैध हथियार, गोला-बारूद और हेरोइन की खेप गिराते थे। भारतीय क्षेत्र में मौजूद सह-आरोपी और नेटवर्क के अन्य सदस्य इन खेपों को उठाकर राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में वितरित करते थे।

जांच में यह भी सामने आया कि नेटवर्क अपने कामकाज के समन्वय, रसद व्यवस्था और कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बचने के लिए एन्क्रिप्टेड संचार माध्यमों का इस्तेमाल करता था।

एनआईए की जांच के मुताबिक, यह नेटवर्क मादक और मन:प्रभावी पदार्थों के वितरण के जरिए युवाओं को निशाना बनाने की कोशिश कर रहा था। एजेंसी के अनुसार, इसके पीछे युवाओं में नशे की लत को बढ़ावा देने, उनका शोषण करने और भारत के प्रति असंतोष पैदा करने के उद्देश्य थे।

एनआईए ने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है। एजेंसी शेष संदिग्धों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने, तस्करी नेटवर्क के व्यापक संपर्कों का पता लगाने और कथित आपराधिक गतिविधियों के पूरे दायरे को स्थापित करने में जुटी है।

5 करोड़ रिश्वत मामले में ईडी की कार्रवाई, दिल्ली एयरपोर्ट पर पंजाबी फिल्म निर्माता अमरदीप ग्रेवाल हिरासत में

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर से जुड़े 5 करोड़ रुपए के रिश्वत मामले में ईडी की जांच का सामना कर रहे पंजाबी फिल्म निर्माता अमरदीप सिंह ग्रेवाल को शनिवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) के तहत हिरासत में लिया गया।

सूत्रों के अनुसार, भगवंत मान के बहनोई ग्रेवाल को उनके खिलाफ जारी एलओसी (लुकआउट सर्कुलर) के आधार पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया। फिलहाल ईडी इस मामले के सिलसिले में उनसे पूछताछ कर रही है। ग्रेवाल पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में एक जाना-माना नाम हैं और 'ईस्ट सनशाइन प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड' से जुड़े हैं। इस कंपनी ने 'मौजां ही मौजां' (2023) और 'स्नोमैन' (2022) जैसी फिल्में बनाई हैं, जिनका विदेशों में भी प्रोडक्शन और रिलीज से संबंध रहा है।

यह मामला अमृतसर और मोहाली में दर्ज एक रेप केस से जुड़ा है। आरोप है कि ग्रेवाल ने एफआईआर रद्द कराने या जांच खत्म कराने के बदले 5 करोड़ रुपए की मांग की थी। ये आरोप पूर्व हाईकोर्ट जज जस्टिस रंजीत सिंह की अध्यक्षता में हुई एक जांच के दौरान सामने आए। एक याचिका में दावा किया गया कि यह मांग मुख्यमंत्री की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर मान के नाम पर की गई थी। हालांकि डॉ. गुरप्रीत कौर ने इन आरोपों का कड़ा खंडन किया है और जज को एक कानूनी नोटिस भेजा है।

इस विवाद के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मामले का संज्ञान लिया और पंजाब के मुख्य सचिव तथा पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से रिपोर्ट मांगी। बाद में यह मामला पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट पहुंच गया। ईडी ने इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की और ग्रेवाल को 7 अक्टूबर को दिल्ली में अपनी हाई इंटेंसिटी यूनिट (एचआईयू) के सामने पेश होने के लिए समन भेजा।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415